मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	34.5	27.7
जमशेदपुर	30.1	25.7
डालटनगंज	34.5	27.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 10 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 92 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

क्या बिना प्रदूषण अनापत्ति प्रमाण पत्र के चल रहा था नरसिंह इस्पात !

दिलीप कुमार। चांडिल

- चांडिल अनुमंडल पदाधिकारी ने 22 जून को नोटिस जारी किया था.
- **नरसिंह इस्पात कंपनी ने 26 जून को अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया.**
- वन विभाग से संबंधित राज्य सरकार का एनओसी नहीं जमा किया.

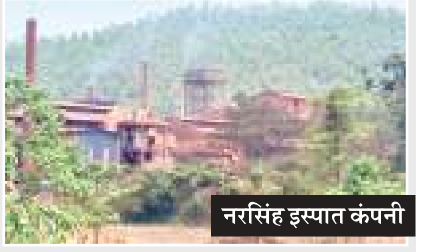

नरसिंह इस्पात कंपनी

नरसिंह इस्पात कंपनी ने चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) शुभ्रा रानी के नोटिस का जवाब दे दिया है. कंपनी के जवाब से यह पता चलता है कि नरसिंह इस्पात ने नोटिस मिलने के बाद प्रदूषण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया है. ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या इससे पहले कंपनी के पास प्रदूषण विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं था. क्या कंपनी 26 जून से पहले बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र के ही संचालित हो रही थी. इस बारे में कंपनी ने अपने जवाब में कुछ भी उल्लेख नहीं किया है. शुभम संदेश ने इस बारे में जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली. कंपनी की तरफ से जानकारी दिए जाने पर उसे भी प्रकाशित किया जाएगा.

जानकारी के मुताबिक चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी ने 22 जून को नरसिंह इस्पात लिमिटेड कंपनी प्रबंधन को नोटिस दिया था. कंपनी से तीन बिंदुओं पर जवाब मांगा गया था. नोटिस में सरकारी जमीन हस्तांतरण से संबंधित दस्तावेज के अलावा वन एवं पर्यावरण विभाग से कंपनी संचालन को लेकर मिले अनापत्ति प्रमाण पत्र और झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मिला अनापत्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था. इसके लिए कंपनी प्रबंधन को एक सप्ताह का समय दिया गया था. कंपनी प्रबंधन ने जो जवाब दिया है, उसमें 26 जून को निर्गत प्रदूषण विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र और 2018 में निर्गत एमओईएफ शामिल है. कंपनी ने वन विभाग से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र के बारे में कोई जानकारी एसडीओ को नहीं दी है. सरकारी जमीन के हस्तांतरण के बिंदु पर कंपनी ने कहा है कि जमीन का हस्तांतरण नहीं हुआ है और कंपनी सरकारी जमीन का उपयोग नहीं कर रही है.

जवाब का सत्यापन किया जा रहा है : एसडीओ

एसडीओ शुभ्रा रानी ने शुभम संदेश को बताया कि नरसिंह इस्पात प्रबंधन से तीन बिंदुओं पर जबाव मांगा गया था. प्रबंधन ने नोटिस का जबाव देते हुए प्रदूषण विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र और वर्ष 2018 में निर्गत एमओईएफ सौंपा है. अनापत्ति प्रमाण पत्रों को प्रदूषण और वन विभाग को सत्यापन के लिए भेजा गया है. रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने बताया कि ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट के तहत कंपनी प्रबंधन को हर साल प्रदूषण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना है. इसके तहत हर वर्ष जनसुनवाई भी करानी है. जनसुनवाई हो रही या नहीं, इसकी जांच होगी. सरकारी जमीन का उपयोग करने और उसकी घेराबंदी करने की भी जांच होगी. प्रबंधन नोटिस का गोलमटोल जबाव देकर मामले को उलझाने की कोशिश कर रहा है. उन्होंने बताया कि प्रदूषण विभाग से मिले अनापत्ति प्रमाण पत्र और वन विभाग के अनापत्ति प्रमाण पत्र की भी जांच की जाएगी. नियम विरुद्ध काम होने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी. जरूरत पड़ी, तो ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर सच्चाई जानने का प्रयास किया जाएगा. कार्रवाई के तहत श्रम अधिनियम के तहत कंपनी के संचालन, कंपनी में कामगारों के लिए स्वास्थ्य समेत अन्य सुविधा, कामगारों को मिलने वाली सुविधाएं, सीएसआर के तहत किए गए विकास कार्य समेत अन्य कई मामलों की भी जांच भी हो सकती है.

शुभ्रा रानी, एसडीओ

ग्रामीणों ने लगाया आरोप नियम नहीं मान रही कंपनी

खूंटी और आसपास के ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन द्वारा ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं. ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट के तहत प्रदूषण को लेकर आसपास के ग्रामीणों के साथ बैठक कर किसी तरह की जन सुनवाई नहीं की जाती है. वहीं, कंपनी पर आरोप है कि सरकार द्वारा निर्धारित मानकों को दरकिनार कर उक्त कंपनी वन भूमि से सटाकर स्थापित की गयी है. वन विभाग के नियम के अनुसार वन भूमि से कंपनी की दूरी 250 मीटर होनी चाहिए. नरसिंह इस्पात लिमिटेड के खिलाफ वनवाद भी दर्ज हो चुका है. ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में शिक्षा व खेल के विकास, स्वास्थ्य, पेयजल समेत अन्य समग्र विकास के लिए सीएसआर के तहत कंपनी कोई काम भी नहीं करती है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,900
चांदी (किलो)	94,000

ब्रीफ खबरें

बुमराह, मंधाना आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। टी20 विश्व कप में भारत के विजयी अभियान के नायक रहे जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को जून महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना है. महिला वर्ग में स्मृति मंधाना को भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है.

-खेल पेज भी देखें

राहुल गांधी शहीद के परिजनों से मिले

लखनऊ (उप्र)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने कीर्ति चक्र विजेता शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की. इस दौरान शहीद की मां ने सेना में अग्निवीर सैनिकों की भर्ती पर रोक लगाने की मांग की.

भारत में घटिया तेल से हर साल 27 की मौत

वाशिंगटन। भारत में भोजन पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले घटिया तेल के संपर्क में आने के कारण हर 1,000 शिशुओं और बच्चों में से 27 की मौत हो जाती है. अमेरिका के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय द्वारा जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है.

नीट धांधली मामले में दो और लोग गिरफ्तार

नयी दिल्ली। सीबीआई ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी प्रश्नपत्र के कथित लीक मामले में एक अभ्यर्थी समेत दो और लोगों को पटना से गिरफ्तार किया है. इसके साथ ही एजेंसी द्वारा मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 11 हो गई है. अधिकारियों ने बताया कि नालंदा निवासी नीट-यूजी अभ्यर्थी सन्नी और गया निवासी अन्य अभ्यर्थी रंजीत कुमार के पिता को गिरफ्तार किया गया है.

फजीहत : अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में तीन सांसदों की बड़ी पहल

फादर स्टेन की मौत की स्वतंत्र जांच का प्रस्ताव

फिर चर्चा में

ललित के झा। वाशिंगटन

अमेरिका के तीन मुखर सांसदों ने भारत के मानवाधिकार कार्यकर्ता फादर स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी, उन्हें कैद में रखने और उनकी मौत की स्वतंत्र जांच के लिए प्रतिनिधि सभा में एक आग्रह प्रस्ताव पेश किया है. स्टेन स्वामी की 5 जुलाई 2021 को मुंबई में हिरासत के दौरान मौत हुई थी. सांसद जुअन वार्गस, सांसद जिम मैकगवर्न और आंद्रे कार्सन द्वारा पेश प्रस्ताव में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं व विपक्षी दलों को निशाना बनाने के लिए आतंक विरोधी कानूनों के दुरूपयोग पर चिंता व्यक्त की गई है.

प्रस्ताव में भारत के सुप्रीम कोर्ट के हाल ही के उस निर्णय की सराहना की गई है, जिसमें पुराने विवादास्पद राजद्रोह कानून पर रोक लगाई थी. यह प्रस्ताव भारत और दुनिया भर की सभी सरकारों को यह स्पष्ट करता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मौलिक अधिकार है, जैसा कि मानवाधिकारों के अनुच्छेद 19 में लिखा गया है और 1948 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाया गया है, जो सभी मनुष्यों के अधिकारों और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करता है. प्रस्ताव में भारत की संसद से इस रोक को स्थाई करने का आग्रह किया गया है.

आतंकवाद विरोधी कानूनों के दुरूपयोग पर जताई चिंता

- 5 जुलाई 2021 को मुंबई के एक अस्पताल में हो गई थी फादर स्टेन स्वामी की मौत
- स्टेन स्वामी ने आदिवासी अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया था अपना जीवन

फादर को करना पड़ा दुर्व्यवहार का सामना

उन्होंने कहा, मैं इस बात को सोच कर सहम जाता हूं कि फादर स्टेन को किस तरह लगातार दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा और हिरासत में रहने के दौरान उन्हें चिकित्सा देखभाल से वंचित रखा गया. मैंने यह प्रस्ताव इसलिए पेश किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फादर स्टेन और उनकी आजीवन प्रतिबद्धता को कभी भुलाया न जाए. स्वामी का पांच जुलाई 2021 को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया था. उन्हें एक दिन पहले दिल का दौरा पड़ा था तथा उन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया था.

आदिवासियों के हक की करते थे वकालत

फ़ादर स्टेन ने अपना जीवन बेजुबानों को आवाज़ देने के लिए समर्पित कर दिया. वे स्वदेशी आदिवासी लोगों के अधिकारों के लिए अथक वकालत करते थे, युवा समुदाय के नेताओं को प्रशिक्षित करते थे और भारत में कई समुदायों के लिए न्याय के लिए काम करते थे. वर्गास ने कहा, एक पूर्व जेसुइट के रूप में, मैं इस बात से भयभीत हूं कि फादर स्टेन को लगातार दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा और हिरासत में रहने के दौरान उन्हें चिकित्सा देखभाल से वंचित रखा गया. मैंने यह प्रस्ताव इसलिए पेश किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फादर स्टेन और महान भलाई के लिए उनकी आजीवन प्रतिबद्धता को कभी भुलाया न जाए.

पेसा अधिनियम के लिए पैदा की जागरूकता

पर्वतारोही फादर स्टैनिस्लॉस लौर्दुस्वामी, जिन्हें फादर स्टेन के नाम से जाना जाता है, का जन्म 26 अप्रैल, 1937 को तमिलनाडु के दक्षिणी राज्य तिरुचिरापल्ली जिले के विरागलुर नामक गांव में हुआ था और कम उम्र से ही जेसुइट पादरियों के काम से प्रेरित होकर उन्होंने 1957 से धर्मशास्त्र का अध्ययन शुरू किया. प्रस्ताव के अनुसार, स्टेन ने समकालीन भारत के महत्वपूर्ण आदिवासी आंदोलनों में से एक, पत्थलगड़ी में भूमिका निभाई, जिसमें आदिवासी परंपराओं के पत्थर तराशने का इस्तेमाल आदिवासियों के बीच भारतीय संविधान के तहत उन्हें दिए गए अधिकारों के बारे में जानकारी फैलाने के लिए किया गया. झारखंड में फादर स्टेन ने भारतीय संविधान के प्रावधानों जैसे पंचायत या पेसा अधिनियम के कार्यान्वयन के बारे में जागरूकता पैदा की, जिसने आदिवासी भूमि पर रहने वाले लोगों के लिए स्वशासन की स्थापना की.

विभावि के पूर्व कुलपति का कोलकाता में निधन

रांची। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और विनोबा भावे विश्वविद्यालय (विभावि) के पूर्व कुलपति डॉ. रमेश शरण का कोलकाता में इलाज के दौरान निधन हो गया. उनका मंगलवार को मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया. इस मौके पर तमाम शिक्षाविद, विद्वान एवं उनके परिजन मौजूद थे. जानकारी के अनुसार, लंग्स में इन्फेकशन होने के कारण डॉ. रमेश शरण की कुछ दिन पहले तबीयत बिगड़ गयी थी. जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए कोलकाता ले जाया गया, जहां उन्होंने सोमवार की रात अंतिम सांस ली. बता दें कि डॉ. रमेश शरण को इसी साल फरवरी में विनोबा भावे विश्वविद्यालय का लोकपाल नियुक्त किया गया था.

जन्म : 16 दिसंबर, 1955
मृत्यु : 09 जुलाई, 2024

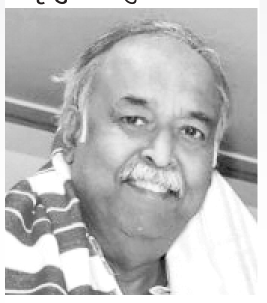

- लंग्स में इन्फेकशन होने के कारण डॉ. रमेश शरण (69 वर्ष) की कुछ दिन पहले तबीयत बिगड़ गयी थी.

इनकी नियुक्ति तीन साल के लिए की गई थी. लेकिन कार्यकाल पूरा होने से पहले ही डॉ. रमेश शरण का निधन हो गया.

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने जताया शोक

पूर्व कुलपति व अर्थशास्त्री डॉ. रमेश शरण का निधन अत्यंत दुखद है. शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है. मैं परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं. ईश्वर उन्हें दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें.- **सीपी राधाकृष्णन,** राज्यपाल झारखंड

डॉ. रमेश शरण का निधन अपूरणीय क्षति है. मैं निजी रूप से काफी मर्माहत हूं. मरांग बुरू से उनकी आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं. – **हेमंत सोरेन,** मुख्यमंत्री झारखंड

स्मृति शेष : डॉ. रमेश शरण

अर्थशास्त्री-शिक्षक ही नहीं सामाजिक चेतना के स्वर थे

प्रवीण कुमार

अर्थशास्त्री डॉ. रमेश शरण का जाना झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है. झारखंड के हाशिए के समूहों के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सवालों को व्यापक नजरिए से उठाने वाली वह आवाज हमेशा के लिए खामोश हो गई, जो पिछले पांच दशक से झारखंड के लोगों के सुख-दुख का हिस्सा थी. मेरे लिए तो डॉ. शरण न केवल गुरु और मार्गदर्शक थे, बल्कि मेरे जीवन को गढ़ने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी. आर्थिक सवालों पर तैयार की गई झारखंड की पहली विकास रिपोर्ट बनानेवाले डॉ. रमेश शरण ने उस प्रक्रिया में मुझे भी जोड़ा था. हाशिए के समूहों की आवाज उठाने के लिए वह अक्सर अपने छात्रों को प्रेरित किया करते थे. 28 मई 2024 को उन्होंने फोन कर झारखंड की राजनीति पर लंबी बात की. उन्होंने कहा कि न जाने कब बदलेगा झारखंड, कब यहां को लोगों के लिए सरकारें नीतियां बनाएंगी.

-शेष पेज 7 पर

> हाशिए के समूहों के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सवालों को उठानेवाला आवाज खामोश हो गया

14 दवाओं के लाइसेंस रद्द होने के बाद बिक्री रोकी

पतंजलि आयुर्वेद ने सुप्रीम कोर्ट में दी सफाई

एजेंसी। नयी दिल्ली

बाबा रामदेव की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं. उनकी कंपनी पतंजलि ने सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी कि उसने उन 14 उत्पादों की बिक्री पर रोक लगा दी है, जिनके निर्माण लाइसेंस को उत्तराखंड की सरकार ने निलंबित कर दिया था.

पतंजलि ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लिखित में जानकारी दी कि उसने अपने 14 उत्पादों की बिक्री भी रोक दी है, जो उत्तराखंड के ड्रग रेगुलेटर द्वारा निलंबित किए गए थे.

सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा

पतंजलि दो हफ्ते में हलफनामा दाखिल कर यह बताए कि क्या विज्ञापनों को हटाने के लिए सोशल मंचों से किया गया अनुरोध मान लिया गया है. साथ ही क्या इन 14 उत्पादों के विज्ञापन वापस ले लिए गए हैं.

ये हैं 14 उत्पाद: इन उत्पादों में अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और डायबिटीज के लिए रामदेव की पारंपरिक दवाएं भी शामिल हैं. मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दिव्य फार्मेसी की जिन दवाओं पर सरकार ने बैन लगाया है उनमें श्वासारि गोल्ड, श्वासारि वटी, ब्रोंकोम, श्वासारि प्रवाही, श्वासारि अवलेहा, मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर, लिपिडोम, लिवामृत एडवांस, लिवोग्रिट, बीपी ग्रिट, मधुग्रिट, मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर और पतंजलि दृष्टि आई ड्रॉप शामिल हैं.

दरअसल, उत्तराखंड ने बाबा रामदेव की दवा कंपनियों द्वारा बनाए गए इन 14 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस को उनकी प्रभावशीलता के बारे में बार-बार भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए निलंबित कर दिया है.

विज्ञापनों को हटाने का अनुरोध : कंपनी ने मंगलवार को न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि उसने 5,606 स्टोरों से इन उत्पादों को वापस लेने का निर्देश जारी किया है. उसने यह भी बताया कि सोशल मीडिया मंचों को भी निर्देश दिया गया है कि वे इन 14 उत्पादों से जुड़े सभी विज्ञापनों को हटा लें.

गौतम गंभीर बने टीम इंडिया के नए हेड कोच

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने गौतम गंभीर को टीम इंडिया टीम का हेड कोच बनाने का ऐलान कर दिया है. गंभीर टीम के 25वें हेड कोच होंगे. टी20 वर्ल्ड कप के बाद राहुल द्रविड़ ने छोड़ दिया था. अब जुलाई के अंत में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में गंभीर, टीम से जुड़ेंगे. जय शाह ने एक्स पर कहा - मुझे घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि गंभीर अब टीम इंडिया के हेड कोच होंगे.

शिखर वार्ता : रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के साथ शिखर वार्ता में पीएम मोदी की दो टूक

बम-बारूद से यूक्रेन युद्ध का समाधान नहीं, वार्ता जरूरी

एजेंसी। मॉस्को

पीएम नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मंगलवार को द्विपक्षीय बैठक की. इस दौरान उन्होंने आतंकवाद, यूक्रेन युद्ध समेत कई मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए. पीएम मोदी ने कहा कि रूस से करीब ढाई दशक से मेरा नाता जुड़ा है.

उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में हम 17 बार मिल चुके हैं और भारत और रूस के बीच 25 साल में 22 द्विपक्षीय बैठकें हुई हैं. यह मेरी मॉस्को की छठी यात्रा है और यह हमारे संबंधों की गहराई दिखाता है. रूस-यूक्रेन युद्ध की बात करते हुए मोदी ने कहा, युद्ध हो, संघर्ष हो, आतंकी हमले हों, मानवता में विश्वास करने वाला हर व्यक्ति, जब जनहानि होती है, तो बहुत पीड़ित होता है. उसमें भी जब मासूम बच्चों की मौत होती है, उन्हें मरते हुए देखते हैं तो हृदय छलनी हो जाता है. मित्र के नाते हमने हमेशा कहा है कि हमारी भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए शांति सर्वाधिक आवश्यक है. मैं यह भी जानता हूं कि युद्ध के मैदान में समाधान संभव नहीं होते हैं.

पीएम मोदी ने कहा, बम-बंदूक और गोलियों के बीच समाधान और शांति वार्ताएं सफल नहीं होती हैं. हमें वार्ता से शांति के रास्ते अपनाने होंगे. मुझे इस बात का संतोष है कि कल इतने खुले मन से आप बात कर रहे थे, जिसमें कोई लीपापोती नहीं थी. मैंने देखा, हमारी बातचीत में से कई अच्छे आइडिया निकले. इनमें से ही एक नई सोच सामने आई . हमारी बात में यह भी मन बना कि शांति की बहाली में भारत हर संभव सहयोग करने को तैयार है.

रूस में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलेगा भारत : मोदी ने कहा, भारत रूस में दो नए वाणिज्य दूतावास कजान और येकातेरिनबर्ग में खोलेगा. इससे दोनों देशों में व्यापार में बढ़ोतरी होगी.

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का मिला न्यौता : इस दौरान पुतिन ने पीएम मोदी को कजान में ब्रिक्स सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है. यह सम्मेलन 22 से 24 अक्टूबर को रूस में होगा.

पीएम मोदी को रूस का सर्वोच्च सम्मान

मॉस्को। पीएम नरेंद्र मोदी को मंगलवार को व्लादिमीर पुतिन ने ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू एपोसल पुरस्कार से सम्मानित किया. मोदी को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने की दिशा में सेवाओं के लिए इस सम्मान से नवाजा गया है. मोदी ने एक समारोह में पुरस्कार प्राप्त करने के बाद एक्स पर लिखा, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोसल पुरस्कार प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं. मैं इसे भारत की जनता को समर्पित करता हूं. वर्ष 1698 में यीशू के प्रथम प्रचारक और रूस के संरक्षक संत सेंट एंड्रयू के सम्मान में जार पीटर द ग्रेट द्वारा स्थापित ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोसल रूस का सर्वोच्च राजकीय सम्मान है.

20 ढोंगी संत होंगे ब्लैकलिस्टेड

13 अखाड़ों में बनी सहमति, 18 को होगी अखाड़ा परिषद की बैठक

लगातार न्यूज नेटवर्क। प्रयागराज

यूपी के हाथरस कांड से सुर्खियों में छाए भोले बाबा समेत 20 ढोंगी बाबाओं को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा. देश के सभी 13 धार्मिक अखाड़ों के बीच इस पर सहमति बन गई है. कुंभ मेला प्रशासन के साथ 18 जुलाई को होनेवाली बैठक में अखाड़ो की ओर से इसका प्रस्ताव आएगा. कहा जाएगा कि ढोंगी बाबाओं को मेले में बसने में सुविधाएं न दी जाएं.

यह जानकारी देते हुए अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बताया कि जनता को भ्रमित कर अपने भक्तिजाल में फंसाने वाले बाबाओं की सूची तैयार कर ली गई है. ऐसे बाबाओं को महाकुंभ में दुकानें नहीं सजाने देंगे. इस बारे में सभी अखाड़ों के प्रतिनिधियों की सहमति बन चुकी है कि पाखंडी बाबाओं की सूची जारी की जाए.

> नारायण साकार हरि खुद को परम ब्रह्म बता रहे हैं. वह कहते हैं कि वही ब्रह्मा, विष्णु, महेश हैं, जब चाहेंगे प्रलय कराकर सृष्टि को मिटा देंगे. ऐसे 20 ढोंगी बाबाओं की सूची शासन को देंगे, ताकि उन्हें महाकुंभ में भूमि-सुविधाओं से वंचित किया जा सके.
> –**महंत हरि गिरि,** महामंत्री, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद.

फर्जी बाबाओं में राम रहीम भी : उन्होंने कहा कि हाथरस कांड होने के बाद से अखाड़ा परिषद भोले बाबा, नित्यानंद, बाबा राम रहीम समेत 20 से अधिक बाबाओं को ब्लैक लिस्ट करने जा रही है. शामिल हैं. अखाड़ा परिषद से जुड़े संतों का कहना है कि ऐसे लोग चमत्कार के नाम पर जनता को गुमराह कर भीड़ जुटाते हैं और यही लोग संतों को बदनाम करते हैं.

ब्रीफ खबरें

देवघर: ऊर्जा विभाग ने तैनात किए अफसर

रांची। आगामी 21 जुलाई से शुरू होनेवाले देवघर श्रावणी मेला 2024 को देखते हुए उर्जा विभाग ने अफसरों को तैनात करते हुए कार्यालय आदेश जारी कर दिया है.उर्जा विभाग के ये पदाधिकारी मेले के दौरान बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर और वासुकीनाथ परिसर में विद्युत उपकरणों एवं विभिन्न स्थलों पर निर्मित पंडालों में किए गए अस्थायी बिजली कनेक्शन की सुरक्षा जांच और उसके उपायों को लेकर कामा करेंगे. जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, विद्युत निरीक्षक रांची प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, सहायक विद्युत अभियंता रांची अजय कुमार सिंह, शैलेजानंद प्रकाश, दीपक रजक, कनीय अभियंता कुदंन कुमार दास और विकास कुमार यादव की तैनाती श्रावणी मेला के लिए की गयी है.

लेखिका को मिलेगा राष्ट्रीय शौर्य सम्मान

रांची। रांची की लेखिका डॉ मेघा रानी को राष्ट्रीय शौर्य सम्मान से सम्मानित किया जाएगा. विश्व मानवाधिकार सुरक्षा आयोग द्वारा उनके समाजिक कार्यो को देखते हुए और आम लोगों तक लेखन के जरिये पहुंच बनाने के साथ उनके उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए यह सम्मान दिया जा रहा है. आयोग द्वाराउन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर भी नियुक्त किया है, जिसकी चिठ्ठी जारी कर दी गई है.नियुक्ति के बाद डॉ मेघा रानी ने कहा कि मानवधिकार सुरक्षा के लिए समाज में जागरुकता लाना जरूरी है.

टाटानगर-हटिया एक्स. ट्रेन आज से डायवर्ट

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा रेल मंडल अंतर्गत विकास कार्य को लेकर रोलिंग ब्लॉक लिया जाएगा. ऐसे में रांची रेल मंडल से परिचालित ट्रेन संख्या 18601 टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस ट्रेन 10, 12 और 14 जुलाई को अपने निर्धारित मार्ग चांडिल, पुरुलिया, कोटशिला, मुरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग चांडिल, गुंडा बिहार, मुरी होकर चलेगी. वहीं, दक्षिण रेलवे में ब्लॉक की वजह से ट्रेन संख्या 13352 अलपुझा-धनबाद एक्सप्रेस 10,13, 14, 15,16, 17, 18, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 27, 28 और 30 जुलाई को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग पोत्तनूर, इरुगूर, सुरतकल होकर चलेगी.

गंभीर बीमारी के इलाज के लिए मिलनेवाली राशि 11 दिन रोके रखी, कैंसर से जूझ रहे रवि प्रकाश ने सीएम से की शिकायत

ट्रेजरी अफसर ने रोकी मरीजों की मदद,सीएम ने दिया जांच का आदेश

संवाददाता। रांची

रांची के ट्रेजरी अफसर ने गंभीर रूप से बीमार लोगों के इलाज के लिए मिलनेवाली सरकारी राशि का भुगतान 11 दिनों तक रोके रखा. सिविल सर्जन ने 17 लाख रुपये के बिल भुगतान के लिए 26 जून को ही ट्रेजरी अफसर को फाइल भेज दी थी. ट्रेजरी अफसर ने सात जुलाई तक फाइल को लटकाये रखा. कैंसर से जूझ रहे पत्रकार रवि प्रकाश ने जब इस संबंध में पूछताछ शुरू की, तब जाकर बिल का भुगतान किया गया. रवि प्रकाश ने पूरे मामले को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी किया है, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ट्रेजरी अफसर की लापरवाही की जांच करा कर कार्रवाई करने की मांग की है. साथ ही ट्रेजरी अफसर के खिलाफ हत्या के प्रयास की प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची डीसी को आदेश दिया है कि पूरे मामले की जांच कर दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करें. साथ ही दूसरे जिलों के डीसी इस बात का ख्याल रखें कि इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

अफसर के खिलाफ हत्या के प्रयास की प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध

मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना पर अफसरों के कारण लग रहा ग्रहण

रवि प्रकाश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की महत्वकांक्षी मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना पर कुछ अफसरों और उनके मातहतों के कारण ग्रहण लग रहा है. रांची के लापरवाह ट्रेजरी अफसर और उनके मातहतों के खिलाफ हत्या की कोशिश की प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए. कैंसर या दूसरी गंभीर बीमारी में एक या दो दिन की भी देरी मरीज की जान ले सकती है. यह जानने समझने के बाद भी रांची के ट्रेजरी अफसर ने गंभीर रूप से बीमार लोगों के 17 लाख रुपये के बिल भुगतान को बेवजह रोके रखा. इतना ही नहीं ट्रेजरी अफसर ने सिविल सर्जन कार्यालय से अवांछित दस्तावेज की मांग की. रवि प्रकाश का आरोप है कि बिल का भुगतान रोकने के पीछे का मकसद परिजनों से कमीशन की उगाही करना है.

ट्रेजरी कर्मी ने फोन कर कहा- मामले की शिकायत किसी से न करें

रवि प्रकाश ने आगे लिखा है कि सिविल सर्जन कार्यालय ने संबंधित मरीजों के सभी कागजात की जांच करने के बाद ही मरीजों के लिए पैसा आवंटित किया गया था. पैसे सीधे उन अस्पतालों के खाते में भेजे जाते हैं, जहां मरीज का इलाज चल रहा होता है. जानकारी के मुताबिक, रवि प्रकाश कैंसर से जूझ रहे हैं. कैंसर उनके दिमाग तक फैल चुका है. हाल ही में उन्होंने रेडिएशन कराया है. वह गंभीर रूप से बीमार हैं. इसके बावजूद ट्रेजरी के कर्मचारी ने उन्हें बार-बार फोन किया. फोन कर कहा कि इस मामले की शिकायत वे किसी से न करें और न ही मीडिया के लोगों को जानकारी दें.

कैबिनेट की मंजूरी के बाद उर्जा विभाग ने जारी की अधिसूचना

उर्जा विभाग में होंगे अभियंता प्रमुख कुल 105 नए पदों का सृजन भी हुआ

रांची। अब उर्जा विभाग में भी अभिंयता प्रमुख होंगे. उर्जा विभाग मुख्यालय के मानव संसाधन का पुनर्गठन किया गया है, जिसमें कुल 105 नए पदों का सृजन किया गया है. विगत 28 जून को तत्कालीन चंपाई सोरेन सरकार के अंतिम कैबिनेट की बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी थी. इसके बाद उर्जा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है.

उर्जा विभाग मुख्यालय के मानव संसाधन का पुनर्गठन

ये पद हुए हैं सृजित

अभियंता प्रमुख एवं उनकी सहायता के लिए : अभियंता प्रमुख- 1, अभियंता प्रमुख के टीएस- 1, अभियंता प्रमुख के आप्त सचिव- 1, अवर सचिव- 1, प्रशाखा पदाधिकारी- 2, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी- 2, कनीय सचिवालय सहायक- 2, कंप्यूटर ऑपरेटर- 1 आदेशपाल- 2.
मुख्य विद्युत निरीक्षक, रांची कार्यालय : मुख्य विद्युत निरीक्षक- 1, प्रशाखा पदाधिकारी- 1, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी- 2, कनीय सचिवालय सहायक- 1, कंप्यूटर ऑपरेटर- 1, आदेशपाल- 1.
मुख्य अभिंयता कार्यालय, रांची : प्रशाखा पदाधिकारी- 1, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी- 2, कनीय सचिवालय सहायक- 1, कंप्यूटर ऑपरेटर- 1.
विद्युत निरीक्षक कार्यालय, जमशेदुपर, धनबाद और दुमका : विद्युत निरीक्षक- 3, सहायक विद्युत निरीक्षक- 9,उच्च वर्गीय लिपिक- 3, निम्न वर्गीय लिपिक- 3, कंप्यूटर ऑपरेटर- 3, आदेशपाल- 3.
विद्युत निरीक्षक कार्यालय, जमशेदपुर, धनबाद और दुमका : विद्युत निरीक्षक- 3, सहायक विद्युत निरीक्षक- 9, उच्च वर्गीय लिपिक- 3, निम्न वर्गीय लिपिक- 3, कंप्यूटर ऑपरेटर- 3, आदेशपाल- 3.
विद्युत कार्य प्रमंडल कार्यालय, जमशेदपुर और दुमका : विद्युत कार्यपालक अभियंता- 2, सहायक विद्युत अभियंता- 9, प्राकल्लन पदाधिकारी- 2, प्रमंडलीय लेखा पदाधिकारी- 2, कनीय अभिंयता- 12, उच्च वर्गीय लिपिक- 1, निम्न वर्गीय लिपिक- 4, उच्च वर्गीय लिपिक (लेखा)- 1, निम्न वर्गीय लिपिक (लेखा)- 1, कंप्यूटर ऑपरेटर- 6, आदेशपाल- 6, अनुसेवक- 6.
एसओआर : विद्युत अधीक्षण अभियंता- 1, विद्युत कार्यपालक अभियंता- 2, सहायक विद्युत अभियंता- 4, कंप्यूटर ऑपरेटर- 1.
विद्युत लाईसेसिंग बोर्ड कार्यालय : सहायक विद्युत अभियंता- 1, कंप्यूटर ऑपरेटर- 1, आदेशपाल- 1, अनुसेवक- 1.

इस तरह होगा प्रमंडल और विद्युत निरीक्षाणलय कार्यालय का विस्तार

- उर्जा विभाग में अब तक केवल दो ही प्रमंडल रांची और धनबाद कार्यरत हैं. अब इसे बढ़ा कर चार किया जा रहा है. जमशेदपुर और दुमका नये प्रमंडल होंगे.
- **विद्युत निरीक्षणालय कार्यालय केवल रांची में है. इसे बढ़ा कर चार किया जा रहा है. अब जमशेदपुर, धनबाद और दुमका में भी इसका कार्यालय होगा.**
- उर्जा विभाग का बिजली उपकरण खरीदी का एसओआर का काम अभी पथ निर्माण विभाग के अधीन हो रहा है. अब उर्जा विभाग का अपना एसओआर होगा, जिसके अपने अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक, सहायक एवं कनीय अभियंता होंगे.
- **अभी मुख्य विद्युत अभियंता सह मुख्य विद्युत निरीक्षक का एक ही पद है. इसे तोड़ कर अलग-अलग किया जा रहा है. यानी कि मुख्य अभियंता और मुख्य विद्युत निरीक्षक के पद अब अलग-अलग होंगे.**
- विद्युत निरीक्षणालय में कनीय विद्युत अभियंता के सभी पद समाप्त कर दिए गए हैं. अब इसमें सहायक अभियंता स्तर के अफसर ही कार्य करेंगे.

राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने सीएम हेमंत से की मुलाकात

संवाददाता। रांची

- विस्थापन आयोग के गठन का निर्णय स्वागत योग्य कदम
- किसान आयोग का गठन भी जल्द किया जाए,ताकि किसानों को लाभ हो

झारखंड प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने तीसरी बार राज्य का मुख्यमंत्री बनने पर हेमंत सोरेन से मिलकर उन्हें बधाई दी. साथ ही कैबिनेट में शामिल मंत्रियों को भी बधाई न शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जतायी कि हेमंत के नेतृत्व में राज्य का चहूंमुखी विकास होगा. उन्होंने कहा कि राज्य बनने के बाद बड़े पैमाने पर लोग विस्थापन का शिकार हो रहे थे.

वर्षों से राज्य के विस्थापितों के लिए उचित फोरम नहीं होने के कारण लोगों के सुनवाई/इंसाफ मिलने में दिक्कतें आती थीं, अब विस्थापन आयोग का गठन होने से निश्चित रूप से लंबित मामलों का सही तरीके से निष्पादन हो सकेगा और पीड़ित विस्थापितों का कल्याण हो पाएगा. राज्य गठन के बाद से ही विस्थापन आयोग बनाने की मांग लंबित थी. तीसरी बार सीएम का पदभार संभालने के बाद विस्थापन आयोग का गठन कर राज्य व जनहित में निर्णय लिया है, जो विकास के लिए मानक के रूप में साबित होगा. उन्होंने कहा कि राज्य री नवनियुक्त कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से लोगों को काफी उम्मीद है. किसानों को सुविधा एवं कृषकों के हित के लिए किसान आयोग का भी गठन होना चाहिए, क्योंकि किसानों के ॠण, सिंचाई, फसल बीमा व मुआवजा जैसे विषयों पर त्वरित निर्णय लिया जा सकेगा. कृषि मंत्री से उम्मीद है कि किसानों के हित में सुझावों को संज्ञान में लेकर निश्चित रूप से सीएम हेमंत सोरेन को अनुशंसा करने पर विचार करेंगे.

15 से 18 साल के ड्रॉपआउट बच्चे फिर से कर सकेंगे पढ़ाई

रांची। जिन बच्चों ने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी है, उनके लिए खुशखबरी है. अब ऐसे 15 से 18 साल तक के बच्चों को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद पढ़ाई जारी रखने का मौका दे रहा है. परिषद अब ऐसे बच्चों को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एनआईओएस) के जरिए पढ़ाई जारी रखने का मौका दे रहा है. 15 से 18 साल के ड्रापआउट बच्चे 27 जुलाई से की शाम पांच बजे तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक पर अपनी इच्छा के मुताबिक क्लास 3,5,8,10 व 12 में रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक आदित्य रंजन ने ऐसे बच्चे और उनके अभिभावकों से अपील की है कि जो बच्चे विद्यालय से बाहर रह गए हैं या ड्रॉपआउट हैं, वे पुनः अपनी पढ़ाई शुरू ही नहीं करें, बल्कि उसे पूरा भी करें. निःशुल्क रजिस्ट्रेशन कराने के लिए छात्रों को https://forms.gle/e3k8fyJGk5trYQ4L6 पर जाकर अपना विवरण जमा करना होगा.

बाबूलाल मरांडी भाजपा की पालकी ही ढोते रह जाएंगे लेकिन अब कभी सीएम नहीं बन पाएंगे: हेमलाल मुर्मू

हेमलाल ने कहा : हेमंत का मतलब होता है सोना, जितना जलाओगे, तपाओगे, निखरेगा

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो के आदिवासी नेताओं को पार्टी का पालकी ढोनेवाला बताया जाने पर झामुमो ने बाबूलाल मरांडी पर पलटवार किया है. पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता हेमलाल मुर्मू ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भाजपा की पालकी ढोते रहें, लेकिन अब वह किसी भी कीमत पर अब झारखंड के मुख्यमंत्री नहीं बन सकते हैं. वे संथाल या किसी भी आदिवासी क्षेत्र में चाहे जितना भी जोर लगा लें, न तो उन्हें आदिवासी समाज अपनाने जा रहा है और न भाजपा को ही. मुर्मू ने मंगलवार को पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे ते.

हेमंत मतलब होता है सोना : हेमलाल मुर्मू ने कहा कि पांच महीने तक भाजपा की साजिश के कारण हेमंत सोरेन जेल में रहे. बिना प्रमाण के उन्होंने कठिन कारावास की सजा काटी. मगर भाजपा वाले भूल गए कि हेमंत का मतलब होता है सोना. सोना को जितना जलाओगे, जितना तपाओगे, उतना अधिक और निखरेगा, चमक बढ़ेगी. ठीक उसी तरह से हेमंत सोरेन जेल से निकलने के बाद पूरी चमक के साथ पूरे देश के आदिवासी नेता के रूप में उभरे हैं. उन्हें पूरे देश और इंडिया गठबंधन के लोगों ने स्वीकार किया. विधानसभा में उन्होंने प्रचंड बहुमत के साथ विश्वास मत हासिल कर विपक्ष को अपनी ताकत का अहसास करा दिया है.

चमरा लिंडा का निलंबन हो सकता है वापस, पार्टी ने दिया संकेत

ईडी जहां जाना है जाए, हेमंत रहेंगे बेदाग

हेमलाल मुर्मू ने ईडी द्वारा हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से बेल मिलने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने पर कहा कि उसे जहां जाना है जाए. कोई दिक्कत नहीं है. पांच महीने तक हेमंत सोरेन को जेल में रखने के बाद भी ईडी उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं दे पाया. इसलिए सुप्रीम कोर्ट भी हाईकोर्ट के निर्णय को कंटीन्यू करेगा, ऐसा पूरा विश्वास है. न्याय पर पूरा भरोसा है. हेमंत बेदाग थे और बेदाग ही रहेंगे.

सरकार के साथ खड़े होने का उपहार मिलेगा चमरा लिंडा को

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विश्वास मत के दौरान पार्टी से निलंबित विधायक चमरा लिंडा द्वारा सपोर्ट करने पर उन्हें पार्टी उपहार दे सकती है. पार्टी उन्हें निलंबन मुक्त कर सकती है. इस बात के संकेत पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता हेमलाल मुर्मू ने दिए. लोबिन हेंब्रम के बारे में उन्होंने कहा कि चूंकि उनका मामला स्पीकर कोर्ट में चला गया और इसो लेकर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन और लोबिन हेंब्रम दोनों को नोटिस हुआ है, इसलिए इस मामले में अब स्पीकर कोर्ट के फैसले के बाद ही कुछ हो सकेगा.

कोई ऐसा सगा नहीं, जिसे हेमंत सरकार ने ठगा नहीं: प्रतुल शाहदेव

बाबूलाल मरांडी का डर झामुमो के सिर चढ़कर अभी भी बोलता है

संवाददाता। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि अब झामुमो राजनीतिक मृत्यु शय्या पर पड़ा है और दिन में ही बड़े-बड़े सपने देख रहा है. इस सरकार के बारे में प्रचलित कहावत है-कोई ऐसा सगा नहीं, जिसे हेमंत सरकार ने ठगा नहीं. बेरोजगार, किसान,महिला, युवा, मध्यम वर्ग, सभी इस सरकार के गलत निर्णयों और भ्रष्टाचार के शिकार हुए हैं. यह सरकार अब दोबारा सत्ता में कभी नहीं आनेवाली है. वैसे भी एनडीए को पिछले लोकसभा चुनाव में 52 विधानसभा सीटों पर बढ़त मिली थी. वहीं सत्ताधारी गठबंधन 27 सीटों पर सिमट गया था. शाहदेव ने कहा कि इस सरकार पर बाबूलाल मरांडी का खौफ सिर चढ़ कर बोलता है. इन लोगों को सोते जागते बाबूलाल जी ही याद आते हैं. क्योंकि इनको पता है बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में भाजपा गठबंधन आगामी विधानसभा चुनावों में बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है.

सरकार के संरक्षण में बांग्लादेशी कर रहे हैं घुसपैठ : प्रतुल ने कहा कि बांग्लादेश की सीमा से बड़े पैमाने पर जो बांग्लादेशी घुसपैठिये भीतर घुस आए हैं, उन्हें राज्य सरकार राजनीतिक संरक्षण दे रही है. ऐसे दर्जनों मामले हैं, जिसमें भोली भाली आदिवासी लड़कियों को प्रेम जाल में फंसा कर ये बांग्लादेशी विवाह कर स्थानीय निकाय पर काबिज हो गए हैं. यही नहीं नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने तो यह भी सिद्ध किया कि बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर अब्दुस हमीस की पत्नी मरियम मरांडी ने राजमहल से लोकसभा का चुनाव लड़ा था. सीमावर्ती इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को तुष्टिकरण की नीति के तहत कागजात उपलब्ध करा कर बसाया जाता है. फिर वह जमीन पर कब्जा करते हैं और अब तो सीधा राजनीतिक हस्तक्षेप प्रारंभ हो गया है.शाहदेव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने जब झारखंड मुक्ति मोर्चा को घुसपैठ के मुद्दे पर आइना दिखाया, तो इनको मिर्ची लग गई और ये अब अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने लगे. यही इनका असली राजनीतिक संस्कार है.

शाहदेव ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा यह कैसे भूल रहा है कि इसी हाईकोर्ट की डबल बेंच, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश कर रहे थे, उसने तीन मई को केस संख्या डब्ल्यूपी सीआर 68 /2024 में टिप्पणी करते हुए कहा था कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ जमीन लूट के प्रथम दृष्टया प्रमाण मिलते हैं. उच्च न्यायालय की डबल बेंच ने ईडी की प्रारंभिक कार्रवाई को सही ठहराया था. उच्च न्यायालय ने कहा था कि हेमंत सोरेन ने अपने दिल्ली आवास से 36 लाख रुपटये की रिकवरी को लेकर जो तर्क दिया वह असमर्थनीय है.

रांची के 350 वकीलों ने ट्रस्टी कमेटी का शुल्क जमा नहीं किया

लीगल रिपोर्टर। रांची

रांची जिला बार एसोसिएशन के 350 से ज्यादा वकीलों ने ट्रस्टी कमेटी का पैसा जमा नहीं किया है. ऐसे में उन्हें ट्रस्टी कमेटी से मिलने वाले लाभ से वंचित रहना पड़ सकता है. इसके साथ ही एसोसिएशन के कई वकील ऐसे भी हैं, जिन्होंने अब तक ट्रस्टी कमेटी की सदस्यता भी नहीं ली है. रांची जिला बार एसोसिएशन की कमेटी ने इन वकीलों को दो महीने का समय दिया है, ताकि वे ट्रस्टी कमेटी का बकाया जमा कर सदस्यता ले लें.

एसोसिएशन द्वारा जारी की गई सूची में वैसे 50 से ज्यादा वकीलों का भी नाम शामिल हैं, जिन पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया का शुल्क भी बकाया है. ट्रस्टी कमेटी की सदस्यता नहीं लेने और बकाया जमा नहीं करने पर वकीलों का न तो वोटर लिस्ट में नाम शामिल होता है और न ही बार एसोसिएशन से उन्हें किसी तरह की सुविधा ही मिल पाती है. काउंसिल के निर्देश पर जिला बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं से लगातार आग्रह कर रहा है कि वे वेरिफिकेशन फॉर्म जमा कर दें, ताकि वकीलों के लिए काउंसिल और जिला बार एसोसिएशन द्वारा चलाई जा रही वेलफेयर की योजनाओं का लाभ उन्हें मिल सके.

नई पहल रेलवे सुरक्षा बल की टेक्निकल टीम ने इस मोबाइल एप्लीकेशन को डेवलप किया गया है

आरपीएफ ने संज्ञान ऐप लांच किया, मिलेगी नए कानूनों की जानकारी

संवाददाता। रांची

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने संज्ञान ऐप लांच किया है. आरपीएफ की टेक्निकल टीम द्वारा इस मोबाइल एप्लीकेशन को डेवलप किया गया है, जहां तीन नए आपराधिक कृत्यों पर व्यापक जानकारी हासिल की जा सकती है. यानि आरपीएफ की टीम द्वारा इसे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 पर व्यापक जानकारी देने के लिए विकसित किया गया है.संज्ञान ऐप का लांच करने का मकसद नए और पुराने दोनों आपराधिक कानूनों के प्रावधानों को समझने के लिए व्यापक जानकारी प्रदान कर आरपीएफ कर्मियों को शिक्षित और सशक्त बनाना है. इतना ही नहीं आरपीएफ के संदर्भ में इन नए कानूनों की प्रासंगिकता की भी जानकारियां मिल सकेंगी.

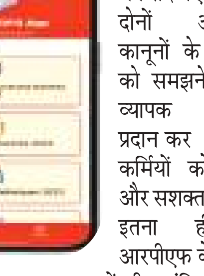

आइए जानते हैं क्या हैं ऐप की विशेषताएं

सभी मोबाइल में सपोर्ट : संज्ञान ऐप का सभी मोबाइल पर आसानी से उपयोग किया जा सकता है. इस ऐप के जरिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 की जानकारी आसानी से हासिल की जा सकती है. ऐंप के जरिए सभी यूजर इन कानूनों को आसानी से पढ़ सकते हैं, खोज सकते हैं और संदर्भ ले सकते हैं.

कानूनों की तुलना : ऐप के जरिए यूजर सीधे नये और पुराने कानूनों के विशिष्ट हिस्सों की तुलना कर सकते हैं. यह सुविधा कानूनी ढांचे में परिवर्तन और निरंतरताओं को पहचानने और समझने में मदद करती है.

अनुभाग-वार विश्लेषण : बीएनएसएस और बीएनएस के प्रमुख हिस्सों का विस्तार से विश्लेषण किया गया है. इसमें प्रक्रियात्मक दृष्टिकोण के लिए विभिन्न प्रावधानों और क्षेत्र संचालन में उनकी उपयोगिता पर ध्यान केंद्रित किया गया है.

उन्नत खोज उपकरण : कॉग्निजेंट ऐप उन्नत खोज कार्यक्षमता प्रदान करता है, जिससे यूजर्स कानूनी पुस्तकों के माध्यम से कुशलतापूर्वक नेविगेट कर सकते हैं. उपयोगकर्ता अनुभाग-वार, अध्याय-वार और विषय-वार खोज कर सकते हैं, जिससे प्रासंगिक जानकारियों को जल्द से जल्द ढूंढना आसान हो जाता है.

कानूनी डेटाबेस : तीन नए कानूनों के अलावा, ऐप में रेलवे सुरक्षा से संबंधित अन्य आवश्यक कानूनी अधिनियम और नियम शामिल हैं. इसमें रेलवे सुरक्षा बल अधिनियम 1957, रेलवे अधिनियम 1989, रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम 1966 और आरपीएफ नियम 1987 शामिल हैं. यह व्यापक डेटाबेस तय करता है कि यूजर्स को रेलवे सुरक्षा से संबंधित सभी महत्वपूर्ण कानूनी जानकारियां सहजता से उपलब्ध हो सकें.

यूजर्स के अनुरूप डिजाइन : संज्ञान ऐप को सटीकता और आसानी से उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है. यह सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ता महत्वपूर्ण कानूनी जानकारी के साथ कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से जुड़ सकें और आरपीएफ संचालन में कानूनों की अपनी समझ और अनुप्रयोग को बढ़ा सकें.

तापमान

33.1⁰ अधिकतम | 23.6⁰ न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 10 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 92 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

केंद्रीय उर्जा मंत्री मनोहर खट्टर ने रिम्स में विश्राम सदन का किया उद्घाटन, कहा

पावरग्रिड की भूमिका प्रशंसनीय

संवाददाता। रांची

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को रिम्स में पावरग्रिड द्वारा निर्मित विश्राम सदन का उद्घाटन किया. सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत रिम्स में पावरग्रिड विश्राम सदन बनाया गया है. मनोहर लाल ने पावरग्रिड के इस सामाजिक कार्य की सराहना की. कहा कि इस परियोजना से रांची के सुदूर क्षेत्रों से आए मरीजों के परिजनों को सुविधा मिलेगी. सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने देश की मजबूत विद्युत व्यवस्था के विषय में बात की और भारत सरकार की अफोर्डबल पावर फॉर ऑल पहल की तारीफ की.

विश्राम सदन का लाभ 90 हजार लोगों को मिलेगा : खट्टर ने कहा कि रिम्स में विश्राम सदन बनाने में पावरग्रिड की भूमिका प्रशंसनीय है. सालभर में इस विश्राम सदन का लाभ 90 हजार लोगों को मिलेगा. उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का है. इसका एक पहलू यह भी है कि आम लोगों को कैसे सुविधा उपलब्ध कराई जाए. पावरग्रिड द्वारा बनाया गया विश्राम सदन इसका एक अच्छा उदाहरण है. मनोहर लाल खट्टर ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा लोकहित में मिलकर काम करने की बात पर तंज कसते हुए कहा कि समाज का काम बिलकुल मिल कर करना चाहिए, पर तीन महीने बाद मिल कर काम करने का समय नहीं होगा.

विश्राम सदन के उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, संजय सेठ, बन्ना गुप्ता, समरी लाल व अन्य.

यह बहुत बड़ा उपहार है: संजय सेठ

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि विश्राम सदन राज्य के लोगों के लिए बहुत बड़ा उपहार है. पहले मरीज का इलाज कराने आये लोग सड़क, बरामदे व जमीन पर सोते थे. विश्राम सदन के खुलने से अब लोगों को काफी सुविधा होगी. यह पीएम मोदी की सोच का नतीजा है. उन्होंने पावरग्रिड की भूमिका की सराहना की. साथ ही विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर के समक्ष सिल्ली में तीरंदाजी अकादमी बनवाने का प्रस्ताव रखा, जिसपर खट्टर ने कहा- मैं अकादमी खोलने में आपकी पूरी सहायता करूंगा.

लोक हित के लिए मिल कर करेंगे काम: बन्ना गुप्ता

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि मैं सीएम की तरफ से आश्वस्त करता हूं कि लोक हित व समाज के लिए हम मिल-जुल कर सहयोगी साथी के रूप में काम करेंगे. उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग मानवता का विभाग है. मुझे इस बात कि बहुत खुशी है कि हम राष्ट्रीय हित में काम कर रहे हैं. कहा कि मैं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, कांके विधायक समरी लाल समेत अन्य लोगों का धन्यवाद करता हूं.

रिम्स में प्रतिदिन 3000 मरीजों का उपचार

रिम्स में प्रतिदिन लगभग 3000 मरीजों का उपचार किया जाता है, जिनके साथ उनके परिजन आदि सेवा एवं देखभाल के लिए आते हैं. इस पावरग्रिड विश्राम सदन से मरीजों के परिजन इस सुविधा का लाभ उठा पाएंगे. इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ, झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, कांके विधायक समरी लाल, आरके त्यागी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (पावरग्रिड), प्रो. डॉ. राज कुमार, निदेशक रिम्स मौजूद थे.

फैक्ट फाइल

- कुल बजट – 17.82 करोड़
- टोटल एरिया – 5034 स्क्वायर मीटर
- जी प्लस फाइव बिल्डिंग
- बेड की संख्या – 310 (फर्निश्ड)

पावरग्रिड विश्राम सदन की क्षमता 310 बिस्तरों की है

लगभग 5034 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बने पावरग्रिड विश्राम सदन की क्षमता 310 बिस्तरों की है. इसे लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है. इसमें रिसेप्शन, डाइनिंग हाल, कैफेटेरिया, किचेन, सामूहिक कक्ष, हरेक (पांच) तल पर वॉटर प्यूरीफायर, बाथरूम जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं. विश्राम सदन के सभी कमरे बेड, मैट्रेस एवं फर्नीचर आदि से सुसज्जित हैं. इसके साथ छत पर सोलर वाटर हीटर प्लांट (5000 लीटर क्षमता) स्थापित किया गया है, जो सभी शौचालयों और बाथरूम से जुड़ा हुआ है. छत पर ही 600 लीटर/घंटा क्षमता का आरओ प्लांट स्थापित किया गया है. साथ ही 45,000 लीटर क्षमता वाला ओवरहेड टैंक है.

वेद प्रकाश पर शालीमार बाजार से वसूली के वर्चस्व में चली गोली!

पत्नी ने प्राथमिकी में राघवेंद्र सिंह और उसके भाई पर जताया संदेह

संवाददाता। रांची

धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित शालीमार बाजार से वसूली के वर्चस्व को लेकर पूर्व पार्षद वेद प्रकाश सिंह को गोली मारी गई. इसको लेकर वेद प्रकाश सिंह की पत्नी ने विधानसभा थाने में मामला दर्ज कराया है. वेद प्रकाश की पत्नी ने इसमें कहा है कि अपराधियों ने हत्या के इरादे से मेरे पति को गोली मार दी. इस गोलीकांड में धुर्वा निवासी राघवेंद्र सिंह उर्फ विकास और उसके भाई गुड्डू सिंह का हाथ होने की आशंका है. बताया कि कुछ महीने पहले एचईसी परिसर स्थित शालीमार बाजार में ये लोग मासूल वसूली का काम करते थे. व्यापारियों से भी नाजायज वसूली करते थे. व्यापारियों के आग्रह पर ही मेरे पति ने समाजसेवी और अन्य जनप्रतिनिधियों के सहयोग से राघवेंद्र सिंह की नाजायज वसूली बंद करवा दी थी. ठेकेदार के मनमाने रवैए की वजह से एचईसी प्रबंधन से ठेका भी रद्द करवा दिया था. इसी वजह से मेरे पति पर गोलीबारी की गई.

चाय दुकान पर बैठे थे वेद प्रकाश : बता दें कि वेद प्रकाश सिंह पर अपराधियों ने उस वक्त हमला किया, जब वे रविवार की शाम धुर्वा बस स्टैंड के पास स्थित एक चाय दुकान में बैठे थे. जानकारी के अनुसार, एक बाइक पर सवार होकर तीन अपराधी बस स्टैंड पहुंचे. इनमें से एक अपराधी पैदल ही हाथ में देसी कट्टा लिए आया और चाय दुकान में बैठे वेद प्रकाश सिंह को पीछे से गोली मार दी. गोलीबारी में वेद प्रकाश सिंह को तीन गोली लगी. गोलीबारी के बाद चाय दुकान में भगदड़ मच गई.

वेद प्रकाश की स्थिति गंभीर

वेद प्रकाश का इलाज पारस अस्पताल में चल रहा है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाये हुए है. वहीं दूसरी तरफ घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों का अबतक कोई पता नहीं चल पाया है. हालांकि संदेह के आधार पर पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, लेकिन पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा. पुलिस अब घटनास्थल के पास की सीसीटीवी भी खंगाल रही है.

निवर्तमान पार्षदों का दल एसएसपी से मिला

रांची एसएसपी चंदन सिन्हा को ज्ञापन सौंपते रांची के निवर्तमान पार्षदगण.

रांची। रांची नगर निगम क्षेत्र के निवर्तमान पार्षदों का दल मंगलवार को रांची के एसएसपी से मिला. उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर आए दिन हो रहे हत्या के प्रयास के बारे में विस्तृत बातें की. जनप्रतिनिधि की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विचार-विमर्श किया. साथ ही निगम क्षेत्र में हो रहे नशा के कारोबार पर भी विस्तृत जानकारी एसएसपी को दी. इससे रांची की आम जनता इस नशा रूपी त्रासदी में कैसे बच पायेंगे और अपने बच्चों को बचा पायेंगे इस पर भी विस्तृत बातें हुई. एसएसपी से मिलने वालों में अरुण कुमार झा, ओमप्रकाश, नाजिया असलम, अर्जुन राम, अशोक यादव, रोशनी खलकोर, नकुल तिर्की, जमीला खातून आदि निवर्तमान पार्षद शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

मारपीट व धमकी मामले में छह माह का कारावास

रांची। न्यायिक दंडाधिकारी परिधि शर्मा की अदालत ने मंगलवार को नौ साल पुराने मारपीट करने और आपराधिक धमकी देने से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए दोषी त्रिलोकी गंझू को छह महीने का साधारण कारावास की सजा सुनाई है. अभियुक्त सिल्ली के लुपुंग पंचायत के मुखिया सीमा कुमारी का भाई है. उस पर प्रभात कुमार सिंह के साथ मारपीट करने का आरोप था. घटना को लेकर प्रभात कुमार सिंह ने 16 अक्टूबर 2015 को सिल्ली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी.

चोरी की बाइक के साथ एक गिरफ्तार

रांची। राजधानी की पिठौरिया थाना पुलिस ने चोरी के बाइक के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपित का नाम रिजवान कुरैशी है. वह लोअर बाजार थाना क्षेत्र के गुदरी चौक का रहने वाला है. उसके पास से चोरी की ग्लैमर बाइक बरामद की गयी है. डीएसपी अमर पांडेय ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि पिठौरिया के उलातु के मुनीजा खातून का दामाद एक बाइक की चोरी कर सुसराल आया है. सूचना के बाद इंस्पेक्टर सत्यदेव प्रसाद के नेतृत्व में रेड कर चोरी की बाइक के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया गया.

रांची पुलिस की टीम ने पतरातू के एक रिसॉर्ट में छापेमारी की

आधा दर्जन अपराधी हिरासत में

कार्रवाई

➲ आपराधिक साजिश रचने के लिए जुटे होने की आशंका

संवाददाता। रांची

एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने सोमवार की देर रात बड़ी कार्रवाई की है. रांची-रामगढ़ सीमा पर पतरातू स्थित एक रिसॉर्ट में छापेमारी कर आधा दर्जन अपराधियों को हिरासत में लिया गया है. दरअसल, रांची एसएसपी को सूचना मिली थी कि कुछ जिला बदर कुख्यात अपराधी रामगढ़ जिला की सीमा पर स्थित एक होटल में अपराध की बड़ी योजना बनाने जुटे हैं.

एसएसपी के निर्देश पर दो डीएसपी के नेतृत्व में करीब दो दर्जन पुलिस पदाधिकारी और जवानों के साथ पतरातू के एक रिसॉर्ट में छापेमारी की गई. 10 अलग-अलग गाड़ियों में पहुंची पुलिस टीम ने पूरे रिसॉर्ट को घेर लिया. इसके बाद जेल से जमानत पर बाहर आए और तड़ीपार चल रहे आधा दर्जन अपराधियों को हिरासत में लिया गया. हिरासत में लिए गए अपराधी रातू, तुपुदाना और पतरातू इलाके के रहनेवाले बताये जा रहे हैं. इनके पास से हथियार बरामद होने की भी सूचना है. हालांकि, पुष्टि नहीं हो पाई है.

तड़ीपार बिट्टू मिश्रा की चल रही थी पार्टी

बिट्टू मिश्रा (फाइल फोटो)

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जमानत पर जेल से बाहर आया और रांची जिला से से तड़ीपार अपराधी बिट्टू मिश्रा सोमवार की रात पतरातू के एक रिसॉर्ट में पार्टी कर रहा था. उसकी पार्टी में जमानत पर जेल से बाहर आया अपराधी राजू गोप, राजेश सिंह, प्रकाश यादव और बिट्टू सिंह भी शामिल था. पुलिस को आशंका है कि ये सभी लोग किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे. सभी अपराधियों को हिरासत में लेकर रांची लाया गया है, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है.

टीपीसी उग्रवादी नीरज भोक्ता पतरातू घाटी से गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

- पतरातू घाटी स्थित अलेक्सा रेस्टूरेंट से रांची पुलिस ने दबोचा

पुलिस ने टीपीसी उग्रवादी नीरज भोक्ता उर्फ नीरज गंझू को गिरफ्तार किया है. एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने पतरातू घाटी स्थित अलेक्सा रेस्टूरेंट से उसे दबोचा है. पूछताछ में नीरज भोक्ता ने कांके थाना क्षेत्र में कोयला व्यवसायी बबलु मुंडा पर जान मारने की नीयत से गोलीबारी और मैक्लुसकीगंज थाना के कई कांडों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है.

नीरज के कहने पर मदन साहू की हुई थी हत्या : रांची पुलिस ने मार्च 2022 में टीपीसी उग्रवादी भीखन गंझू को गिरफ्तार किया था. उस समय भीखन ने पुलिस को बताया था कि नीरज भोक्ता के कहने पर ही झामुमो नेता मदन साहू की हत्या की गई थी. मदन साहू कोलियरी माइंस विस्थापित कमेटी मजदूर संघ के नेता थे. मजदूर के कल्याण के लिए माइंस से राशि मिलती थी, जिसको लेकर नीरज भोक्ता द्वारा अड़चन लगाया जा रहा था. इसी विवाद में नीरज ने भीखन से मदन साहू को रास्ते से हटाने के लिए कहा. फिर भीखन के आदेश पर दो उग्रवादियों ने मदन साव की गोली मार कर हत्या कर दी थी.

बिजली चोरी के आरोप में चार पर प्राथमिकी दर्ज

रांची। बिजली चोरी के खिलाफ जेई रांची के नेतृत्व में मंगलवार को कमड़े के आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी की गई. इस क्रम में बिजली चोरी करने के आरोप में चार लोगों को 32 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है. इनके खिलाफ रातू थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. आरोपियों में दाल मिल गली निवासी संदीप तिर्की, कमड़े अमोनिया फैक्ट्री के पास रहने वाले इलीसबा खलखो, कमड़े निवासी पौलुश टोप्पो और दुलारी देवी पर आठ-आठ हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया. अभियान में जिले की टीम शामिल थी.

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत रांची पहुंचे

संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की वार्षिक बैठक में भाग लेने के संघ प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को रांची पहुंचे. वे सरला बिरला यूनिवर्सिटी में 12 जुलाई से होने वाली तीन दिनी खास बैठक में हिस्सा लेंगे. सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले सहित अखिल भारतीय कार्यसमिति के सभी सदस्य, प्रचारक प्रमुख, क्षेत्र प्रचारक और सभी प्रांत प्रचारक भी इसमें भागीदारी निभाएंगे. संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख संजय कुमार आजाद ने बताया कि 10 जुलाई को संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक होगी. 11 जुलाई को होनेवाली बैठक में अखिल भारतीय कार्यकारिणी के साथ क्षेत्र के प्रचारक भी हिस्सा लेंगे.

वार्षिक बैठक में लेंगे हिस्सा

एक लाख स्थानों पर शाखा प्रारंभ करने की समीक्षा होगी : आजाद ने बताया कि शुक्रवार से 14 जुलाई तक प्रांत प्रचारकों की बैठक होगी. इसमें शताब्दी वर्ष (2025) तक के लिए देश में एक लाख स्थानों पर शाखा प्रारंभ करने के लक्ष्य की समीक्षा की जाएगी. साथ ही संगठन और शाखों के कार्यों की भी समीक्षा होगी. वैसे तो हर साल जुलाई माह में संघ की वार्षिक बैठक अगामी कार्ययोजना तय करने को लेकर होती है. लेकिन झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले आरएसएस की बैठक और संघ प्रमुख के 10 दिनी प्रवास को महत्वपूर्ण माना जा रहा है. भागवत 18 जुलाई तक रांची में रहेंगे.

20 जुलाई को अमित शाह भी रांची आएंगे : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी 20 जुलाई को रांची आएंगे. सूत्रों के अनुसार, शाह भाजपा की कार्यकारणी समिति की बैठक में हिस्सा लेंगे. कार्यकर्ताओं को भी संबोधित करेंगे.

जमीन खरीद-बिक्री में फर्जीवाड़ा, सीआईडी की गिरफ्त में जमीन दलाल अशोक सिंह

बंगाल से पीओए लेकर बेच दी रांची की जमीन

➲ सीआईडी अब तक चार लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है

संवाददाता। रांची

पश्चिम बंगाल के रजिस्ट्री कार्यालय से हुए फर्जी पॉवर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) केआधार पर रांची में जमीन की बिक्री करने वाले दलाल अशोक सिंह को सीआईडी ने गिरफ्तार किया है. इसकी पुष्टि करते हुए सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने बताया कि जमीन दलाल अशोक सिंह को गिरफ्तार कर इस पूरे मामले की जांच की जा रही है. अशोक सिंह के साथ-साथ बंगाल के पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर जमीन की खरीद-बिक्री में शामिल चार लोगों को अब तक सीआईडी गिरफ्तारी कर चुकी है. इनमें अशोक सिंह के अलावा चंद्रशेखर, अभिषेक और समीर शामिल है.

सुशांत घोष ने पिठोरिया थाना में दर्ज कराई प्राथमिकी : बंगाल के पावर ऑफ अटॉर्नी को आधार बना कर जिस जमीन की खरीद-बिक्री की गई है, उक्त जमीन रांची के पिठोरिया इलाके के जमुआरी मौजा में है. इसका खाता नंबर 10, 11, 33, 29 और प्लॉट नंबर 138, 139, 140, 142, 160, 161 और 162 है. इस जमीन पर खुद का मालिकाना हक बताने वाले सुशांत घोष ने इस सभी लोगों के खिलाफ पिठोरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है. इस प्राथमिकी को टेकओवर करते हुए सीआईडी ने जांच शुरू की है.

फर्जी व्यक्ति का इस्तेमाल कर पावर ऑफ अटॉर्नी ली : प्राथमिकी में कहा गया है कि विमल सिंघानिया ने साजिश के तहत प्रशांत घोष की जगह किसी फर्जी व्यक्ति का इस्तेमाल कर उनकी जमीन की पावर ऑफ अटॉर्नी ले ली. उसके आधार पर प्रशांत घोष की जमीन की खरीद-बिक्री की गयी. रांची स्थित जमीन की पावर ऑफ अटॉर्नी पश्चिम बंगाल के चौबीस परगना जिले के रजिस्ट्री कार्यालय में 19 अप्रैल 2023 को हुई, जिसका नंबर 160400155 है. इसके बाद 9 मई 2023 को जमीन की रजिस्ट्री हुई.

आपत्ति के बाद म्यूटेशन का आवेदन खारिज कर दिया

आश्चर्य की बात यह है कि बंगाल में हुए पावर ऑफ अटॉर्नी में पहचान रांची के व्यक्ति की है. जमीन की खरीद के बाद उस पर बाउंड्री भी खड़ी कर दी गयी. म्यूटेशन के लिए आवेदन भी दिया गया था, लेकिन प्रशांत घोष के भाई सुशांत घोष की आपत्ति के बाद आवेदन को खारिज कर

पलामू के अपराधियों ने डीपी ज्वेलर्स में की थी लूट

आठ लुटेरे गिरफ्तार, जेवरात और हथियार बरामद

संवाददाता। रांची

जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक के स्थित डीपी ज्वेलर्स में बीते 28 जून को लूट की घटना हुई थी. एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल आठ अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों में विकास कुमार, शशि भूषण, विवेक कुमार, पंकज कुमार, अभिरंजन कुमार, मुकेश कुमार, सूरज कुमार और रितेश वर्मा शामिल हैं. ये सभी अपराधी पलामू जिले के रहने वाले हैं. वहीं लूटे हुए जेवरातों में से एक बैग जेवरात भी पुंदाग स्थित एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट से बरामद किए गए हैं. उस अपार्टमेंट में पुलिस की टीम रविवार की सुबह पहुंची थी. अपार्टमेंट के फ्लैट में एक कमरे में बैग को अन्य सामान के साथ छिपा कर रखा गया था. पुलिस ने अपराधियों के पास से हथियार भी बरामद किया है. एसएसपी ने मंगलवार की देर शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी.

सीसीटीवी से पुलिस को मिला सुराग : लूटकांड की घटना के बाद पुलिस ने जब ज्वेलरी शॉप के सीसीटीवी को खंगालना शुरू किया, तो उसमें अपराधी एक-दूसरे का नाम लेते हुए सुनाई दिए. उसी से पुलिस को इस कांड में शामिल अभियुक्तों के संबंध में अहम सुराग मिले.

शहर की संकरी गलियां: आपातकाल में आग पर काबू पाना भी मुश्किल

रेहान अहमद। रांची

5 से 6 फीट की सड़कों पर अग्निशमन वाहन का जाना मुश्किल, अग्निशमन वाहन में अलग से लंबी पाइपों की करनी होगी व्यवस्था

राजधानी में कई मुहल्लों में तमाम संकरी गलियां हैं. वहां गलती से आग लग जाए, तो उस पर काबू पाना बहुत मुश्किल हो जाएगा. क्योंकि इन पतली गलियों में अग्निशमन वाहन चाह कर भी नहीं जा पाएगा. क्योंकि गलियां काफी पतली हैं. लेकिन अग्निशमन वाहन में अगर लंबा पाइप लगाया जाए, तो इस सुविधा से पतली गलियों में भी पाइप पहुंचा कर आपातकाल में मदद पहुंचाई जा सकती है. चार से आठ फीट चौड़ी सड़क के बाहर अग्निशमन वाहन खड़ा हो जाएगा और उसकी लंबी पाइप से आसानी से आग पर काबू पाया जा सकता है. इसके लिए जिला प्रशासन व सरकार को पहल करने की जरूरत है. मुंबई-दिल्ली जैसे बड़े राज्यों में अग्निशमन वाहनों में अलग से लंबी पाइप की व्यवस्था होती है, जिसके जरिए आसानी से आग काबू पा लिया जाता है.

भाभा नगर, कोकर

- जनसंख्या- 1500
- सड़क की चौड़ाई- आठ फीट

धोबी घाट

- जनसंख्या- 500
- सड़क की चौड़ाई- छह फीट

विराज नगर, लालपुर

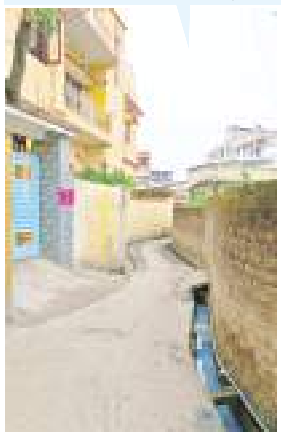

- जनसंख्या- 500
- सड़क की चौड़ाई- चार फीट

रातू रोड, मारवाड़ी मुहल्ला

- जनसंख्या- 250-300
- सड़क की चौड़ाई- पांच फीट

हिंदपीढ़ी खेत मुहल्ला

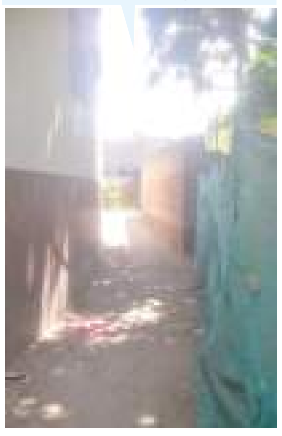

- जनसंख्या- 300-500
- सड़क की चौड़ाई- पांच फीट

शहर में आज

1. जागरूकता रैली, सदर अस्पताल में संध्या 4 बजे
2. पारस अस्पताल एचईसी में प्रेस वार्ता, दोपहर 2.30 बजे
3. राष्ट्रीय स्वय सेवक संघ की बैठक, सरला बिरला विवि में 12.45 बजे
4. मस्जिद ए जाफरिया अंसार नगर में मजलिस शाम से
5. 151 जोड़ों का सामुहिक विवाह, हटिया, सुमिरन बैंक्वेट हॉल में दिन के 10 बजे
6. आजसू का हल्ला बोल कार्यक्रम, कई प्रखंडों में दिन के 11 बजे

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

हाईकोर्ट ने रांची नगर निगम को दिया अगली सुनवाई तक एफिडेविट दायर करने का निर्देश

राजधानी के प्रमुख चौकों के पास से फुटपाथ व सब्जी दुकानें हटाएं

मेन रोड, लालपुर, बिरसा चौक और हिनू आदि जगहों से फुटपाथ दुकानें हटाने को कहा

संवाददता। रांची

फुटपाथ दुकानदारों को हटाने से पहले उनके पुनर्वास की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई.

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस की बेंच ने नगर निगम से कहा है कि मेन रोड, लालपुर, बिरसा चौक और हिनू समेत अन्य प्रमुख चौक के पास से फुटपाथ दुकानदारों को जल्द से जल्द हटाए और अगली सुनवाई तक एफिडेविट दायर करें. इस संबध में नेशनल हॉकर फेडरेशन की और से जनहित याचिका दायर की गई है. कोर्ट ने मौखिक रांची नगर निगम से कहा है कि मेन रोड (महात्मा गांधी मार्ग), लालपुर, हीनू, बिरसा चौक आदि जगहों से फुटपाथ दुकानदार एवं सब्जी विक्रेताओं को अविलंब हटाएं और 15 जुलाई तक शपथ पत्र दाखिल करें. अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि फुटपाथ पर लगने वाली दुकानों और सब्जी बेचने वालों को हटाने के लिए ट्रैफिक पुलिस और रांची नगर निगम संयुक्त अभियान चलाए. सब्जी विक्रेताओं के लिए नगर निगम अलग जगह सुनिश्चित करे.

सब्जी विक्रेताओं के लिए निर्धारित जगह की जानकारी मांगी

हाईकोर्ट ने नगर निगम के अधिवक्ता से पूछा कि लालपुर चौक के पास सब्जी विक्रेताओं के लिए कौन-सी जगह निर्धारित की गई, उसकी भी जानकारी दें. कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा है कि राजधानी में सड़कों पर लोग अपने वाहन लगा देते हैं और वेंडर भी अपने दुकान सजा देते हैं. ट्रैफिक पुलिस भी उन पर एक्शन नहीं लेती है. राज्य सरकार भी राजधानी में जाम की समस्या को गंभीरता से ले, अन्यथा कोर्ट आला पुलिस अधिकारी को तलब कर सकती है.

ध्वनि प्रदूषण पर हाईकोर्ट सख्त, सरकार से जवाब तलब किया

रांची। झारखंड सिविल सोसाइटी द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि अब तक ध्वनि प्रदूषण पर रोक के लिए क्या-क्या कदम उठाये गये है? क्या क्या कार्रवाई की गयी है, इन बिंदुओं पर सरकार एक सप्ताह में जवाब दे. झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डॉ बीआर सारंगी और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ में ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई हुई.

ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाना सरकार का दायित्व है

अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि इस ध्वनि प्रदूषण के मामले में जनता से ही शिकायत करने को क्यों कहा जा रहा है, जब पूर्व से नियम है और कोर्ट ने भी आदेश दिया है, तो इसका पालन क्यों नहीं किया जा रहा है? ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाना सरकार का दायित्व है. जिसपर राज्य सरकार के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि अदालत के आदेश के आलोक में राज्य सरकार ने ध्वनि प्रदूषण होने पर शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 112 जारी किया है इस नंबर पर ध्वनि प्रदूषण संबंधी समस्या की शिकायत करने से तुरंत कार्रवाई की जाती है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा, अफसरों को दिये निर्देश

नियुक्ति प्रक्रियाओं में तेजी लाएं

कौशल आनंद। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में अधिकारियों की उपस्थिति में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया, रांची में निर्माणाधीन कांटाटोली फ्लाईओवर और सिरमटोली से मेकॉन चौक तक बनने वाले फ्लाईओवर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की. उन्होंने अधिकारियों को नियुक्ति प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में मानव संसाधन का अभाव होने से विभागीय कार्यक्षमता के साथ-साथ सरकार द्वारा जनहित में संचालित योजनाओं-परियोजनाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. अतः सभी नियुक्तियां निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत पूरी कर ली जाएं. अधिकारियों से कहा कि सितंबर 2024 के अंत तक राज्य सरकार के विभिन्न सरकारी विभागों में लगभग 30 हजार रिक्त पदों पर नियुक्ति करने का लक्ष्य है. इन नियुक्तियों को हर हाल में पूरा करने की दिशा में हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है.

5 हजार पुलिस और 583 उत्पाद सिपाही की नियुक्ति तेजी से करें : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बैठक में पांच हजार पुलिस और 583 उत्पाद सिपाही नियुक्ति प्रक्रिया में भी तेजी लाने का निर्देश दिया. अधिकारियों ने सीएम को बताया कि 583 उत्पाद सिपाही की दौड़ प्रक्रिया जुलाई माह 2024 के अंत तक और 5 हजार पुलिस बहाली की दौड़ प्रक्रिया 15 अगस्त 2024 तक पूरी कर ली जाएगी.

सिरमटोली फ्लाईओवर निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने का निर्देश : मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सिरमटोली से मेकॉन चौक तक बनाए जा रहे फ्लाईओवर का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर लें. निर्माण कार्य में अगर कोई बाधा पहुंच रही है, तो उसका जल्द समाधान निकालकर कार्य प्रगति में तेजी लायें. मुख्यमंत्री ने नगर विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि कांटाटोली फ्लाईओवर निर्माण कार्य भी जल्द पूरा करें. निर्माण कार्य में बेवजह विलंब न हो यह सुनिश्चित करें.

स्मार्ट सिटी में होटल ताज और अपोलो हॉस्पिटल बनाने की योजना तैयार करें : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्मार्ट सिटी रांची में ताज होटल और अपोलो अस्पताल का निर्माण कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है. स्मार्ट सिटी में ताज होटल निर्माण के लिए नगर विकास विभाग के अधिकारी ताज होटल प्रबंधन से समन्वय स्थापित कर शीघ्र कार्ययोजना तैयार करें और अपोलो अस्पताल बनवाने के लिए सभी जरूरी प्रक्रिया जल्द पूरा करें.

रांची, जमशेदपुर व धनबाद में पुलिसिंग व्यवस्था में सुधार लायें : मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को रांची, जमशेदपुर व धनबाद शहर में पुलिसिंग व्यवस्था में सुधार लाने और आधुनिक उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. पुलिस अधिकारियों से कहा कि पुलिस पदाधिकारी अपने क्षेत्र में जनता दरबार का आयोजन अवश्य करें. जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनें और समस्याओं का निदान भी करें. मुख्यमंत्री ने कहा कि अशहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस अपनी सक्रियता बढ़ाये, ताकि जिससे अपराधियों के मन में भय उत्पन्न हो.

बैठक में राज्य के मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह विभाग वंदना दादेल, डीजीपी अजय कुमार सिंह, पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के अध्यक्ष प्रशांत कुमार, नगर विकास सचिव अरवा राजकमल, एडीजी हेडक्वार्टर आरके मल्लिक, एडीजी ऑपरेशन संजय आनंद लाटकर, रांची के आईजी अखिलेश झा, रांची के एसएसपी चंदन सिन्हा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

पुलिस पदाधिकारी जनता दरबार लगाएं

- कांटाटोली और सिरमटोली-मेकॉन चौक फ्लाईओवर का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करें
- स्मार्ट सिटी में ताज होटल और अपोलो अस्पताल के निर्माण को प्राथमिकता दें

सीएम हेमंत ने मंत्रियों को दिया दो महीने का टॉस्क और दो मंत्र

विशेष संवाददाता। रांची

आठ जुलाई को राज्य में विश्वास मत, मंत्रिमंडल विस्तार, विभागों के बंटवारे के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कैबिनेट की पहली बैठक गत दिवस प्रोजेक्ट भवन में हुई. इस बैठक में केवल एक एजेंडा को लाया गया और उसे मंजूरी प्रदान की गयी. मगर यह बैठक कई मायनों में अहम रहा. सभी मंत्रियों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जरूरी सलाह, मंत्र और दो महीने का टॉस्क दिया है. इसके जरिए ही काम शुरू करने का निर्देश दिया. बैठक में सीएम सोरेन ने अपने सहयोगी मंत्रियों को स्पष्ट रूप से कहा कि बहुत कम दिनों का यह कार्यकाल होगा. मगर लोगों की उम्मीदें बहुत अधिक है, इसलिए बिना देर किए सभी काम-काज संभाल लें और काम भी शुरू कर दें.

प्रोजेक्ट भवन और नेपाल हाउस से नहीं चलेगी हमारी सरकार, मंत्री खुद फील्ड में उतरें

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने मंत्रियों को दो टूक शब्दों में कहा कि हमारी सरकार प्रोजेक्ट भवन और नेपाल हाउस सचिवालय से नहीं चलेगी. हमारी सरकार ने कई ऐसी योजनाएं शुरू की, जिसका सीधा संबंध गरीब, ग्रामीणों से है. हमारी प्राथमिकता भी यही वर्ग हैं. इसलिए योजनाओं की मॉनिटरिंग मंत्री खुद जाकर फील्ड में उतरें और देखें कि योजनाओं का लाभ उन्हें मिल रहा है या नहीं. ऑन स्पॉट इसकी जानकारी लें और ऑनस्पॉट उसका त्वरित निष्पादन करें. उनके पास कई श्रोत से योजनाओं में कमी और गड़बड़ियों की शिकायतें आते रहती हैं. इसलिए आपकी जिम्मेवारी और अधिक बढ़ जाती है. उन्होंने अपने मंत्रियों को यह भी निर्देशित किया कि जो अफसर सरकार की योजनाओं को जमीन में उतारने में कोई भी कोताही बरत रहे हैं, उन्हें चिन्हित करके उसके विरूद्ध कारवाई भी करें. उन्होंने अपने सहयोगी मंत्रियों को दो महीने का टॉस्क भी दिया और कहा कि वैसे बीच-बीच में वे सभी विभागों की समीक्षा करते रहेंगे मगर दो महीने का टाइम फ्रेम तय करके काम करें और प्राथमकिता तय करें.

भ्रष्टाचार के आरोप से बचें

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के टेंडर कमीशन के आरोप में जेल जाने को लेकर काफी आहत दिखे. उन्होंने कहा कि आने वाले दो से तीन महीने सरकार के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं. यही अगले चुनाव की दशा और दिशा तय करेगी. इसलिए कम दिनों के कार्यकाल में मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप से बचें और पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करें ताकि विपक्ष को कोई मुद्दा नहीं मिले. मंत्रीगण अपने विभाग की योजनाओं पर फोकस करें और तय करें कैसे उसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे.

कार्यभार संभालते ही कृषि मंत्री दीपिका हुई रेस

किसानों की लोन माफी की बढ़ी दर पर जल्द प्रस्ताव तैयार करे, सूखे से निबटने के लिए तेयार रहे विभाग

रांची। प्रभार संभालते ही नई कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह रेस हो गयी हैं. उन्होंने प्रभार संभालने के फौरन बाद विभाग के अफसरों के साथ मीटिंग की और कई निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषि ऋण माफी योजना के अन्तर्गत अभी तक 50 हजार रुपए तक का स्टैंर्ड केसीसी लोन की राशि बढ़ाकर 2.00 लाख रुपए तक का ऋण माफ किया जाएगा. विभाग इस योजना के क्रियान्वयन के लिए मंत्रिपरिषद के समक्ष शीघ्र प्रस्ताव तैयार करे. इसके साथ ही उन्होंने राज्य में हुए कम बारिश को देखते हुए विभाग को तैयार रहने और कार्य योजना बनाने का निर्देश भी दिया.

बीज ग्राम को फिर से एक्टिव करें

मंत्री ने बीज ग्राम के पुनरुद्धार के संबंध में निदेशक, कृषि को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि पूर्व में चल रहे बीज ग्राम को फिर से एक्टिव करने के लिए आवश्यक कार्य योजना तैयार की जाए. मंत्री ने कृषि निदेशक को निर्देश दिया कि उर्वरकों का नियत दर से ऊंचे दर पर बिक्री किये जाने पर रोक लगाई जाए. साथ ही नकली उर्वरकों की बिक्री रोकने पर भी सख्त कदम उठाए जाएं.

कम बारिश को देखते हुए प्लान तैयार करें

कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि अभी तक राज्य में वर्षा की कमी देखी गई है. इसके लिए रोबुस्ट कंटीजेंसी प्लान तैयार कर सुखाड़ की स्थिति उत्पन्न होने पर विभाग को तैयार रहना चाहिए. मंत्री ने निर्देश दिया कि वर्तमान में चल रहे सीएचसी केंद्रों के कार्यकलाप की समीक्षा कर ली जाए.

डिफंग हो चुके नए लैंपस और पैक्स को विकसित करें

मुख्यमंत्री सूखा राहत योजना के लंबित भुगतान का अधियाचना आपदा प्रबंधन को भेजने का निर्देश मंत्री ने दिया. लैम्प्स / पैक्स को और अधिक सुदृढ करने की दिशा में मंत्री ने निर्देश दिया कि डिफंग हो गए लैम्प्स / पैक्स के जगह पर नए लैम्प्स पैक्स को विकसित किया जाए.

कृषक मित्रों का मानदेय बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार करें

कृषि मंत्री ने कृषक मित्रों के मानदेय को एक हजार रुपए से दो हजार रुपए प्रति माह बढ़ाने का भी प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया. प्रखंड स्तर पर विभाग द्वारा चलाई जा रही लाभुक जनित योजनाओं के प्रचार प्रसार तथा सीधा लाभुक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रखंड स्तर पर बृहद रूप से कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया. तालाबों की संख्या बढ़ाने का तथा वर्तमान परकोलेशन टैंक में संशोधन करने का सुझाव दिया, जिससे योजना की सफल क्रियान्वयन में गति लायी जा सके

दीपिका सिंह पांडेय का कांग्रेस भवन में हुआ अभिनंदन

कई मंत्रियों ने लिया प्रभार

रांची। राज्य की हेमंत सोरेन सरकार में नए बने मंत्रियों में से कई ने अपना-अपना प्रभार ग्रहण कर लिया. मंगलवार को पूर्व सीएम और जलसंसाधन, उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री चंपाई सोरेन, ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, श्रम नियोजन एवं उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता और कृषि मंत्री दीपिका सिंह पांडेय ने अपना-अपना प्रभार ग्रहण कर लिया.

कम समय में मंत्री बेहतर कार्य करेंगे

कृषि एवं पशुपालन मंत्री दीपिका पांडे सिंह का झारखंड प्रदेश कांग्रेस के कार्यालय में अभिनंदन किया गया. नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने गुलदस्ता देकर दीपिका पांडे का स्वागत किया. नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि कांग्रेस नेतृत्व जिस भरोसे पर युवा नेतृत्व को झारखंड में मौका दिया है उस पर सरकार के चंद दिनो के कार्यकाल में खरा उतरेंगी. नेताओं ने कहा कि अभी चुनौतियों का समय है लोकसभा चुनाव के कारण इस वित्तीय वर्ष में कार्यों की गति धीमी हो गई है जिसे तेज करने की आवश्यकता है.

लालपुर के सब्जी विक्रेता जल्द किए जाएंगे शिफ्ट

आकर्ष अनिकेत। रांची

लालपुर बाजार के सब्जी विक्रेताओं का इंतजार अब जल्दी ही खत्म होगा. डिस्टिलरी पूर स्थित वेजीटेबल मार्केट का काम लगभग पूरा हो चुका है. अब सिर्फ फाइनल टच-अप का काम बाकी है, जिसे 14 जुलाई तक पूरा कर दिया जाएगा. इसके बाद विक्रेताओं को यहां शिफ्ट कर दिया जाएगा. फिलहाल मार्केट में पेंट और टाइल्स लगाने का काम किया जा रहा है. निगम के एक अधिकारी के अनुसार काम जल्द ही पूरा हो जाएगा. उन्होंने बताया कि शिफ्टिंग के लिए भी विक्रेताओं से बातचीत की जा रही है. बातचीत के बाद ही शिफ्टिंग पर कोई फैसला लिया जाएगा.

मार्केट में 110 दुकानें, 273 विक्रेताओं ने सर्वे में दर्ज कराया था नाम : वेजीटेबल मार्केट में लगभग 110 दुकानें हैं और 273 विक्रेताओं ने निगम के सर्वे में अपना नाम दर्ज करवाया था. फिलहाल बाकी बचे 173 विक्रेताओं के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है.

सैंकड़ों विक्रेताओं ने नहीं दर्ज कराया था सर्वे में नाम : लालपुर बाजार में डिस्टिलरी पुल से लेकर लालपुर चौक तक सैंकड़ों फल व सब्जी की दुकाने हैं, जिनका नाम सर्वे में दर्ज नहीं किया गया था. हालांकि सर्वे में दर्ज विक्रेताओं के लिए ही फिलहाल जगह पूरी नहीं है.

वेजीटेबल मार्केट में 70 नॉन वेज विक्रेताओं को मिल चुकी है जगह

लालपुर बाजार के नॉनवेज विक्रेताओं को पहले ही मार्केट में शिफ्ट करवा दिया गया है. वेजीटेबल मार्केट के ग्राउंड फ्लोर पर कुल 70 दुकानें थीं, जहां नॉन वेज बेचने वाले 70 विक्रेताओं शिफ्ट करवाया गया था.

13 को हो सकती है राजधानी में जोरदार बारिश

रांची में सुखाड़, सूबे के अन्य हिस्सों में सामान्य बारिश हुई

शुभम किशोर। रांची

झारखंड कि राजधानी रांची में पिछले एक सप्ताह से बारिश न के बराबर हुई. यहां तक कि रांची के धुर्वा में ऐतिहासिक रथ यात्रा के दौरान भी बारिश नहीं हुई. वहीं झारखंड के अन्य हिस्सों में बारिश सामान्य रही. पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर हल्के दर्जे की वर्षा हुई. हालांकि पिछले 24 घंटे में राज्य में मॉनसून गतिविधि कमजोर रही. सबसे अधिक वर्षा 15.0 एमएम गुड़ाबांधा (पूर्वी सिंहभूम) में दर्ज की गई. वहीं सबसे अधिक उच्चतम तापमान 37.7 डिग्री सेल्सियस सरायकेला में, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रांची में दर्ज किया गया. मौसम विभाग के अनुसार 13 जुलाई को राज्य के मध्य एवं निकटवर्ती उत्तरी भागों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है. इस दौरान रांची समेत रामगढ़, बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह और धनबाद में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है. आने वाले दिनों में रांची में हल्की बारिश होने कि संभावना है. विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार रांची में 10 जुलाई को बादल छाये रहेंगे, गर्जन अथवा वर्षा हो सकती है. वहीं 11 जुलाई को बादल छाये रहेंगे, एक-दो बार हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होगी. 12 जुलाई को बादल छाये रहेंगे, दो या अधिक बार हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने कि संभावना है.

12 को उत्तर-पूर्वी भाग में भारी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में झारखंड में बारिश कि संभावना है. बुधवार को राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हो सकती है. वहीं 12 जुलाई राज्य के उत्तर- पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है. इस दौरान देवघर, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा और साहेबगंज में भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी कि गई है. झारखंड में अगले 3 दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है.

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, पूर्व कुलपति डॉ. रमेश शरण के शोक में डूबा शिक्षा जगत

रांची। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और विनोबाभावे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ रमेश शरण का कोलकाता में इलाज के दौरान निधन हो गया. उनने निधन की खबर आते ही शिक्षा जगत, उनके चाहने वाले, अपने पराये सभी में शोक की लहर दौड़ पड़ी है.

डॉ. रमेश की ही बदौलत आज अर्थशास्त्र का प्रोफेसर हूं : डॉ. नीतीश

रांची विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर डॉ. नीतीश राज ने कहा कि उनके अंदर गुणों का भंडार था, वे बहुत मिलनसार थे, कभी किसी को कष्ट नहीं देते थे. प्रायोगिक अर्थशास्त्र पर बहुत अच्छे कमांड थे. झारखंड सरकार ने भी उनसे सेवा ली है. सामाजिक मुद्दों पर भी वे बड़े अर्थशास्त्री के रूप में मशहूर हुए. मैं आज उन्हीं की दी शिक्षा की बदौलत अर्थशास्त्र का प्रोफेसर हूं.

डॉ. रमेश शरण एक महान चिंतक थे, उनकी कमी खलेगी : विनोद

स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन विभाग के निदेशक डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि डॉ. शरण रांची विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र के प्राध्यापक थे. उनका समाज में गहरा लगाव था. उनके लेख पत्र-पत्रिकाओं में छपते रहते थे. उनकी प्रतिभा को देख कर ही सरकार ने उन्हें विनोबा भावे विश्वविद्यालय में कुलपति पद पर नियुक्त किया था. वे महान चिंतक थे, डॉ. शरण का निधन ऐसी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है.

अंतराष्ट्रीय मंच पर भी भारत के लिये मजबूती से बोलते थे : मनोज

स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन विभाग के शिक्षक पत्रकार मनोज शर्मा ने कहा कि पूर्व कुलपति डॉ. रमेश शरण किसी भी मंच पर पहुंच जाते थे तो सारा मंच उन्हीं को समर्पित हो जाता था. वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत व भारतीय लोगों के पक्ष को मजबूती के साथ रखते थे. उनका कहना था कि वरिष्ठ प्राध्यापकों को भी अपना अध्ययन करते रहना चाहिये. जितना पढ़ेंगे, उतना ही ज्ञान का विस्तार होगा.

इकोनामिक्स के अच्छे विद्वान थे डॉ. रमेश शरण : डॉ. राजकुमार

विश्वविद्यालय इतिहास विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राजकुमार ने कहा कि वे इकोनामिक्स के अच्छे विद्वान थे. सोशल साइंस, समाज विज्ञान संकाय के डीन रहे, हजारीबाग में कुलपति रहें, उनके बहुत लेक्चरों को सुना है. उनके भाषणों में एक अलग ही ऊर्जा होती थी, जिसे लोग बिना हटे पूरा सुनने में लगे रहते थे, क्योंकि उनके भाषण से बहुत कुछ सीखने को मिलता था. उनके धन से पूरा विश्वविद्यालय दुखी है.

डॉ. रमेश शरण अपने विषय की एक पहचान थे : डॉ. सुजाता

शवविद्यालय इतिहास विभाग की एचओडी डॉ. सुजाता ने कहा कि यह बहुत दुखद सूचना है. हमें तो इसकी जानकारी भी नहीं थी. ये बहुत ही दुखद है. डॉ. रमेश शरण अपने विषय के बहुत बड़े विद्वान थे. प्रशासन पर भी उनकी बहुत अच्छी पकड़ थी. किताबें तथा पत्रिकाओं में लिखने के भी शौकीन थे. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका नाम था. अपने विषय के वे एक पहचान थे. उनके निधन से बहुत बड़ी क्षति हुई है.

डॉ. रमेश के निधन से पूरे विश्वविद्यालय को झटका लगा : डॉ. पुष्पा

रांची विश्वविद्यालय की दर्शन शास्त्र की एचओडी डॉ पुष्पा सिंह ने कहा कि डॉ रमेश शरण की धर्म पत्नी डॉ. राजराजेश्वरी वर्मा दर्शन शास्त्र विभाग से ही एसोसिएट प्रोफेसर थीं. डॉ. रमेश शरण अपने विषय के साथ साथ अन्य विषयों के भी अच्छे विद्वान थे. वे जिस विषय पर भी अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते थे. उसमें बहुत सारी जानकारियां होती थी, जिसे सुन कर भी लोग अच्छी जानकारी जुटा लेते थे.

कुशल शिक्षक के साथ ही सजग अभिभावक थे डॉ. शरण : डॉ. जाकिर

रांची विवि के लीगल स्टडीज इंस्टीच्युट के सहायक प्राध्यापक डॉ. मोहम्मद जाकिर ने डॉ. शरण के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि वे कुशल शिक्षक ही नहीं, सजग अभिभावक भी थे. उनके निधन से जो क्षति हुई है, उसकी भरपायी असंभव है. उनकी सादगी और ईमानदारी उनकी सफलता का मूल मंत्र था. उनकी पर्सनालिटी का असर क्लासरूम तथा कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता था.

तीसरे दिन गुलजार रहा जगन्नाथपुर रथयात्रा मेला

संवाददाता। रांची

रांची का ऐतिहासिक जगरनाथपुर मेला मंगलवार को तीसरे दिन गुलजार रहा. सुबह से लेकर देर शाम तक लोगों ने जगन्नाथ स्वामी के दर्शन के साथ मेले का भी लुत्फ उठाया. लोगों ने घर-गृहस्थी से लेकर आम जीवन में उपयोगी सामानों के साथ ही खेती किसानी से संबंधित सामानों की जमकर खरीदारी की. मेले में परंपरागत हथियारों की भी खूब बिक्री हुई पीने के साथ कई तरह के झूले और मनोरंजन खेल तमाशा का लुत्फ उठाया.

तीसरे दिन गुलजार रांची का ऐतिहासिक जगरनाथपुर मेला.

मेले में जिएंट व्हील, फ्रेसबी, सुनामी और हैमर झूले का टिकट 100 रुपये है. वहीं ब्रेक डांस का टिकट 80 रुपये का है. मौत का कुआं देखने के लिए 50 रुपये खर्च करने होंगे. बच्चों का मिक्की माउस के लिए भी 50 रुपये टिकट है. भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ मौसीबाड़ी में हैं. श्रद्धालु को भगवान ने सुबह 6 बजे दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 3 बजे से शाम 7:30 बजे तक दर्शन दिए. भगवान को सुबह में बाल भोग (हलुआ) लगाया गया. वहीं दोपहर में भगवान को दाल, भात, सब्जी और खीर का भोग लगाया गया. शाम में भगवान को छिलका और दूध दिया गया. शाम 7:30 बजे आरती उतारी गयी.

वनवासी कल्याण केंद्र के महिला प्रमुखों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ, अतुल जोग ने कहा

जनजातियों के विकास में लगा वनवासी कल्याण केंद्र

संवाददाता। रांची

वनवासी कल्याण केंद्र के नवनिर्मित बहुद्देशीय भवन में मंगलवार को क्षेत्रीय महिला प्रमुखों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री अतुल जोग ने किया.

उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में वनवासी कल्याण आश्रम की स्थापना एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बालासाहब देशपांडे द्वारा स्थापित कल्याण आश्रम आज देश के सभी राज्यों में जनजाति समाज के धर्म-संस्कृति एवं परम्परा का संरक्षण करते हुए उनके सर्वांगाण विकास के लिए प्रयासरत हैं. वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा जनजाति महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में भी अनेक कार्य किये जा रहे हैं. स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उनको कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर कुटीर उद्योग से जोड़कर स्वावलंबी और आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है.

प्रशिक्षण वर्ग में मौजूद संगठन मंत्री अतुल जोग एवं वीणापाणि दास.

राष्ट्रीय महिला प्रमुख वीणापाणि दास ने बिहार और झारखण्ड के विभिन्न जिलों से आई महिला प्रमुखों को बताया कि जनजातीय महिलाओं में आज पलायन, डायन प्रथा की समस्या के साथ कुपोषण की गंभीर समस्या बनी हुई है. इस दिशा में महिलाओं को शिक्षा के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है. व्यावसायिक योजनाओं और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का निराकरण करने के लिए हमें जनजाति महिलाओं के बीच गंभीरता पूर्वक काम करना है. उन्होंने कहा कि महिलाओं को भी स्वाभिमानी जीवन जीने के लिए आर्थिक निर्भरता जरूरी है. इसलिए सरकार की विभिन्न योजनाओं के संबंध में भी महिलाओं को जागृत किया जा रहा है. महिलाओं का आर्थिक विकास हो इसके लिए कौशल विकास के प्रशिक्षण की सुविधा हर जिले में उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी भी निभानी पडेग़ी. स्थानीय रोजगार सृजन के उपायों पर भी विचार करना चाहिए.

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में लव-जिहाद, नारी सुरक्षा, आर्थिक बचत, जन्म से मृत्यु तक की परम्पराओं, आध्यात्मिक, सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया जायेगा.

टेंडर हार्ट स्कूल में प्रदर्शनी का आयोजन, बच्चों के बनाए मॉडल्स बने विशेष आकर्षण का केंद्र

बच्चों ने दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

संवाददाता। रांची

टेंडर हार्ट स्कूल में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

झारखंड के नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, विद्यालय के चेयरमैन सुधीर तिवारी एवं वाईस चेयरमैन वेदान्त तिवारी ने संयुक्त रूप से प्रदर्शनी का उद्घाटन किया. कक्षा 7, 8, 9 एवं 11 के विद्यार्थियों ने सौर ऊर्जा, मृदा संरक्षण और विश्व के बदलते मौसम के कारण एवं उसके निवारण जैसे अनेक मॉडल्स प्रस्तुत कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण अक्षय ऊर्जा द्वारा संचालित स्मार्ट सिटी, भारत के प्राचीन सभ्यताओं में प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं मंदिरों में उत्सर्जित जैविक अपशिष्ट का उपयोग था.

स्मार्ट सिटी व नहर प्रणाली पर आधारित मॉडल विजयी घोषित : विद्यार्थियों में प्रकृति सरंक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए इस दौरान फेस पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था. कार्यक्रम के अंत में कक्षा 7 की कुमारी श्रेया को अक्षय ऊर्जा द्वारा संचालित स्मार्ट सिटी एवं कक्षा 11 के कुमार पारस द्वारा प्रस्तुत बेंगलुरु शहर के प्राचीन एवं आधुनिक नहर प्रणाली पर आधारित मॉडल को विजयी घोषित किया गया. मुख्य अतिथि अमर बाउरी ने कहा कि बच्चों में प्रकृति सरंक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना विद्यालय का प्रयास सराहनीय है. चैयरमैन सुधीर तिवारी ने कहा कि प्रकृति सरंक्षण के प्रति टेंडर हार्ट स्कूल सदैव तत्पर रहा है. कार्यक्रम में टेंडर हार्ट की प्राचार्या उषा किरण झा , निदेशक जे मोहंती, उप प्राचार्या रश्मि प्रकाश एवं प्रधानाध्यापिका शिवांगी शुक्ला समेत सभी शिक्षक शिक्षिकायें उपस्थित थीं.

टेंडर हार्ट स्कूल में लगी प्रदर्शनी में छात्रा एवं छात्राएं.

गुरु नानक स्कूल में नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान

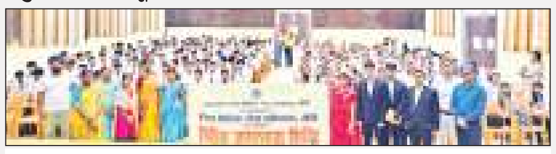
जागरूकता अभियान में शामिल गुरु नानक स्कूल विद्यार्थी एवं शिक्षक.

रांची। गुरु नानक स्कूल में कक्षा छठी से लेकर दसवीं तक के विद्यार्थियों को नशामुक्ति को लेकर जागरूक किया गया. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम, कानूनी सहायता रक्षा परिषद प्रणाली के मेंबर्स, लॉ के विद्यार्थी एवं पैरा लीगल वॉलिंटियर्स ने बच्चों को नशीली दवाइयों के सेवन एवं उसके दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया. इस दौरान बच्चों को बताया गया कि नशे की लत देश के शारीरिक, सामाजिक एवं आर्थिक तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है. खासकर युवा पीढ़ी नशीली दवाओं की चपेट में तेजी से आ रहे हैं. नशा एक महामारी का रूप ले चुका है. आधुनिक जीवन के तनाव और दबाव ने व्यक्ति को मादक द्रव्यों के सेवन की समस्या के प्रति अधिक संवेदनशील बना दिया है. नशीले पदार्थों की लत व्यक्ति के साथ पूरे परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है. कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या डॉ. (कैप्टन) सुमित कौर एवं उपप्राचार्या सोनिया कौर शामिल थीं.

लाला लाजपत राय स्कूल में पौधरोपण, पोस्टर बनानेवाले बच्चे पुरस्कृत

संवाददाता। रांची

पुंदाग स्थित लाला लाजपत राय बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वन महोत्सव के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ. पंजाबी हिंदू बिरादरी की स्कूल प्रबंधन कमेटी के महासचिव राजेश मेहरा और पूर्व प्रति कुलपति डॉ. कामिनी कुमार बतौर मुख्य अतिथि पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल हुई. मौके पर बच्चों ने "मुझे ना काटो" गीत से अतिथियों का मन मोह लिया. वन महोत्सव पर आधारित बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टर्स को पुरस्कृत किया गया. राजेश मेहरा ने कहा कि कोरोना काल में ऑक्सीजन के महत्व को हम सभी ने महसूस किया है. पेड़ पौधों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन तो मिलता ही है, साथ ही वातावरण भी शुद्ध बना रहता है. इसके साथ ही भूमिगत जलस्तर बनाये रखने में भी वृक्ष अहम भूमिका निभाते हैं. डॉ. कामिनी कुमार ने कहा कि पेड़ लगाना तो जरूरी है, लेकिन उनकी समय-समय पर उचित देखभाल करना ज्यादा जरूरी है. मौके पर प्रधानाध्यारिता गुंजन किंडो ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का हिस्सा हैं और जन्म से मृत्यु तक हर समय इनका साथ बना रहता है.

बच्चों को पुरस्कार देते प्रबंधन कमेटी के महासचिव राजेश मेहरा एवं अन्य.

डीएवी हेहल में मनाया गया वन महोत्सव सप्ताह

रांची : डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल में 'भविष्य के लिए आशा का पौधा लगाओ' थीम पर आधारित 75वां वन महोत्सव धूमधाम से मनाया गया. कार्यक्रम के तहत पूरे सप्ताह भर प्रतिदिन कई प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ. इस दौरान 'प्लास्टिक ईंट की सीमा के साथ वृक्षारोपण'''', 'भारत के वन' पर अंतर सदनीय क्विज प्रतियोगिता व 'हाथ में पेंटिंग' कर कागज बचाओ प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया. छात्रों-शिक्षकों ने विद्यालय परिसर में आम, जामुन, नीम, अमरुद एवं छायादार पेड़-पौधे लगाकर धरती को हरा भरा बनाने का संदेश दिया. इस अवसर पर प्राचार्य एसके मिश्रा ने कहा कि वन महोत्सव भारत में प्रति वर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में वृक्षारोपण के लिए मनाया जाने वाला उत्सव है. प्राचार्य ने कहा कि 'वन महोत्सव'को जीवन में उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए और प्रत्येक नागरिक को 'वन महोत्सव सप्ताह' में कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए.

श्री शिव शक्ति मंदिर का चार दिनी आठवां वार्षिक उत्सव प्रारंभ

कलश यात्रा में शामिल गणमान्य एवं श्रद्धालु महिलाएं.

संवाददाता। रांची

कलश यात्रा के साथ मंगलवार को सुखदेव नगर थानांतर्गत श्री शिव शक्ति नगर रोड नंबर पांच के श्री शिव शक्ति मंदिर का चार दिवसीय आठवां वार्षिक उत्सव पूरी श्रद्धा-भक्ति एवं उत्साह के वातावरण में प्रारंभ हुआ. कलश यात्रा मंदिर के प्रांगण से निकल कर रोड नंबर पांच, न्यू लायन्स क्लब, चूना भट्ठा, केशव नगर होते हुए सती मंदिर प्रांगण पहुंची. वहां से जल लेकर खाद चूना भट्ठा मंदिर प्रांगण पहुंची. कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाएं सिर पर कलश लेकर भगवान शिव का जयकारा लगाती चल रही थीं. उनमें मुख्य रूप से आशा देवी, मुकेश साहू, मणिकांत झा, विध्याचल पाण्डेय, राज वर्मा आदि शामिल थे. कलश यात्रा से पूर्व मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना की गयी तथा आरती उतारी गयी.

वार्षिकोत्सव में प्रमुख भूमिका निभा रहे मुख्य पुजारी केदारनाथ मिश्रा ने बताया कि 10 जुलाई को सामूहिक रुद्राभिषेक होगा, वहीं 11 जुलाई को सामूहिक हवन होगा, जिसमें आसपास के श्रद्धालु भाग लेंगे. उसी दिन संध्या पांच बजे भंडारा का आयोजन किया जाएगा. अंतिम दिन 12 जुलाई को संध्या सात बजे जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें भजन गायक रातभर भजनों की गंगा बहाएंगे. वार्षिकोत्सव के आयोजक अरविंद कुमार, अनुज सोनी, अशोक सोनी, संजीव सिंह तथा अतिथियों में भाजपा नेता संजय कुमार जायसवाल, राहुल चौधरी, भारत काशी अनिल गुप्ता आदि शामिल हैं

श्रीश्याम मंदिर में हुआ 109वां सुंदरकांड पाठ

रांची। श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में मंगलवार को 109वां सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया. शाम चार बजे मुख्य यजमान संजय सुरेका ने सपरिवार पूजा-अर्चना कर ज्योत प्रज्वलित की. केसरिया पेड़ा, गुड़, चना, फलादि का भोग निवेदित किया. इसके बाद मनीष सारस्वत और ओम शर्मा संग भक्तो ने ढोलक, डफली और झांझ करताल के साथ पाठ कर श्रीराम और हनुमान जी के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित की. शाम सात बजे आरती के साथ इसका समापन हुआ. श्रीश्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया,श्याम सुन्दर जोशी, उपमंत्री अनिल नारनोली, श्रवण ढानढनिया,पुष्पा देवी पोद्दार, मुकेश मित्तल,संजय सुरेका आदि ने इसमें मुख्य योगदान दिया.

सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में वन महोत्सव सप्ताह का उत्साह के साथ समापन हुआ

संवाददाता। रांची

सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में वन महोत्सव सप्ताह का उत्साह के साथ मंगलवार को समापन हुआ.इस वर्ष 'एक पेड़ लगाओ, एक वादा करो' थीम पर आधारित पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने वाली विभिन्न गतिविधियां शामिल की गई थीं.

मौके पर पर्यावरण की रक्षा व लिए के कर्मचारियों ने रंग की पोशाक पहन रखी थी. प्री नर्सरी से पांचवीं कक्षा के बच्चों ने पेंटिंग, स्लोगन लेखन, प्रश्नोत्तरी और पौधों को पानी देने जैसी गतिविधियों में भाग लिया.अलग-अलग पेड़-पौधे की वेशभूषा धारण बच्चे रैंप पर चले. उन्होंने परिसर में पौधों को रक्षा सूत्र भी बांधा और एक-दूसरे को उपहार में पौधे दिये. छठी से12वीं कक्षा के सीनियर छात्रों ने पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता व वनों के महत्व पर विशेषज्ञ वार्ता में भाग लिया. साथ ही पौधरोपण अभियान, भाषण और गीत की विशेष सभा में भी भाग लिया. स्कूल की प्राचार्या समिता सिन्हा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के बीच पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करना और स्थायी प्रथा को बढ़ावा देना है.

विद्यार्थियों ने धारण की पेड़-पौधों की वेशभूषा

पेड़-पौधों की वेशभूषा में सुरेन्द्रनाथ सेंटेनरी स्कूल के शिक्षक, शिक्षिकाएं.

उर्दू शिक्षक संघ का शिष्टमंडल जिला शिक्षा अधीक्षक से मिला

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ, रांची जिला समिति का शिष्टमंडल जिला शिक्षा अधीक्षक मिथिलेश केरकेट्टा से मिला. शिष्टमंडल ने रांची जिले के प्रारंभिक उर्दू विद्यालयों में पांच दिनों के स्थानीय अवकाश के सामंजन किये जाने का आग्रह किया. संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने कहा कि जेसीईआरटी निदेशक के द्वारा राज्य के तीनों संवर्ग के विद्यालयों के लिए कुल 55 दिनों की छुट्टियों समेत पांच दिनों का स्थानीय अवकाश जिला स्तर पर सामंजन किये जाने के लिए आग्रह किया है. जिला शिक्षा अधीक्षक ने समाधान हेतु कार्य का आश्वासन दिया. झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ, रांची जिला समिति द्वारा मुहर्रम के साथ 16 जुलाई एवं 18 जुलाई 2024, मिलादुन नबी के साथ 15 सितंबर 2024 एवं दुर्गा पूजा के साथ 13 अक्टूबर एवं 14 अक्टूबर, 2024 को जिला के उर्दू विद्यालयों के लिए पांच दिनों के स्थानीय अवकाश का सामंजन करने की मांग की है. शिष्टमंडल में संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद, राकिम अहसन, मो फखरुद्दीन, साकिर करीम, असरार अहमद, मो एकबाल आदि शामिल थे.

जिला शिक्षा अधीक्षक से मिलते झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के प्रतिनिधि.

विकास समिति ने शोकसभा कर स्व. अजीत साहु को दी श्रद्धांजलि

रांची। हरमू हाउसिंग कॉलोनी में कल्याण एवं विकास समिति की ओर से शोकसभा का आयोजन किया गया. कॉलोनी निवासी समाजसेवी अजीत कुमार साहु के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया गया. समिति के अध्यक्ष डॉ हेमंत कुमार सिंह ने कहा कि समाज के प्रति स्व.साहू द्वारा किए गए कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता है. उनके असामायिक निधन से कॉलोनीवासियों में शोक की लहर है. सचिव शैलेंद्र लाल बख्शी ने कहा कि उनके असामायिक निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है. जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है. शोक सभा में दिवंगत आत्मा की शांति के लिये दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई. मौके पर बड़ी संख्या में मुहल्लेवासी शामिल थे. सामाजिक कार्यकर्ता स्व. अजीत कुमार साहू की धर्मपत्नी रंजना साहू एवं भतीजे रोहित साहू के अनुसार उनका श्राद्धकर्म बुधवार 10 जुलाई को हाउसिंग कॉलोनी स्थित अनके आवास में आर्य समाज के विधि-विधान (वैदिक रीति) से संपन्न होगी. मौके पर शांति हवन व श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी.

मजलिस जिक्रे शहीदाने कर्बला का तीसरा दिन

संवाददाता। रांची

मुहर्रम के अवसर पर मस्जिद ए जाफरिया में मजलिस जिक्रे शहीदाने कर्बला का आयोजन किया गया है. मंगलवार तीसरे दिन मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने इमाम ए हुसैन के जीवन पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि 10 दिवसीय यह मजलिस 17 जुलाई तक इसी समान चलेगी. 13 जुलाई को मजलिस के बाद हजरत अली असगर की याद में झूला निकाला जायेगा. 15 से 17 जुलाई को मजलिस के बाद अलम का मातमी जुलूस मस्जिद ए जाफरिया परिसर से निकाला जायेगा. 16 जुलाई को रात्रि 8 बजे अनवर टावर विश्वकर्मा मंदिर मेन रोड से मस्जिद ए जाफरिया पहुंचेगा और वहां पर सभा में बदल जायेगा. 17 यानी 10 मुहर्रम को जुलूस ए रोजे आशूरा जोहर की नमाज के बाद मस्जिद ए जाफरिया से दोपहर 1 बजे निकलकर चर्च रोड, विक्रांत चौक, टैक्सी स्टैंड, मेन रोड, अंजुमन प्लाजा होते हुए कर्बला पहुंचेगा.कार्यक्रम का आयोजन अंजुमन ए जाफरिया की ओर से किया जा रहा है.

खास बातें

- मौलाना रिजवी ने इमाम ए हुसैन के जीवन पर प्रकाश डाला
- 17 जुलाई तक चलेगी मजलिस, फिर निकलेगा मातमी जुलूस

शिक्षा जगत

संत अलबर्ट्स कॉलेज रांची के दीक्षांत समारोह में 40 छात्रों को मिली डिग्री

दर्शनशास्त्र तार्किक विलक्षणता को बढ़ाता है : बिशप कंडुलना

संवाददाता रांची

संत अलबर्ट्स कॉलेज रांची का दीक्षांत समारोह मंगलवार को आयोजित किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत मिस्सा पूजा से की गई. मुख्य अनुष्ठाता आर्चबिशप विन्सेंट आईंद थे.

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कॉलेज में बौद्धिक विकास के साथ आध्यात्मिक उन्नति पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है. इसके फलस्वरूप व्यक्ति आंतरिक रूप से परिवर्तन लाता है. स्वयं परिवर्तन के साथ समाज के परिवर्तन के लिए आगे बढ़ता है. ईसा मसीह के आदर्श गुण जैसे प्रेम, सेवा, समर्पण आदि को अपनाकर परिवर्तन लाया जा सकता है. कॉलेज के प्रेसिडेंट फादर सुमन कुमार एक्का ने कॉलेज की गतिविधिओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारियां दीं. कॉलेज के प्राचार्य बिशप विनय कंडुलना ने कहा कि दर्शनशात्र सोचने के तौर तरीके तथा तार्किक विलक्षणता को बढ़ाता है और ज्ञान अर्जन में सहायक होता है. वहीं थिओलोजी ईश्वरीय ज्ञान को बढाने में मदद करता है. प्रभु से रिश्ता जोड़ने में सहायता प्रदान करता है. शैक्षणिक सत्र के विषय ''''आशा के तीर्थयात्री'''' पर प्रकाश डालते हुए फादर जॉन बारला ने कहा कि जिस दुनिया में हम जीते हैं. वह लचर स्थिति में है. यहां गरीबी, दुःख, बीमारी, लड़ाई, कोरोना जैसी महामारी, प्राकृतिक आपदा, ग्लोबल वार्मिंग, मानव मूल्यों का ह्रास जैसी समस्या होती है. लोगों की आशाओं पर पानी फिर रहा है. उन्होंने सुझाव दिया, प्रकृति के साथ शांतिमय रिश्ता, मनुष्य के साथ सद्भभावना व सम्मान के साथ जीना है. ईश्वर के साथ मधुर रिश्ता जोड़ना है.

संत अल्बर्ट्स कॉलेज रांची के दीक्षांत समारोह में आर्च बिशप विंसेंट आईंद.

16 विद्यार्थियों की दी गयी बैचलर ऑफ थिओलॉजी की डिग्री

दीक्षांत समारोह में रॉक पाकिया राज को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई. इसके साथ ही 16 विद्यार्थियो को बैचलर इन थिओलॉजी दी गई. वहीं 24 विद्यार्थियों को बैचलर इन फिलॉसफी की डिग्री प्रदान की गयी. निर्देशन व संचालन फादर रैमन टोबियास टोप्पो, फादर राजू क्रास्टा, ब्रदर अन्थोनी बारला, ब्रदर सोमनाथ मुर्मू समेत अन्य शामिल हुए.

16 तक बजेंगी शहनाइयां, फिर चार माह का ब्रेक

संवाददाता। रांची

शुक्रदेव के उदय होते ही मांगलिक कार्य प्रारंभ हो गये हैं. शहनाइयां बजने लगी है, लेकिन 17 जुलाई से फिर चार माह का ब्रेक लग जायेगा. आचार्य अजय मिश्रा ने बताया कि इस बार आषाढ़ में मात्र छह शुभ लग्न मुहूर्त मिल रहे हैं. 09, 11, 12, 13, 14 और 15 जुलाई का मुहूर्त अति शुभकारी रहेगा. उन्होंने बताया कि 17 जुलाई से श्रीहरि शयन में चले जायेंगे. इससे चार माह तक फिर से शादी-विवाह पर ब्रेक लग जाएगा. हिंदू धार्मिक परंपरा के अनुसार, जब भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं तो मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं.

- आषाढ़ में मात्र छह शुभ लग्न मुहूर्त मिल रहे हैं

17 जुलाई से योग निद्रा में होंगे भगवान विष्णु

12 नवंबर से फिर से शहनाई बजेगी

पंडित सुरेंद्र इंद्र गुरु ने बताया कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 11 नवंबर शाम 06 : 46 बजे से दूसरे दिन शाम 04 : 04 बजे तक रहेगी. उदीयमान तिथि के अनुसार 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी मान्य होगा. 13 नवंबर को तुलसी विवाह के साथ ही चार माह ब्रेक के बाद फिर से शहनाइयां बजेंगी. पंडित ज्ञानदेव मिश्रा ने बताया कि पंचांग के मुताबिक नवंबर में 17, 18, 22, 23, 24, 25 और 26 तारीख शादी के लिए शुभ हैं. फिर, दिसंबर महीने की 2, 3, 4, 5, 9 10, 13 और 14 तारीख विवाह के लिए उत्तम हैं.

ब्रीफ खबरें

घर के बरामदे में खड़ी बाइक की चोरी

चान्हो। थाना क्षेत्र के चोरेया गांव सेराहुल सिंह की केटीएम बाइक चोरी हो गई. घटना सोमवार देर रात की है. बाइक की कीमत लगभग तीन लाख रुपए है. इस मामले में राहुल सिंह ने चान्हो थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. राहुल सिंह के अनुसार वह बाइक घर के बाहर बरामदे में खड़ी करने के बाद सोने चला गया था.

बालू लदे आठ ट्रैक्टर और पांच ट्र्बो जब्त

बुढ़मू । अवैध बालू के खिलाफ खनन पदाधिकारी रांची अबू हसन ने कार्रवाई करते हुए 8 ट्रैक्टर व 5 ट्र्बो को जब्त कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है. खनन पदाधिकारी अबू हसन ने कहा कि बालू का अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगा. किसी भी हाल में अवैध खनन करने नहीं दिया जाएगा.

दो ट्रकों के बीच टक्कर एक चालक घायल

सिल्ली। रांची-पुरुलिया मुख्य मार्गपर सिल्लीडीह के कोचाजारा मोड़ के पास मंगलवार को दो ट्रकों के बीच आमने सामने टक्कर हो गई. हादसे में एक ट्रक का चालक घायल हो गया. जानकारी के अनुसार ट्रक घाघरा से धान लोडकर सिल्ली होते हुए पश्चिम बंगाल के वर्धमान जा रहा था. रास्ते में सामने से आ रहे ट्रक पश्चिम बंगाल दुर्गापुर से सिल्ली होते हुए बिलासपुर छत्तीसगढ़ जा रहा था.

56 गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व हुई जांच

इटकी। पीएमएसएमए (प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान) के तहत मंगलवार को 56 गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बेड़ो, डॉ सुमित्रा कुमारी के ने किया. जांच के बाद सभी गर्भवती महिलाओं को दवाईयां दी गई. इसके साथ ही सभी गर्भवती महिलाओं के लिए बैठने सहित नाश्ता, पानी की भी व्यवस्था की गई .

बुढ़मू में 74 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण

बुढ़मू। प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को कल्याण विभाग के मद से जीएमएस बुढ़मू और यूएमएस कोटारी के आठवीं कक्षा के 74विद्यार्थियों के बीच उपप्रमुख हरदेव साहू ने साइकिल का वितरण किया. हरदेव साहू ने कहा कि साइकिल का वितरण होने से सुदूर से पढ़ने के लिए आनेवाले विद्यार्थियों को विद्यालय आना आसान होगा.

पिपरवार में हुई मां विपततारिणी की पूजा

पिपरवार। पिपरवार में मंगलवार बचरा अशोक विहार स्थित सरस्वती मंडप में क्षेत्र के बांग्ला समुदाय के लोगों ने मां दुर्गा के विपततारिणी स्वरूप की पूजा की . पुजारी मलय चक्रवर्ती ने मां के विविध मंत्रोचार के साथ विधिवत पूजा कराई . इस मौके पर क्षेत्र के दर्जनों श्रद्धालु पूजा में शामिल हुए और मां के समक्ष प्रार्थना कर परिवार समाज और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की .

डॉ.इरफान अंसारी और दीपिका पांडे को दी बधाई

ओरमांझी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश उरांव ने हेमंत सोरेन सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री बनने पर डॉ. इरफान अंसारी एवं दीपिका पांडे सिंह को बधाई दिया है. उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक व गौरवपूर्ण क्षण है. शपथ ग्रहण से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम जनता को भी अनंत आशा है. उम्मीद है कि दोनों मंत्री अपने कार्यकलापों के जरिए न सिर्फ मंत्री पद की गरिमा में चार चांद लगाएंगे.

300 कामगारों ने वेतन बढ़ाने के लिए दिया धरना

ओरमांझी। प्रखंड की इरबा स्थित टेक्सटाइल कंपनी किशोर एक्सपोर्ट के 300 सेअधिक महिला और पुरुष कामगार मंगलवार की सुबह छह बजे काम बंद कर फैक्ट्री के मुख्य द्वार के सामने धरना पर बैठ गए. वेतन बढ़ाने सहित कई अन्य मांगों को लेकर धरना पर बैठे कामगारों से प्रबंधक ने कई चरणों में वार्ता की, इसके बाद शाम चार बजे कामगार काम पर लौट आए.

रमेश मुंडा की 16वीं पुण्यतिथि मनाई गई

बुंडू। स्व. रमेश सिंह मुंडा की 16वीं पुण्यतिथि पर मंगलवार को उनके बुंडू आवास में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई. श्रद्धांजलि सभा में रमेश मुंडा के पुत्र सह वर्तमान विधायक विकास कुमार मुंडा, विधायक की माता वसुंधरा देवी, पत्नी और अन्य परिजनों समेत कार्यकर्ताओं ने स्व. रमेश मुंडा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी.

विष्णुगढ़ में जिम्मेदार चुस्त बड़कागांव-चरही में सुस्त

संवाददाता।हजारीबाग/रांची

दो दिन पहले हजारीबाग रेंज के डीआईजी ने अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ कार्रवाई की. दो ट्रकों को जब्त किया. दोनों ट्रकों पर अवैध कोयला विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के जंगल में लोड किया गया था. कोयला साइकिल व बाइक से बोकारो जिले से लाया गया था. डीआईजी की इस कार्रवाई की तारीफ हो रही है. इसके साथ ही एक सवाल भी उठ खड़ा हुआ है. जब विष्णुगढ़ से होने वाले अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है, तो फिर चरही और बड़कागांव थाना क्षेत्र से होने वाले अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई से कौन रोक रहा है? इसपर जिम्मेदारों की चुप्पी की वजह क्या है? उल्लेखनीय है कि हजारीबाग के बड़कागांव व चरही इलाके में बड़े पैमाने पर कोयले का अवैध कारोबार चल रहा है. जिन पर कोयला चोरी रोकने की जिम्मेदारी है, वह चुप हैं. चुप्पी की वजह जग जाहिर है. रात में कोयले का अवैध उत्खनन कर जंगल में जमा किया जाता है और ट्रकों के जरिए डेहरी या बनारस की मंडियों तक पहुंचाया जाता है.

अवैध कोयला कारोबार पर दोहरा मापदंड

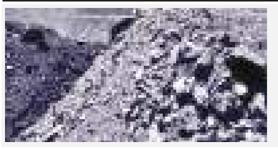

- हजारीबाग में बड़े पैमाने पर चल रहा है कोयले का अवैध कारोबार
- चरही-बड़कागांव में नहीं हो रही कार्रवाई, चुप्पी साधे हैं जिम्मेदार

बड़कागांव व केरेडारी में 25 जगहों से कोयले का अवैध खनन : हजारीबाग के बड़कागांव और केरेडारी इलाके में 25 जगहों से कोयले का अवैध खनन जारी है. बड़कागांव इलाके से कोंसी, तिलैया, सहेदा, चेलंगदाग, अंबा झरना, गोंदलपोखर, बादम, रुदी, बाबूपाड़ा, राउतपाड़ा, बलोदर, गाली, बेलवाटोगरी, चपरी, चनारो, लोहरसा, आंगो और चीरवा में कोयले का अवैध खनन हो रहा है. वहीं केरेडारी थाना क्षेत्र के कोले, डुमरी, पंडरा, विजवा, कुआकरके और कंडाबेर स्थित कोयला खदानों से कोयला तस्कर अवैध खनन कर रहे हैं. इस बार तो जिम्मेदारों ने एडवांस में ही अपनी कमाई वसूल ली है. ऐसे में सवाल भी उठ रहा है कि किसके संरक्षण में कोयले का अवैध खनन किया जा रहा है.

बड़कागांव से अवैध खनन कर बासाडीह में डंप हो रहा कोयला : बड़कागांव इलाके से हर दिन 40-50 ट्रैक्टर कोयला खनन कर निकाला जा रहा है. इसके बाद इसे ट्रैक्टर में लोड कर बासाडीह स्थित कोयला डिपो में गिराया जाता है. इसके अलावा चरही कोयला साइडिंग से भी कोयला बासाडीह के डिपो में गिराया जाता है. फिर इसे ट्रक में लोड कर मंडी में भेजा जाता है. इस तरह अवैध कोयले का कारोबार रुक-रुक कर या फिर एक-दो दिन के अंतराल में जारी है.

60 साल पुरानी बिल्डिंग का होगा जीर्णोद्धार, खुलेगा रीजनल ट्रायल यूनिट

रिम्स जीबी की बैठक में 37 प्रस्तावों पर लगी मुहर

संवाददाता।रांची

राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) में रिम्स शासी परिषद की 58वीं बैठक मंगलवार को आयोजित की गई. बैठक में 55वीं, 56वीं और 57वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के संपुष्टि भी की गई. बैठक में 37 प्रस्तावों को मंजूरी मिली. रिम्स शासी परिषद कि बैठक में कहा गया कि प्रशासनिक भवन के पहले और दूसरे तल्ले पर बड़े-बड़े हॉल का एल्यूमिनियम पार्टीशन कर एक केबिन आईसीएमआर इंटेंट (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के इंडियन क्लिनिकल ट्रायल एंड एजुकेशन नेटवर्क) को आवंटित कर दिया जाए. बैठक में रिम्स के विकास, चिकित्सकों के प्रमोशन, एमआरआई, सीटी स्कैन सहित अन्य उपकरणों की खरीददारी पर निर्णय लिए गये. इसके अलावा प्रशासनिक कार्यों के सुगम संचालन के लिए प्रशासनिक पदाधिकारियों की नियुक्ति पर भी निर्णय लिया गया. साथ ही गंभीर रूप से बीमार प्राइवेट अस्पतालों से रेफर मरीजों के भर्ती लेने की प्रक्रिया पर भी फैसला हुआ. साथ ही रांची में क्लीनिकल ट्रायल यूनिट खुलने का रास्ता साफ हो गया. रिम्स में रीजनल क्लीनिकल ट्रायल यूनिट शुरू किया जाएगा. जिससे सैंपल को टेस्टींग के लिए बाहर नहीं भेजना होगा और रिर्पाट मिलने में भी सुविधा होगी.

रिम्स में इग्नू को मिलेगी जगह : रिम्स में इग्नू को भी जगह मिल सकेगी. शासी परिषद की बैठक में इस पर भी मुहर लग गयी है. इसके अलावा पीजीडीएचएचएम समेत कई कोर्स की पढ़ाई भी संस्थान में हो सकेगी.

रिम्स शासी परिषद की बैठक में लिए गए अहम फैसले

- रिम्स के पुराने आईपीडी एवं ओपीडी भवन के जीर्णोद्धार के लिए 783 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है. इसमें रिम्स परिसर से अतिक्रमण हटाते हुए बाउंड्री वॉल का निर्माण, कोकर जाने वालों के लिए अंडरपास/ओवरपास का निर्माण, जल-प्रणाली को दुरुस्त करना, निदेशक आवास का निर्माण आदि शामिल हैं.
- केली बंगला को हेरीटेज भवन के रूप में संरक्षित रखने पर निर्णय लिया गया है. इस संबंध में दो महीने के अंदर निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी.
- एमआरआई आदि मशीनों के क्रय को नॉमिनेशन के आधार पर क्रय की स्वीकृति दी गई है. निविदाओं के सुचारू निष्पादन हेतु एक प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के गठन को स्वीकृति दी गई है.
- रिम्स में एक डायटिशियन की नियुक्ति संविदा के आधार पर की जाएगी. साथ ही एक लॉ ऑफिसर, चार हॉस्पिटल मैनेजर, एक प्रोटोकॉल ऑफिसर की भी नियुक्ति की जाएगी.
- रिम्स से सेवानिवृत्त चिकित्सकों को एक साल के अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया जाएगा. इस संबंध में उक्त चिकित्सक के स्वास्थ्य और छवि के आधार पर नियुक्ति हेतु विभाग से एनओसी प्राप्त किया जाएगा.
- रिम्स द्वारा नियुक्त चिकित्सकों को एसेसमेंट प्रोसेस सिस्टम के प्रावधान के तहत पदोन्नति दी जाएगी.
- सभी कार्यों के लिए निदेशक को 1.5 करोड़ रुपये तथा अध्यक्ष को 15 करोड़ रुपये तक का प्रशासनिक अधिकार देने पर स्वीकृति बनी है.
- अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोतर कर रहे छात्रों को 30,000 रुपये प्रति माह स्टाइपेंड दिया जाएगा.
- पीएसएम विभाग में समाज सेवक के 44 पदों के सृजन को स्वीकृति दी गई है.
- रिम्स में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का प्रस्ताव दिया गया है.

60 साल पुरानी बिल्डिंग का होगा जीर्णोद्धार

शासी परिषद की बैठक में 60 साल पुरानी बिल्डिंग का जीर्णोद्धार करने और परिसर का कायाकल्प करने पर निर्णय लिया गया. इसमें कुल 783 करोड़ की राशि खर्च होने का अनुमान है. रिम्स में 119 अनुबंधकर्मी स्टाफ परमानेंट करने पर सहमति बनी. दशहरा से पहले क्षेत्रीय नेत्र संस्थान शुरू प्रोटोकॉल ऑफिसर की नियुक्ति का फैसला लिया गया. इस दौरान क्षेत्रीय नेत्र संस्थान शुरू किया जाएगा. इसके लिए 5 प्रोटोकॉल ऑफिसर की नियुक्ति का भी फैसला लिया गया. एमआरआई मशीन की खरीदारी में सिंगल टेंडर के आड़े आने वाली समस्या को दूर कर रिपीट ऑर्डर पर मशीन खरीदने समेत कई प्रस्तावों पर मुहर लगी. स्वास्थ्य मंत्री को 15 करोड़ की वित्तिय शक्ति और रिम्स डायरेक्टर को डेढ़ करोड़ की वित्तीय शक्ति प्रदान करने का फैसला लिया गया. इसके अलावा चिकित्सकों को प्रोमोशन देने का भी निर्णय लिया गया.

बैठक में ये लोग थे शामिल

रिम्स शासी परिषद की बैठक कि अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने की. बैठक में परिषद के सदस्य रांची के सांसद सह रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, कांके के विधायक समरी लाल, रिम्स के निदेशक डॉ राज कुमार, रिनपास के डायरेक्टर, रांची विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर, स्वास्थ्य विभाग के वरीय पदाधिकारी शामिल हुए. वहीं, एम्स के डायरेक्टर इस मीटिंग में ऑनलाइन जुड़े थे.

झारखंड राजमार्ग प्राधिकार बनाएगा हरमू फ्लाईओवर, मिला जिम्मा

रांची। कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद हरमू फ्लाईओवर निर्माण की प्रक्रिया तेज हो गयी है. इसका निर्माण का जिम्मा झारखंड राज्य राजमार्ग प्राधिकार को सौंपा गया है. जल्द ही इसके निर्माण के लिए भू-अर्जन और टेंडर की प्रकिया तय की जाएगी. इसके साथ ही इसके निर्माण का टाइम फ्रेम भी तय कर दिया गया है. वित्तीय वर्ष 2025-26 तक इसका काम कम से कम 40 फीसदी पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है. यह पूरी योजना कुल 430.75 करोड़ की है, जिसमें चालू वित्तीय वर्ष में 260 करोड़ खर्च करने का लक्ष्य तय किया गया है. जिसमें भू-अर्जन की भी राशि शामिल है. रांची कार्यपालक अभियंता और अधीक्षण अभियंता को मॉनिटरिंग की जिम्मेवारी दी गयी है. मालूम हो कि पथ निर्माण विभाग सहजानंद चौक से कांके रोड जज कॉलानी से 3 किमी फोन लेन फ्लाईओवर करने का निर्णय लिया है. जिसे 28 जून को चंपाई सोरेन की कैबिनेट की बैठक में मंजूरी प्रदान की गयी. पथ निर्माण विभाग ने डीपीआर के अनुसार करने से पहले आईआईटी या एनआईटी से सर्वे कराके मंजूरी लेने को कहा है. ताकि भविष्य में कोई तकनीकी समस्या नहीं आए.

सोनू की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के पांचा पंचायत के क्रिकेट खिलाड़ी सोनू को पहला पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया गया.मंगलवार को पांचा गांव में उनके आवास पर माता देवन्ती देवी पिता दिलीप महतो एंव परिवार के द्वारा क्रिकेट खिलाड़ी अंकुश कुमार उर्फ सोनू की पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई. सोनू के तैलचित्र पर फूल माला अर्पित कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया. मुखिया सुफल महली ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सोनू प्रखण्ड के एक महान खिलाड़ी थे. उन्होंने प्रखंड में क्रिकेट खेल को एक नई मुकाम पर पहुंचाया था.

पत्नी को छेड़ने पर पूर्व सैनिक को आया गुस्सा, कर दी हत्या

घटना स्थल के पास जुटी ग्रामीणों की भीड़.

संवाददाता।पिस्कानगड़ी

पत्नी को छेड़ने पर एक पूर्व सैनिक को गुस्साआया, उसने कैलाश नामक मजदूर की पीट-पीट कर हत्या दी. इसके बाद शव को पत्नी के सहयोग से घर के पास खेत में फेंक आया. पिस्कानगड़ी थाना क्षेत्र के बलालौंगलौं पतराटोली गांव की है. हत्या के आरोप में पुलिस ने दपंती को गिरफ़्तार किया है. पुलिस ने जब किनू से पूछताछ की तो उसने कैलाश की हत्या की बात स्वीकार की. किनू ने पुलिस को बताया कि गांव का कैलाश यादव रोकने के बाद भी अक्सर उसके घर पहुंच जाता था. सोमवार की रात नशे की हालत में घर पहुंचकर पत्नी से छेड़खानी करने लगा, रोकने पर मारपीट करने लगा. गुस्से में उसने कैलाश की पिटाई कर दी.जिससे वह बेहोश हो गया. जब वह नहीं उठा तो उसके शव को पत्नी की मदद से घर के पास स्थित खेत में ले जाकर फेंक दिया. मंगलवार की सुबह पतराटोली गांव के पास खेत में 46 वर्षीय मजदूर कैलाश यादव का शव देखने पर ग्रामीणों ने इसकी सूचना नगड़ी थाने को दी गई.

पीट-पीट कर हत्या करने के दो आरोपी गिरफ्तार

रांची। टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के महिलौंग में बकरी चोरी के आरोप में अख्तर अंसारी की पीट-पीट कर हत्या करने के मुख्य आरोपी वेद व्यास महतो और अजित कुमार महतो कोपुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. दोनों की निशानदेही पर हत्या में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है.एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को धर दबोचा. ज्ञात हो कि रविवार को पिठोरिया के रहने वाले अख्तर अंसारी का शव टाटीसिलवे के महिलौग से बरामद किया गया था. अख्तर के परिजनों का आरोप था ग्रामीणों ने बकरी चोरी का आरोप लगा उसकी पिटाई की थी. वहीं अख्तर के भतीजे इरशाद ने बताया कि देर रात किसी व्यक्ति ने फोन कर बताया गया कि उसके चाचा के साथ बुरी तरह से मारपीट की जा रही है.मामले की जानकारी मिलने के बाद उसने नामकुम पुलिस से संपर्क किया, तो बताया गया कि मामला टाटीसिलवे का है.

36 सचिवालय सहायकों का तबादला

रांची। झारखंड सचिवालय लिपिकीय सेवा के 36 वरीय एवं कनीय सचिवालय सहायकों का तबादला किया गया है. इसको लेकर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है.

नाम	कहां थे	कहां गए
जयशंकर झा	मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी	महिला बाल विकास विभाग
कुंदन कुमार	मंत्रिमंडल निर्वाचन	स्वास्थ्य विभाग
भोला पासवान	कार्मिक	विधि विभाग
राकेश कुमार	कार्मिक	कृषि विभाग
विकास कुमार	कार्मिक	पथ निर्माण
मो अख्तर हुसैन अंसारी	कार्मिक	गृह
कमलेश नायक	कार्मिक	आदिवासी कल्याण आयुक्त
प्रशांत पॉल	गृह	स्कूली शिक्षा
मो आरिफ हुसैन	वित्त	कार्मिक
जग्गु कच्छप	पथ निर्माण	कार्मिक
विनय कुमार	विधि विभाग	गृह
नवीता कुमारी	विधि	कार्मिक
नीरज कुमार	वन पर्यावरण	मंत्रिमंडल निगरानी
दर्नादन महतो	महिला बाल विकास	वन पर्यावरण
नमित कमार केशरी	जल संसाधन	आयुक्त कार्यालय दुमका
पवन गुप्ता	कृषि	वाणिज्य कर
सुधीर उरांव	कृषि	गृह
अमरनाथ पांडेय	उद्योग विभाग	पेयजल विभाग
उर्वसी कुमारी पटेल	सूचना आयोग	जल संसाधन
साहिल भारती	वाणिज्य कर	वित्त
संजय टोप्पो	गृह	कृषि
अजय कुमार	गृह	विधि विभाग
विनीता कुमारी	कार्मिक	जल संसाधन
शोभा कुमारी	कार्मिक	वित्त
अलका रंजन	गृह	मंत्रिमंडल सचिवालय
रीना	प्रमंडलीय आयुक्त रांची कार्यालय	खान विभाग
बेनदिक टोप्पो	आयुक्त कार्यालय उत्तरी छोटानागपुर कार्यालय	पुलिस उपनिरीक्षक कार्यालय हजारीबाग
सुशांत	स्वास्थ्य विभाग	कार्मिक
कनक कुमार द्विवेदी	स्कूली शिक्षा	पेयजल विभाग
प्रियंबद कुमार मिश्र	पेयजल विभाग	आयुक्त कार्यालय रांची कार्यालय
गौरव कुमार गौतम	मुख्य अभियंता कार्यालय आदित्यपुर	चांडिल
ज्ञान प्रकाश सिंह	जल संसाधन	उद्योग विभाग
चंदन कुमार	जल संसाधन	कृषि
आदित्य राज	कृषि	जल संसाधन
सूर्य दीपिका कनोजिया	उद्योग विभाग	परिवहन विभाग
रोहित कुमार	परिवहन विभाग	मंत्रिमंडल निर्वाचन

निरीक्षण ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के सचिव ने किया बेड़ो प्रखंड का भ्रमण

बेड़ो में किसान आत्मनिर्भर होते नजर आ रहे है: सिंह

संवाददाता।बेड़ो

ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के सचिव शैलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को रांची जिला स्थित बेड़ो प्रखंड के ईटा पंचायत का क्षेत्र भ्रमण किया गया. भ्रमण के दौरान विभिन्न योजनाओं के निरीक्षण के साथ-साथ कई लोगों से बातचीत की गई. मौके पर ईटाचिल्दरी गांव में लगे 39 एकड़ जमीन पर आम बागबानी एवं मनरेगा पार्क का निरीक्षण किया गया साथ ही लाभुकों से बात कर सचिव भारत सरकार शैलेश कुमार सिंह के अतिरिक्त ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार के सचिव के श्रीनिवासन, जेएसएलपीएस झारखंड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी संदीप सिंह और उप विकास आयुक्त रांची दिनेश कुमार यादव ने खुशी का इजहार किया. इस अवसर पर लाभुकों के द्वारा बताया गया कि तत्कालीन बीडीओ विजय कुमार सोनी के कार्यकाल में लगाए गए आम बागबानी से प्रत्येक वर्ष 50 से 60 हजार रुपए अर्जित हो जाते हैं. साथ ही विधिवत रूप से लगे पौधों के कारण उक्त भूमि पर खेती का कार्य भी हो जाता है. मनरेगा के तहत मिले कूपों के कारण सिंचाई की पर्याप्त सुविधा मुहिया हो जाती है जिससे प्रत्येक वर्ष बागबानी के साथ-साथ 2 से 3 फसल की खेती का भी लाभ प्राप्त हो जाता है. प्रखंड और पंचायत से मिलने वाली सुविधाओं के कारण जीवन स्तर में भी हम किसानों का सुधार आ रहा है. क्षेत्र भ्रमण के दौरान ईटाचिल्दरी में बनाए गए मनरेगा पार्क का भी निरीक्षण किया गया. मौके पर ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के सचिव शैलेश कुमार सिंह ने पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा के कार्यों की प्रशंसा की कहा कि रांची जिला के बेड़ो प्रखंड की धरती पर ग्रामीण विकास की ऐसी तस्वीरें दिखाई पड़ती है जहां किसान आत्मनिर्भर होते नजर आते हैं. ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा ग्रामीणों को मिलने वाले लाभ से किसानों के जीवन स्तर पर सुधार आ रहा है. साथ ही दूर दराज के किसानों की जिंदगी में विकास की सौगातें मिल रही हैं. इससे पूर्व अतिथियों के आगमन पर स्थानीय जेएसएलपीएस की महिलाओं द्वारा झारखंड की परंपरा के अनुसार शानदार स्वागत किया गया. मांदर की थाप पर नृत्य करती हुई स्थानीय महिलाओं की जुबान पर पारंपरिक स्वागत गीत फिजा में रस घोल रहे थे.

विकास योजनाओं का निरीक्षण करने पहुंचे ग्रामीण विकास विभाग के सचिव सहित अन्य.

न्यूज अपडेट

इनोवेशन काउंसिल की पहली बैठक संपन्न

ओरमांझी। आरटीसी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी आनंदी ओरमांझी में मंगलवार को "इनोवेशन काउंसिल" की पहली बैठक आयोजित की गई. बैठक में संस्थान के आंतरिक और बाहरी सभी सदस्य उपस्थित थे. बैठक की अध्यक्षता संस्थान के प्राचार्य डॉ.एन. हरि बाबू ने किया. वहीं आईआईसी के अध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार, उपाध्यक्ष प्रिय रंजन सहित परिषद के अन्य सदस्य तथा विद्यार्थी सदस्य भी प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

सिल्ली मुरी में मां विपततारिणी की पूजा की गई

सिल्ली/मुरी। सिल्ली मुरी में मंगलवार के दिन मां दुर्गा स्वरूप विपततारिणी की पूजा हर्षोल्लास के साथ की गई. इस मौके पर पुरोहित दिनेश बनर्जी ने व्रतियों को विधिवत पूजा कराया गया. पूजा में महिलाओं ने उपवास रखकर मां की पूजा अर्चना की तथा कथा श्रवण किया. इसके बाद हवन किया गया. व्रतियों के द्वारा अपने पति एवं संतान की दीर्घायु हेतु मां से प्रार्थना की.

विपततारिणी पूजा में उमड़ी महिलाओं की भीड़

बुंडू । बुंडू चौकबाजार स्थित काली मंदिर में मंगलवार को विपततारिणी पूजा को लेकर महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी. पूजा के दौरान महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर सौभाग्यवती होने का गौरव प्राप्त किया. इस वर्ष चौक बाजार काली मंदिर में उपासकों के लिए एक हजार भगवान का प्रसाद की थैली बनायी गयी है. जिन्हें भक्तों के बीच वितरण किया गया.

आरोग्य अमृततुल्य चाय दुकान का उद्घाटन सदर ने किया

ओरमांझी। मेदांता हॉस्पिटल के समीप आरोग्य अमृततुल्य चाय की दुकान का उद्घाटन पूर्व पंसस सह ईरबा अंजुमन कमेटी के सदर इम्तियाज ओहदार ने किया . इस अवसर पर झामुमो युवा प्रखंड अध्यक्ष साकिर अंसारी, समाजसेवी सत्तार अंसारी, मुस्तफा अंसारी, साजिद कौसर,नईम, शकील,जमील अहमद संचालक आफताब आलम उर्फ मंटू सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

सरना मुंडा समाज में दो बच्चों को किया आर्थिक सहयोग

नामकुम। प्रखंड के सिलवे पंचायत अंतर्गत उलातु गांव में अमित मुंडा व अमृता मुंडा दोनों भाई -बहन बच्चों को सरना मुंडा समाज की ओर से आर्थिक सहयोग किया. सरना मुंडा सामाज दोनों की स्थितियों का जायजा लिया व आगे भी हर तरह की सहयोग देने का वादा किया. समाज सदस्य बिरसा पाहन, किरण संगा,अरुण पाहन, अनिल मुंडा, दुर्गा कोरियार, टाटी मुखिया कृष्णा पाहन मौजूद थे . इस मौके पर किरण सांगा व अरुण कोरिया ने बताया कि दोनों की मां छोड़कर चली गई, जिसके बाद से दोनों भाई बहन को कोई देखने वाला नहीं है. उसे देखते हुए सरना मुंडा समाज की ओर से सहयोग की जाएगी .

विधायक ने अधिकारियों को दिए कई निर्देश

राहे। विधायक सुदेश महतो मंगलवार को राहे प्रखंड सभागार में प्रखंड के अधिकारियों से बैठक कर योजना की समीक्षा की. हर योजना की क्रियान्वयन की जानकारी लिए. योजनाओं के निष्पादन में हो रहे समस्याओं से अवगत हुए. मौके पर बीडीओ मनोज महथा,प्रभारी संजय सिद्धार्थ, बबलू खान, रंग बहादुर महतो, सांसद प्रतिनिधि चितरंजन महतो,मीरा महतो, किरीटी महतो, मुखिया कृष्णा पातर आदि शामिल थे.

बेड़ो में बस पलटने से एक दर्जन यात्री घायल

बेड़ो । बेडो थाना क्षेत्र के पावर ग्रिड के समीप रांची गुमला मुख्य मार्ग पर मंगलवार दोपहर डुमरी से रांची जा रही तेज रफ्तार अमर नामक यात्री बस पलट गयी. बस पलटने से उसमे सवार 13 यात्री घायल हो गये. घायलों में तीन यात्रियों की दशा गंभीर बनी हुई है. बताया जाता है किबेडो थाना क्षेत्र के पावर ग्रिड के समीप एक राहगीर को बचाने के दौरान चालक का बस से नियंत्रण खो जाने के कारण सड़क पर ही बस पलट गई.

भ्रष्टाचार के खिलाफ आजसू ने किया हल्ला बोल प्रदर्शन

नामकुम। आजसू पार्टी ने मंगलवार को प्रखंड कार्यालय के समक्ष भ्रष्टाचार के खिलाफ हल्ला बोल धरना प्रदर्शन किया. हल्ला बोल प्रदर्शन का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष रतनलाल होंडा ने की . संचालन प्रखंड सचिव-धर्मेंद्र सिंह ने किया. मौके पर केंद्रीय सदस्य राजू नायक,जिला सचिव कुदरत शेख,प्रदीप जायसवाल,राजू उराँव, सुरेंद्र महतो आदि शामिल थे.

ग्रामीणों ने एसटीएससी थाना किया घेराव

इटकी। झूठ की बुनियाद पर आदिवासी हरिजन थाना में केश करने के विरोध में मंगलवार को इटकी के ग्रामीणों ने केंद्रीय सरना समिति रांची के अध्यक्ष अजय तिर्की के अगुवाई में एसटीएससी थाना का घेराव किया. मौके पर अजय तिर्की ने कहा कि झारखंड में आदिवासी महिला से गैर आदिवासी के साथ शादी के बाद आदिवासी जमीन को हथियाने की जो प्रवृति चल रही वह आदिवासियों के अस्तित्व को समाप्त करने जैसा.

छात्रवृत्ति वितरण 14 को व20 को मेडिकल कैंप

ओरमांझी। फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में हाजी एहसान अंसारी मेमोरियल छात्रवृति योजना में पारामेडिकल के बीएमएलटी, डीएमएलटी, ओटी, ईसीजी,ओफ्थाल्मिक,क्रिटिकल केयर (आईसीयू), रेडियो इमेजिंग, एनेस्थीसिया एवं ड्रेसर के पाठ्यक्रम तथा फार्मेसी के बी फार्म एवं डी फार्म के पाठ्यक्रम में छात्रों को संस्थान की ओर से छात्रवृति देकर पढ़ाया जायेगा. वहीं 20 जुलाई को निःशुल्क मेडिकल हेल्थ कैम्प लगाया जायेगा.

टॉपर कमलेश महतो सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं सम्मानित

लापुंग। मैट्रिक व इंटर में अव्वल आये छात्र छात्राओं के लिए भव्य मेधा विद्यार्थी सम्मान समारोह 2024 का आयोजन किया. बतौर मुख्य अतिथि विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने टॉपर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, बीडीओ उषा मिंज, सीओ पंकज कुमार तथा बीपीओ शांति मुनी तिर्की ने संयुक्त रूप दीप प्रज्वलित कर किया.

चुनाव पैकेज की मांग को ले संयुक्त मोर्चा ने प्रबधंन से की वार्ता

पिपरवार । लोकसभा चुनाव डयूटी में शामिल सीसीएल कर्मियों को चुनाव पैकेज देने की मांग को लेकर संयुक्त मोर्चा प्रतिनिधिमंडल ने पिपरवार क्षेत्रीय प्रबधंन के साथ वार्ता की. संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने पिपरवार क्षेत्र के कार्मिक एंव प्रशासनिक अधिकारी नागेश गोपालन से मुलाकात किया. इस दौरान संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधियों ने कहा कि पिपरवार क्षेत्र से जब भी सीसीएल कर्मचारी चुनाव डयूटी पर गया तो कर्मियों को चुनाव अग्रिम विशेष पैकेज दिया गया. .इस मौके पर मोहम्मद अब्दुल्ला,कयूम अंसारी,मनोज गुप्ता,डीएन महतो,सैयद अरमान,जुबेर आलम,रामनाथ महतो, मोहम्मद जैनुल सहित विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे .

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष पंचम चंद्र है. गलत दोस्त से बचना चाहिए. विद्यार्थी वर्ग शोध कार्य व शैक्षणिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा.

वृषभ क्रोध में वृद्धि होगी. साथ ही कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करने पड़ेंगे. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा. आय होगी.

मिथुन भाई-बहन से मुलाकात होगा समय उत्तम है. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. कार्य में लाभ होगा. बस भरपूर प्रयास करें.

कर्क आंख में कोई समस्या हो तो समाप्त हो सकती है. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

सिंह समय बहुत ही उत्तम है पर क्रोध से बचें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है. सूर्य को जल दें.

कन्या नेत्र विकार से बचना चाहिए. कर्ज लेना पड़ सकता है. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

तुला नए कार्य को लेकर लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. आपके कार्य और प्रभाव से कारोबार में वृद्धि होगी. जल्दबाजी न करें. इतर का दान करें.

वृश्चिक कोई मानसिक पीड़ा हो सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

धनु किसी महिला मित्र से विवाद हो सकता है. अनहोनी की आशंका रह सकती है. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर बेकार के बहस से बचना चाहिए. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी.

कुंभ जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का मौका मिलेगा. व्यापार में लाभ का योग है. दांपत्य जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. लाभ होगा.

मीन धन का आगमन होग पर मौसमी बीमारियों से बचना चाहिए. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. पीली वस्तु का दान करें.

चौकीदार पद पर एससी को आरक्षण देने के लिए उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा

पलामू । बीर बाबा चौहरमल कल्याण समिति की ओर से चौकीदार पद पर अनुसूचित जाति को आरक्षण देने की मांग को लेकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया. इसका नेतृत्व समिति के पलामू जिलाध्यक्ष संदीप पासवान ने किया. उनके साथ गढ़वा जिलाध्यक्ष चंदन पासवान, रामजी पासवान, संजय पासवान, दशरथ पासवान, रामचन्द्र पासवान एवं मिथिलेश पासवान थे. समिति की ओर से बताया गया है कि पलामू जिला प्रशासन की ओर से जिले में 155 चौकीदारों की बहाली के लिए वेकैंसी निकाली गयी है. जिसमें अनुसूचित जाति के आरक्षण को शून्य कर दिया गया है. रोस्टर में बदलाव कर अनुसूचित जाति वर्ग को आरक्षण दिया जाए. इस निर्णय से अनुसूचित जाति वर्ग में असंतोष की भावना बनी हुई है और लोग भविष्य को लेकर चिंतित हैं. अनुसूचित जाति को जनसंख्या के आधार पर उनका जो भी संवैधानिक आरक्षण है, उसे दिलाने का कार्य करें.

कोडरमा के चंदवारा में तालाब में डूबे तीनों लड़कों के शव मिले

कोडरमा । कोडरमा के चंदवारा थाना क्षेत्र के पुरनाथाम में पानी में डूबे तीनों लड़कों के शवों को अंत्यपरीक्षण के बाद मंगलवार को उनके परिजनों को सौंप दिया गया. तीनों गांव के ही एक तालाब में नहाने गए थे. घटना सोमवार की है. देर रात दो शव निकाल लिए गए थे, जबकि एक शव मंगलवार की सुबह निकाला गया. मृतकों की पहचान सोहेल अंसारी (19), शाहबाज अंसारी (12) और अरबाज अंसारी (12) के रूप में हुई है. घटना के बाबत चंदवारा थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि सभी लड़के अपने घर के पास स्थित एक तालाब में सोमवार को नहाने के लिए गये थे. इसी दौरान यह हादसा हुआ. जब देर शाम तक सभी घर नहीं लौटे तो परिवार के सदस्यों ने चिंता व्यक्त की. इसके बाद वह तालाब के आसपास के इलाकों में छानबीन की लेकिन तीनों का कहीं पता नहीं चला. सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तालाब में उनकी तलाश शुरू की. घंटों खोजबीन के बाद रात में दो शवों की बरामदगी हो गयी जबकि रात हो जाने के कारण एक का शव बरामद नहीं हो सका.

रेलवे ने सुरक्षा के मद्देनजर रेल पुलियों पर नदियों के जलस्तर की निगरानी शुरू की

दामोदर नदी पर लगा वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम

संवाददाता । रामगढ़

भारतीय रेल सुरक्षित एवं संरक्षित परिचालन के लिए प्रतिबद्ध है. पूरे देश में भारी बारिश के दौरान नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है. उसमें पुल भी धराशाई हो रहे हैं. सुरक्षा के दृष्टिकोण से रेलवे ने भी पुलियों पर नदियों के जलस्तर के निगरानी करनी शुरू कर दी है. धनबाद मंडल अंतर्गत दामोदर नदी पर भी वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगा दिया गया है. मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि धनबाद मंडल में चंद्रपुरा-बोकारो स्टील सिटी के मध्य दामोदर नदी पर पुल संख्या 08, गुरपा-पहाड़पुर के मध्य ढाढर नदी पर पुल संख्या 345, बरकाकाना-गढ़वा रोड के मध्य अमानत नदी पर पुल संख्या 253डीएन, गढ़वा

रोड-चोपन के मध्य कोयल नदी पर पुल संख्या 2 पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया गया है. इसके अलावा कन्हार नदी पर बने पुल संख्या 173 एवं चोपन-सिंगरौली के मध्य रिहन्द नदी पर पुल संख्या 7 एवं कोडरमा-हजारीबाग टाउन रेलखंड के मध्य तिलैया डैम पर बने पुल सं.-31 सहित कुल 7 रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं.

बरसात के इस मौसम में महत्वपूर्ण पुलों पर नदियों का जलस्तर की निगरानी के लिए गंगा, कोसी, बुढ़ी गंडक, बागमती, करेह, कमला, कुशहा, किउल, सोन, पुनपुन, कर्मनाशा, सकरी, कर्मनाशा, दामोदर, कोयल, रिहंद नदियों एवं तिलैया डैम पर बने रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं. इस सिस्टम से जलस्तर की जानकारी आटोमेटेड एसएमएस के माध्यम से संबंधित अधिकारी को प्राप्त होती है.

आधुनिक वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम के लग जाने से नदियों पर बने रेल पुलों पर वाटर लेवल की सूचना मिलना आसान हो गया है. इस सिस्टम में सोलर पैनल से जुड़ा एक सेंसर होता है, जिसमें एक चिप भी लगी होती है. यह सेंसर ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम से जुड़ा होता है. प्रतिदिन नियमित अंतराल पर नदियों के जलस्तर की जानकारी संबंधित अधिकारियों के मोबाइल नंबर पर एस.एम.एस. के माध्यम से मिल जाती है. फलस्वरूप समय पर नदी के जल स्तर की सूचना मिलने से त्वरित कार्यवाही कर रेलपथ को संरक्षित करना आसान हो जाता है.

मानसून के दौरान नदियों के जलस्तर की निगरानी हेतु पूर्व मध्य रेल के विभिन्न खण्डों पर स्थित कुल 57 महत्वपूर्ण रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं.

होमगार्ड के घर से पांच लाख के जेवर और नकदी की चोरी

संवाददाता । हजारीबाग

बड़कागांव थाना क्षेत्र के हरली बेला बेलतौल निवासी होमगार्ड के जवान विजय कुमार पांडेय के घर से सोमवार रात करीब पांच लाख रुपए के जेवर, 1.15 लाख रुपए कैश और जमीन के कागजात की चोरी हो गयी है. इस संबंध में होमगार्ड के जवान विजय कुमार पांडेय के पुत्र विवेक कुमार पांडेय के आवेदन पर बड़कागांव थाने में मंगलवार को मामला (कांड संख्या 184/24) दर्ज किया गया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

दर्ज मामले के अनुसार सोने की मांगटीका, नथिया, गले के हार, कान की बाली, कंगन, टॉप्स, चांदी का पायल, बिछिया, कमरधनी सहित लगभग पांच लाख के

जेवरात, 1.15 लाख नगद, एक मोबाइल, करीब 30 हजार रुपए के पीतल के बर्तन और जमीन संबंधित कागजात समेत अन्य की चोरी हो गयी है. होमगार्ड का परिवार हजारीबाग में रहता है. गांव के घर में ताले लगे थे.

देश के 15 करोड़ आदिवासियों को एकजुट होने की जरूरत, राजकुमार बोले

रिजर्व सीट से बनते हैं सांसद-विधायक लेकिन आदिवासी मुद्दों पर चुप्पी साध लेते हैं

बसंत मुंडा । रांची

संवैधानिक लड़ाई लड़ते हुए आदिवासियों को एकजुट होना होगा. आज राष्ट्रीय पार्टी ने गांव-गांव को अलग कर दिया है. भगवान बिरसा मुंडा की तर्ज पर झारखंड में लड़ाई शुरू करनी है. इसके लिए झारखंड के लोगों को एकजुट होना होगा. देशभर में आदिवासियों की आबादी लगभग 15 करोड़ है. सभी आदिवासियों का मुद्दा एक ही है. लड़ाई भी एक जैसी ही है. लेकिन आज आदिवासी अलग-अलग होकर लड़ाई लड़ रहे हैं. यह बातें राजस्थान के संसद राजकुमार रौत ने पुराने विधानसभा परिसर में कहीं.वे विभिन्न आदिवासी संगठनों से जुड़े लोगों के भारत आदिवासी पार्टी में शामिल होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासी रिजर्व सीट से भी सांसद और विधायक बन रहे हैं. आदिवासी शहीदों के नाम पर वोट मांग रहे हैं. लेकिन शहीदों के परिवार की स्थिति दयनीय है. लेकिन आज आदिवासियों के मुद्दे पर सभी चुप हैं. अब ऐसे जनप्रतिनिधियों को पहचानना होगा. मौके पर आदिवासी जनपरिषद के अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा, अखिल भारत आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष कुदरसी मुंडा, लोहरा समाज के कार्यकारी अध्यक्ष अभय भुटकुंवर, भारत मुंडा समाज के अध्यक्ष सुनील सिंह मुंडा, आदिवासी सेना के अध्यक्ष अजय कच्छप, कुलभूषण डुंगडुंग, सुरेंद्र लिंडा, श्यामलाल पाहन समेत दर्जनों आदिवासी जनप्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी बात रखी.

डिलिस्टिंग के नाम पर आदिवासियों को लड़ाया जा रहा है : वन्य संरक्षण कानून, वन्य जीव अधिनियम लागू कर देश भर में जंगल में रहनेवाले आदिवासियों को जंगल से बेदखल किया जा रहा है. पांचवी और छठी अनूसूची वाले

क्षेत्र को खत्म कर दिया गया है. अब देश के आदिवासियों के आरक्षण को भी खत्म करने का प्रयास कर किया जा रहा है. आदिवासी रिजर्व सीट को गैर आदिवासियों से भरा जा रहा है. आरएसएस आदिवासियों को बांटने का प्रयास कर रही है. डिलिस्टिंग के नाम पर आदिवासियों को आपस में लड़ाया जा रहा है.

आरक्षण पर कुठारघात हमला किया जा रहा है : वक्ताओं ने कहा कि अदिवासी बहुल क्षेत्रों को नगर निगम में लाया जा रहा है. ऐसे क्षेत्रों से आदिवासियों की ग्रामसभा की शक्ति को खत्म किया गया है. फॉरेस्ट एक्ट के माध्यम से देश के 23 लाख आदिवासियों को वन पट्टा दिया गया है, जबकि देश के 15 करोड़ आदिवासी बिना वन पटटा के ही वन क्षेत्र में रह रहे हैं. आरक्षण पर कुठारघात किया जा रहा है.पिछले पांच सालों में देश की सेवा में गैर आदिवासियों को संयुक्त सचिव बना दिया है.इन सभी क्षेत्रो में आदिवासी सीट ही हटा दिया है.

देश आजाद होते ही धर्म कॉलम को हटा दिया गया : डॉ जितेंद्र भील

भारत आदिवासी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ जितेंद्र भील ने कहा कि देश की आजादी के 75 साल बाद भारत आदिवासी पार्टी देश के आदिवासी समाज को एकजुट करने के लिए आया है. हमारे पूर्वज भाषा, संस्कृति, परंपरा, व्यवस्था को बचाने के लिए लड़ते आये हैं. जल ,जंगल और जमीन की लड़ाई लड़ते-लड़ते हमारे पूर्वज शहीद हो गये. अब हमसब को मिलजुल कर आदिवासियों के अस्तित्व को बचाने के लिए लड़ाई लड़ने की जरूरत है.आजादी से पहले देश में आदिवासियों के जनगणना परिपत्र में अलग धर्म कॉलम था, लेकिन देश आजाद होते ही धर्म कॉलम को हटा दिया गया.

आदिवासियों का धर्म कॉलम वापस लाने की जरूरत : रोज

भारत आदिवासी पार्टी के संस्थापक कांति भाई रोज ने कहा कि देश मे काला कानून लाने का प्रयास हो रहा है. आदिवासियों की रुढ़ीवादी परंपरा को बचाने की जरूरत है.देश में दर्जन भर से ज्यादा आईआईएम संस्थान हैं, जिनमें सैंकड़ो लोगों को प्रोफेसर बनाया गया है. लेकिन आज इन संस्थानों में आदिवासियों को प्रोफेसर नहीं बनाया गया है. आदिवासियों के अलग धर्म कॉलम को वापस लाने के लिए एकजुट होना होगा.

आदिवासियों की ग्राम सभा की शक्तियों को खत्म कर दिया : भील

राजस्थान के बगोदरा विधानसभा के विधायक जयकृष्ण भील ने कहा कि देश में आदिवासियों के लिए अलग कानून बना है. देश में आदिवासियों को भू संपदा , पेसा कानून, समता जजमेंट, सीएनटी एक्ट, पांचवी अनूसूची, ग्राम सभा की ताकत दी गयी है, लेकिन झारखंड में आजतक इन सबको लागू नहीं किया जा सका है. ग्राम सभा की सारी शक्तियों को ही खत्म कर दिया गया है. अब ये सारी बातें केवल सरकारी दस्तावेज में रह गयी हैं. अब समय आ गया है कि देश देश के आदिवासियों के हक व अधिकार की लड़ाई लड़ी जाए.

हिदायतुल्लाह खान ने कहा-मॉब लिंचिंग के दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

- अख्तर अंसारी के परिजनों से मिली अल्पसंख्यक आयोग की टीम

संवाददाता । रांची

झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग की टीम अध्यक्ष हाजी हिदायतुल्लाह खान की अगुवाई में रांची जिला के पिठोरिया थाना क्षेत्र के काटमकुली गांव पहुंची. आयोग की टीम ने यहां मॉब लिंचिंग में जान गंवाये अख्तर अंसारी के घर जाकर परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी हासिल की. टीम ने मृतक के परिजनों को भरोसा दिलाया कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार में किसी के साथ भी नाइंसाफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. जो भी इस घटना में दोषी होंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा.

दोषियों को हर हाल में कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी. अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने कहा कि मामले को लेकर लगातार पुलिस-प्रशासन के संपर्क में हैं और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के साथ-साथ मृतक के आश्रितों को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए प्रयासरत हैं. कहा किमॉब लिंचिंग की घटना समाज में अति निंदनीय है और इसकी जितनी भी निंदा की जाए, वो कम है. आयोग की टीम ने कहा कि किसी भी समूह को कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार हमारा संविधान नहीं देता है. अध्यक्ष के साथ आयोग के सदस्य बरकत अली भी शामिल थे.ज्ञात हो कि काटमकुली गांव के युवक अख्तर अंसारी की छह जुलाई की रात नामकुम - टाटीसिलवे थाना क्षेत्र में भीड़ द्वारा हत्या कर दी गई थी.

दो सगे भाइयों के घर चोरी 2.5 लाख की संपत्ति गायब

संवाददाता । पलामू

जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के गमहरिया में चोरों ने दो सगे भाइयों के घर का ताला तोड़ कर 25 हजार नकदी समेत करीब 2.5 लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर ली. गम्हरिया निवासी संजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को हुसैनाबाद थाना को लिखित आवेदन दिया है. आवेदन में कहा है कि उनके बड़े भाई रविंद्र कुमार सिन्हा अपने पुत्र के पास दिल्ली गए हुए हैं. वह भी घर पर नहीं थे. जब वह घर आए तो पता लगा कि दोनों भाईयों के घर के दरवाजे के ताला टूटे हुए हैं. घर में जाने पर पता लगा कि 25-30 हजार रुपये के अलावा सोना का मंगल सूत्र, छह सोने की अंगूठी, फूल और पीतल का बर्तन के अलावा दो अटैची गायब है. घर के सभी समान बिखरे पड़े हैं. उन्होंने नकदी समेत 2.5 लाख रुपये की संपत्ति चोरी होने की बात आवेदन में कही है. हुसैनाबाद पुलिस घटना की जांच-पड़ताल कर रही है.

डीडीसी ने की मनरेगा योजना की समीक्षा बैठक

संवाददाता । हजारीबाग

उप विकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में मंगलवार को मनरेगा योजना की समीक्षात्मक बैठक परियोजना पदाधिकारी और सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों के साथ कार्यालय कक्ष में हुई. बैठक में लक्ष्य के अनुरूप मानव दिवस सृजन, प्रति गांव पांच योजना का क्रियान्वयन, वीर शहीद पोटो हो खेल मैदान योजना को लक्ष्य के अनुसार लेने का निर्देश,बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, अबुआ आवास में मानव दिवस सृजन करने, बिरसा हरित ग्राम योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 में चयनित भूमि में पीट कार्य करने, एरिया ऑफिसर एप्प, एनएमएमएस,डीबीटी आदि कार्यों में प्रगति लाने का निर्देश दिया गया. उन्होंने मनरेगा के अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत अब तक जिले में कार्यान्वित की गई प्रगति की समीक्षा की. उप विकास आयुक्त ने कहा कि आमजनों के हित के लिए संचालित इन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर सफल बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य है. इसके लिए सभी अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रयासरत रहने के लिए निर्देश दिया.

पर्यावरण विषय पर श्री गुरुनानक पब्लिक स्कूल में हुई पेंटिंग प्रतियोगिता

छात्रों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संवाददाता । रामगढ़

पर्यावरण विषय पर रामगढ़ शहर के श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में मंगलवार को एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. नन्हे छात्र-छात्राओं ने कैनवास पर ऐसी कलाकृति उकेरी जो पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे थे. पेंटिंग में बच्चों ने यह भी बताया कि हमारे पर्यावरण को प्लास्टिक से कितना नुकसान हो रहा है. यदि अपनी दिनचर्या से प्लास्टिक को हटा दिया जाए तो हमारी धरती का प्रदूषण काफी हद तक काम हो जाएगा.

छात्र-छात्राओं ने अपनी कला से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया. इस दौरान कक्षा चतुर्थ के बच्चों ने चित्रण और छायांकन कर

वातावरण को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए एक पहल की. बच्चों ने प्रतियोगिताओं के माध्यम से लोगों को यह बताया कि स्वयं का पुनः प्रयोज्य बैग लेकर आएं. प्लास्टिक के स्ट्रॉ और कटलरी से बचें. पुनः प्रयोज्य पानी की बोतल का उपयोग करें. बुद्धिमानी से चुनें. थोक उत्पादों और कम पैकेजिंग वाली वस्तुओं का चयन करें. एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का उपयोग ना करें.

कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक का उपयोग न करने और प्लास्टिक रीसाइक्लिंग प्रथाओं को बेहतर बनाने में मदद करना है. हम में से प्रत्येक व्यक्ति पुनः प्रयोज्य कप, पानी की बोतलें और प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग न करके और प्लास्टिक में लिपटे सामान को अस्वीकार करके बहुत बड़ा बदलाव लाया जा सकता है. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह, सरदार हरपाल सिंह अरोड़ा, सरदार परमिंदर सिंह जस्सल, सरदार कुलजीत सिंह कालरा, मनमोहन सिंह लांबा सहित स्कूल प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार परमजीत सिंह चमन, सरदार हरदीप सिंह आदि उपस्थित थे.

एसीबी के डर से गढ़वा अंचल के अमीन ने इस्तीफा दे दिया

- गढ़वा के अंचलाधिकारी ने कहा-न जाने इस्तीफा क्यों दे दिया

संवाददाता । गढ़वा

गढ़वा अंचल में पदस्थापित अमीन कृष्णा मिस्त्री ने त्याग पत्र दे दिया है. गढ़वा एसी को दिये त्याग पत्र में अमीन ने कार्य करने में अपनी असमर्थता बताते हुए इस्तीफा दिया है. सूत्र बताते हैं कि अमीन कृष्णा मिस्त्री ने एसीबी के भय से अपने पद से इस्तीफा दे दिया. बताया जाता है कि एसीबी के लोग कृष्णा मिस्त्री से पैसे की मांग कर रहे थे. इस कारण अमीन ने इस्तीफा दे दिया. चर्चा यह भी है कि एसीबी के कुछ अधिकारीगण अमीन कृष्णा मिस्त्री को पकड़कर अपनी गाड़ी में बैठा लिये थे. इस दौरान अमीन एवं तथाकथित एसीबी के अधिकारियां के बीच पैसे के लेन-देन का डील हुआ. उसके बाद अमीन को पैसा लाने के लिए छोड़ दिया गया.

बताया जाता है कि इस घटना से डरे हुए अमीन कृष्णा मिस्त्री ने इस्तीफा दे दिया. इस संबंध में गढ़वा सीओ शफी आलम ने बताया कि अमीन कृष्णा मिस्त्री ने इस्तीफा दे दिया है. वह इस्तीफा किन कारणों से दिया है इसकी जानकारी उन्हें नहीं है. अमीन ने एसी साहब के कार्यालय में त्याग पत्र दिया है. इस संबंध में एसीबी पलामू के डीएसपी से संपर्क करने का प्रयास किया गया. परंतु संपर्क स्थापित नहीं हो सका.

उठाया सवाल

राजद जिलाध्यक्ष ने अपने निष्कासन पर सवाल खड़े किए, लगाए गंभीर आरोप

निर्वाचन आयोग के साथ-साथ पटना कोर्ट भी जाऊंगा

- प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव एवं प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव के निर्देशानुसार राजद के पलामू जिलाध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा को सोमवार को पार्टी से छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया गया है

संवाददाता । पलामू

राष्ट्रीय जनता दल के निवर्तमान जिलाध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा ने अपने निष्कासन पर सवाल उठाते हुए पार्टी नेताओं और पलामू लोकसभा सीट से चुनाव लड़ी पार्टी उम्मीदवार ममता भुइयां पर गंभीर आरोप लगाए हैं. मंगलवार को बाइपास रोड स्थित

राजद के जिला कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि पार्टी के प्राथमिक सदस्य एवं जिलाध्यक्ष पद से हटाने से पहले वरीय नेताओं ने उनसे कोई सवाल जवाब नहीं किया और ना ही किसी तरह का स्पष्टीकरण पूछा गया. अचानक से उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया गया. यह राजद के संविधान के विरूद्ध है. इसके खिलाफ आवाज उठायी जायेगी. निर्वाचन आयोग के साथ साथ पटना हाईकोर्ट में न्याय के लिए जाने की बात कही गयी. प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव एवं प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव के निर्देशानुसार राजद के पलामू जिलाध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा को सोमवार को पार्टी से छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया गया है. मोहन पर पार्टी विरोधी कार्य करने एवं गोपनीयता भंग कर पार्टी की छवि धूमिल करने का आरोप है.

मोहन विश्वकर्मा ने कहा कि झारखंड में लोकसभा चुनाव के हार का कारण प्रदेश अध्यक्ष हैं. इस बात को ममता भुइयां भी अच्छी तरह से जानती है. लेकिन इसलिए नहीं बोल रहीं हैं, क्योंकि उन्हें विधानसभा का टिकट चुनाव लड़ने के लिए प्रदेश अध्यक्ष द्वारा दिलाने की बात है. मोहन विश्वकर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष पर यह भी आरोप लगाया कि चुनाव प्रचार में कहीं भी नहीं गए हैं. चुनाव के दौरान कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव चुनाव प्रचार में आए, इसमें भी प्रदेश अध्यक्ष नहीं गए थे.

उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी बोला था कि तुम्हें इस चुनाव में हराकर दिखाउंगा. यह भी बात कही कि लोकसभा का टिकट मोहन विश्वकर्मा के द्वारा दिलायी गयी थी. कहा कि तुम तो गोबर गोइठा करने वाली महिला हो. तुम्हें कैसे टिकट मिल गया? प्रदेश अध्यक्ष ने टिकट दिलाने के नाम पर कामेश्वर बैठा से पांच लाख रूपए लिया था, लेकिन टिकट नहीं मिलने के कारण उन्हें पांच लाख रुपए लौटाने पड़े. उन्होंने कहा कि नजारत में अभी भी लोकसभा चुनाव के 55 हजार खर्च का ब्यौरा नहीं दिया गया है. ममता भुइयां इस मामले को अबतक छुपाए हुए हैं.

पेज एक का शेष

स्मृति शेष : अर्थशास्त्री-शिक्षक ही नहीं...

तुम लौटो तो अपनी दोनों किताब पर चर्चा करेंगे.

डॉ. रमेश शरण केवल एक अर्थशास्त्री और शिक्षक ही नहीं थे, बल्कि वे एक जागरूक सामाजिक चेतना के स्वर थे. झारखंड में जब कभी वंचित समूहों के हितों और अधिकारों के हनन का प्रयास किया गया, वे उठ खड़ हुए . रमेश जी संवाद में यकीन करते थे. अपने पूरे व्यक्तित्व से वे लोकतांत्रिक थे और समानता में उनका यकीन गहरा था. अपने शिष्यों के साथ भी समानता के धरातल पर ही संवाद करते थे. झारखंड गठन के बाद से यहां की नीतियां निर्धारित करने में उनके विचारों की अहम भूमिका रही है. उनसे संवाद कर शासक समूह भी अपने को धन्य मानता था, क्योंकि मंच चाहे जिसका हो, वे हाशिए के लोगों की आवाज ही बुलंद करते थे. हाशिए के लोगों की आवाज बुलंद करने के कारण ही, उन्हें देश भर में जाना जाता था. उनके विचारों में झारखंडीपन था. उनकी राय थी कि झारखंड के समग्र विकास और आर्थिक समृद्धि के लिए खनिजों पर मिलने वाली रॉयल्टी भार आधारित न हो कर मूल्य आधारित होनी चाहिए. वे इस बात के जबरदस्त पैरोकार थे. यह एक ऐसा विचार है, जिसका गहरा असर समाज के वंचितों को समृद्ध बनाने पर हो सकता है. हालांकि उनकी इस बात को महत्वपूर्ण मानते हुए भी अब तक जमीन पर उतारने की दिशा में सरकारें कामयाब नहीं हो सकी हैं. रमेश शरण उन लोगों में से थे, जो हाशिए के हिस्सों के विकास के लिए किसी भी समूह के साथ हाथ मिला सकते थे. बात 2004 की है, जब पलामू में एक अत्यंत वंचित क्षेत्र में कई स्कूल नक्सल समूहों ने खोला था. डॉ. रमेश शरण उस स्कूल को देखने पहुंचे गए, ताकि वे समझ सकें कि वंचना के शिकार लोगों की शिक्षा के लिए किस तरह राज्य की नीतियों को प्रभावी बनाने की दिशा में कदम उठाया जा सकता है. और यह भी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती देने की पहल मध्यमार्गी समूह अपने हाथ में ले सकता है. यह एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसके बाद से झारखंड की शिक्षा पद्धति को लेकर विमर्श तेज हुआ था. डॉ. शरण, डॉ. अमर्त्य सेन की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले शोधार्थी थे. डॉ. अमर्त्य सेन समावेशी विकास की रणनीति को भारत के लिए महत्वपूर्ण मानते थे. पिछले कुछ समय से वे दो महत्वपूर्ण पुस्तकों के लेखन में व्यस्त थे. दोनों किताबें अंतिम चरण में रह गयीं. उनकी एक पुस्तक झारखंड पर है, जो प्रकाशित होनी है और दूसरी किताब उन्होंने अपने कुलपतित्वकाल के अनुभवों पर केंद्रित की है. इस पुस्तक में झारखंड की उच्च शिक्षा के अनेक अनुछुए पहलुओं पर विचार किया गया है. डॉ. रमेश शरण के दर्जनों शोधपरक लेख छपे. जरूरत इस बात की है कि उन तमाम लेखों को एकत्रित कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाए, ताकि उन्हें उचित श्रद्धांजलि दी जा सके.

मणिपुर का अंतहीन इंतजार

मणिपुर का दर्द एक राष्ट्रीय दर्द है. बेहतर होगा जल्द से जल्द मणिपुर के घाव को भर दिया जाए. सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक सवालों को कानून और व्यवस्था के नजरिए से हल नहीं किया जा सकता है. यह दुनिया भर का अनुभव है. भारत सरकार को बगैर हिचक के हकीकत का सामना करते हुए मणिपुर में मैतई और कुकी समूहों के बीच उत्पन्न खायी को भर देना चाहिए. वैसे भी सीमावर्ती राज्य संवदेनशील होते हैं. विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तीसरी मणिपुर यात्रा से यह तो स्पष्ट हो गया है कि वहां दोनों समूहों के बीच समन्वय और संवदेना का सेतु निर्माण करना होगा. अब भी 60 हजार लोग राहत शिविरों में हैं. मणिपुर जैसे छोटे राज्य के लिए यह कोई मामूली संख्या नहीं है. समावेशी भारत के निर्माण के लिए यह जरूरी है कि भारत के छोटे से छोटे समुदायों की आवाज को प्रकट होने दिया जाए और उस आवाज के अनुरूप केंद्र अपनी नीतियों का निर्माण करे. मणिपुर का सवाल भारत की राजनीति में अहंकार का सवाल नहीं बनाया जाना चाहिए. संवेदना, दर्द बांटने के साथ मरहम लगाने की रणनीति पर प्रधानमंत्री को भी अमल करना चाहिए. राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई बहस का राज्यसभा में जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने मणिपुर के हालात को समान्य बताया था और कहा था कि वहां दस हजार से ज्यादा प्राथमिकियां दर्ज की गयी हैं. लेकिन तथ्य तो यह है कि इन सबके बावजूद मणिपुर एक शीतयुद्ध जैसे हालात में हैं, जहां कुकी और मैइती दोनों ही समूहों के बीच दूरी है. भारत के तमाम राजनैतिक दलों का यह कर्तव्य है कि वह मणिपुर में स्थायी शांति की बहाली के लिए पहल करें. भारतीय जनता पार्टी को भी अपनी ही मातृ संस्था आएसएस के प्रमुख की आवाज को अनसुना नहीं करना चाहिए, जो मणिपुर को ले कर चिंता प्रकट कर चुके हैं. पूर्वोत्तर के नागरिकों के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है. अठारहवीं लोकसभा के चुनाव में पूर्वोत्तर के मतदाताओं के जनादेश को गहरायी से विश्लेषित कर सकने का दायित्व केंद्र सरकार का है. ऐसा प्रतीत होता है मानो मणिपुर में शांति बहाली के सवाल को राजनीतिक अहंकार का विषय बना दिया गया है. इससे बचने की जरूरत है. देश के किसी भी हिस्से के किसी भी नागरिक समुदाय के साथ नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए. भारत के समावेशी लोकतंत्र और संविधान की यही मूल शिक्षा है. मणिपुर में पिछले महीने भी हिंसा हुई. यानी साल भर बाद भी वहां हालात सामान्य नहीं है. हजारों लोग अब भी अपने घरों से बेदखल राहत शिविरों में रह रहे हैं, लेकिन संसद में मणिपुर का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी कांग्रेस को कोसते हैं कि उसके शासनकाल में वहां राष्ट्रपति शासन लगा. उन्होंने पूर्वोत्तर में विकास के नए दावे इस बार किए. इस तथ्य को केंद्र सरकार को स्वीकार कर लेना चाहिए कि मणिपुर की राज्य सरकार राज्य में शांति की बहाली और सभी समूहों के बीच विश्वास की फिर से बहाली करने में विफल रही है. ऐसी स्थित में विपक्ष के सवालों और अपील को गंभीरता से लेने की जरूरत है.

> अठारहवीं लोकसभा के चुनाव में पूर्वोत्तर के मतदाताओं के जनादेश को गहरायी से विश्लेषित कर सकने का दायित्व केंद्र सरकार का है. ऐसा प्रतीत होता है मानो मणिपुर में शांति बहाली के सवाल को राजनीतिक अहंकार का विषय बना दिया गया है.

सुभाषित

दानेन तुल्यो विधिरास्ति नान्यो लोभश्च नान्योस्ति रिपुः पृथिव्यां।
विभूषणं शीलसमं च नान्यत् सन्तोषतुल्यं धर्मास्ति नान्यः॥

दान के समान अन्य कोई अच्छा कर्म नहीं है, लोभ के समान इस पृथ्वी पर कोई अन्य शत्रु नहीं है, शील के समान कोई गहना नहीं है और सन्तोष के समान कोई धन नहीं है.

फिर एक भंवरजाल में राहुल गांधी

नरेंद्र मोदी–अमित शाह के युग में किसी नेता का विरोधी या विपक्षी भूमिका में आक्रामक तेवर के साथ टिके रहना कोई कम श्रेय की बात नहीं है. इसी साहस ने राहुल गांधी को वह छवि प्रदान की है, जिससे आज वे विपक्ष के सर्व–स्वीकार्य नेता के रूप में उभरे हैं. ना सिर्फ संसदीय विपक्षी दलों के बीच उनकी यह स्वीकार्यता है, बल्कि सार्वजनिक जीवन में वर्तमान सरकार के तौर–तरीकों और उसकी विचारधारा से असहमत तमाम लोगों में भी यह स्वीकार्यता लगातार बढ़ती गई है.

• देश-काल

सत्येंद्र रंजन

यह उन दिनों की बात है, जब राहुल गांधी मंदिर-दर-मंदिर की यात्रा कर रहे थे और उनकी एक पार्टी की प्रवक्ता ने प्रेस कांफ्रेंस में उन्हें 'जनेऊधारी ब्राह्मण' बताया था. तब खुद को पार्टी के रणनीतिकारों में से एक बताने वाले शख्स ने इस स्तंभकार की जिज्ञासा पर कहा था कि राहुल गांधी एक सुविचारित रणनीति के तहत ये यात्राएं कर रहे हैं. इस रणनीति के बारे में जानकर इस स्तंभकार ने खुद विस्मित महसूस किया था. वह कथित रणनीति यह बताई गई कि राहुल गांधी इसके जरिए भाजपा/आरएसएस की हिंदू धर्म की 'ठेकेदारी' खत्म कर देंगे. उन्होंने ध्यान दिलाया था कि राहुल गांधी खास कर शिव मंदिरों का दौरा करते हैं. बताया गया कि इसके पीछे भी एक सोच है. सोच यह है कि हिंदू धर्म के लंबे इतिहास में शैव (शिव भक्त) और वैष्णव (विष्णु भक्त) की दो धाराएं रही हैं. कई मौकों पर इन दोनों पंथों के अनुयायी एक दूसरे के खिलाफ खड़े नज़र आए हैं. तो अब रणनीति यह है कि इस विभेद पर नए सिरे से जोर डाला जाए. चूंकि भाजपा/आरएसएस ने वैष्णव धारा को आधार बनाते हुए (भगवान राम विष्णु के अवतार माने जाते हैं) हिंदू धर्म को अपनी सियासी ताकत बना लिया है, तो कांग्रेस शैव धारा की विरासत को अपनाते हुए उसकी यह ताकत खत्म कर देगी. यह स्तंभकार इस बात से उत्पन्न विस्मय-बोध से आज तक निकल नहीं पाया है.

उसके बाद से राहुल गांधी ने लंबी राजनीतिक यात्रा तय की है. विदेशी विश्वविद्यालयों में संवाद से उन्होंने अपनी बौद्धिक छवि बनाई, मोनोपॉली कॉरपोरेट घरानों को निशाने पर लेते हुए अपने को आम जन के नेता के रूप स्थापित करने की कोशिश की, भारत जोड़ो यात्रा से सांप्रदायिक सौहार्द के संदेशवाहक एवं 'मोहब्बत के दुकानदार' के रूप में सामने आए तो फिर बहुजन (मंडल+दलित) राजनीति की विरासत पर दावा ठोका. इस पूरे दौर में उनकी जो एक विशेषता कायम रही, वह है 'डरो मत'के नारे पर अपने जीवन में अमल. नरेंद्र मोदी-अमित शाह के युग में किसी नेता का विरोधी या विपक्षी भूमिका में आक्रामक तेवर के साथ टिके रहना कोई कम श्रेय की बात नहीं है. इसी साहस ने राहुल गांधी को वह छवि प्रदान की है, जिससे आज वे विपक्ष के सर्व-स्वीकार्य नेता के रूप में उभरे हैं. ना सिर्फ संसदीय विपक्षी दलों के बीच उनकी यह स्वीकार्यता है, बल्कि सार्वजनिक जीवन में वर्तमान सरकार के तौर-तरीकों और उसकी विचारधारा से असहमत तमाम लोगों में भी यह स्वीकार्यता लगातार बढ़ती गई है. ऐसा उनमें मुद्दों पर निरंतरता के अभाव के बावजूद हुआ है. बहरहाल, भले राहुल गांधी में विचार, राजनीतिक दिशा एवं मुद्दों की निरंतरता न रही हो, लेकिन उनके समर्थक उनमें एक तरह का विकास-क्रम देखते हैं. उनकी राय में यह विकासक्रम "जनेऊधारी ब्राह्मण" से "सामाजिक न्याय" के नए प्रवक्ता की दिशा में आगे बढ़ा है.

यह विकासक्रम है या नहीं, इस पर मतभेद की गुंजाइशें हैं, लेकिन इस दौर में राहुल गांधी संसदीय विपक्ष का चेहरा बने हैं, यह निर्विवाद है. इसीलिए सोमवार को लोकसभा में उनके डेढ़ घंटे से भी ज्यादा लंबा चले भाषण को सुनते वक्त अक्सर यह सवाल मन में उठता रहा कि क्या उन्होंने (और उनकी कांग्रेस पार्टी ने) फिर से शिव का साया लेकर भाजपा की जय श्रीराम की राजनीति का जवाब तैयार करने की रणनीति अपना ली है? राहुल गांधी का भगवान शिव की तस्वीर लेकर सदन में आना, भाषण के दौरान उस तस्वीर को बार-बार दिखाना और यहां तक कि शिव की अभयमुद्रा को कांग्रेस के चुनाव निशान से संबंधित बता देना न सिर्फ कौतुहल पैदा करता रहा, बल्कि एक तरह की व्यग्रता का स्रोत भी बना. प्रश्न है कि अगर यह कांग्रेस की केंद्रीय रणनीति है, तो इसके जरिए वह कहां पहुंचेगी? क्या सचमुच कांग्रेस के रणनीतिकार यह समझते हैं कि बेहतर हिंदू होने का दावा कर कांग्रेस नेता भाजपा/आरएसएस समर्थन आधार को खत्म कर सकते हैं? अगर यह समझ हो, तो बेशक यह कहा जाएगा कि 2024 के जनादेश के स्वरूप को समझने में कांग्रेस के रणनीतिकारों ने भारी गलती की है. ठीक उसी तरह जैसे भाजपा नेतृत्व जानबूझ कर या अनजाने में जनादेश के स्वरूप और संदेश को स्वीकार करने से इनकार कर रहा है. यह जनादेश किसी भावानात्मक मुद्दे से निर्मित नहीं हुआ. बल्कि भावनात्मक मुद्दों के बने रहने के बावजूद हुआ. चुनाव पूर्व और चुनाव उपरांत सर्वेक्षणों से स्पष्ट है कि जिन दो शब्दों ने भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया, वे महंगाई और बेरोजगारी हैं. नरेंद्र मोदी सरकार की प्राथमिकताओं और आर्थिक नीतियों ने देश की बहुसंख्यक आबादी के लिए रोजमर्रा की कठिनाइयों एवं अवसरहीनता की स्थिति में लगातार वृद्धि की है. उसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ा. खुद राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेता यह मानते हैं कि मोदी शासनकाल में संविधान के लिए पैदा हुए कथित खतरे से आशंकित मतदाताओं ने भाजपा के पर कुतरे. हालांकि संविधान को कथित खतरा या उसकी रक्षा भी एक तरह का भावनात्मक और भावात्मक प्रश्न ही है, इसके बावजूद यह संभव है कि समाज के कुछ तबकों में चुनाव के दौरान यह एक प्रभावी मुद्दा बना हो. तो क्या सही रणनीति इन प्रश्नों को चर्चा के केंद्र में बनाए रखना नहीं होगी? राहुल गांधी एवं अन्य विपक्षी नेताओं के लिए बिना मांगे, लेकिन एक उचित सलाह यह होगी कि अपने भाषणों को वे दोबारा ध्यान से सुनें. उनमें वे यह ढूंढने का प्रयास करें कि क्या महंगाई, बेरोजगारी और संविधान की रक्षा को उन्होंने अपने भाषण के केंद्र में रखा? संकेत साफ हैः बीच का रास्ता टिकाऊ नहीं रह गया है. भविष्य सिर्फ उन्हीं सियासी ताकतों का है, जो उपरोक्त गोलबंदियों में किसी एक की नुमाइंदा हैं. वैसे दीर्घकालिक भविष्य तो सिर्फ रोजी-रोटी के प्रश्नों का जवाब ढूंढ सकने में सक्षम और उन पर अपनी राजनीति को केंद्रित करने वाली ताकतों का ही होगा. राहुल गांधी, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपना कैसा भविष्य करना चाहते हैं, यह खुद उनको ही तय करना है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष सुज्ञ

विनम्रता बनाम अहंकार

विनम्रता और अहंकार परस्पर विरोधी हैं. एक पूरब की ओर जाता है तो दूसरा पश्चिम की ओर. विनम्रता आपके आंतरिक प्रेम की शक्ति से आती है. दूसरों को सहयोग व सहायता का भाव ही आपको विनम्र बनाता है. यह कहना गलत है कि यदि आप विनम्र बनेंगे तो दूसरे आपका अनुचित लाभ उठाएंगे. जबकि यथार्थ स्वरूप में विनम्रता आपमें गज़ब का धैर्य पैदा करती है. आपमें सोचने समझने की क्षमता का विकास करती है. विनम्र व्यक्तित्व का एक प्रचंड आभामंडल होता है. धूर्तों के मनोबल उस आभा से स्वयं परास्त हो जाते हैं. उल्टे जो विमम्र नहीं होते, वे आसानी से प्रभावित हो जाते हैं, क्योंकि धूर्त को तो मात्र मीठी बातों से उसका अहं सहलाना भर होता है. अहंकार यहां परास्त हो जाता है. किन्तु जहां विनम्रता होती है, वहां तो सत्य की अथाह शक्ति भी होती है, जो मनोबल प्रदान करती है. विनम्रता के प्रति समर्पित आस्था जरूरी है. मात्र दिखावे की विनम्रता असफ़ल ही होती है. 'पहले विन्रमता से निवेदन करूंगा यदि काम न हुआ तो भृकुटि टेढ़ी करूंगा' यह चतुरता विनम्रता के प्रति अनास्था है, छिपा हुआ अहं भी है. कार्य पूर्व ही अविश्वास तथा अहं का मिश्रण असफलता ही न्योतता है. सम्यक् विनम्र व्यक्ति, विनम्रता को झुकने के भावार्थ में नहीं लेता. सच्चाई उसका पथप्रदर्शन करती है. निश्छलता उसे दृढ व्यक्तित्व प्रदान करती है. अहंकार आपसे दूसरों की आलोचना करवाता है. वह आपको आलोचना-प्रतिआलोचना के एक प्रतिशोध जाल में फंसाता है. अहंकार आपकी बुद्धि को कुंठित कर देता है. आपके जिम्मेदार व्यक्तित्व को संदेहयुक्त बना देता है. अहंकारी दूसरों की मुश्किलों के लिए उन्हें ही जिम्मेवार कहता है और उनकी गलतियों पर हंसता है. अपनी मुश्किलों के लिए सदैव दूसरों को जवाबदार ठहराता है और लोगों से द्वेष रखता है. विनम्रता हृदय को विशाल, स्वच्छ और ईमानदार बनाती है. यह आपको सहज सम्बंध स्थापित करने के योग्य बनाती है. विनम्रता न केवल दूसरों का दिल जीतने में कामयाब होती है अपितु आपको अपना ही दिल जीतने के योग्य बना देती है. आपके आत्म-गौरव और आत्म-बल में उर्ज़ा का अनवरत संचार करती है. आपकी भावनाओं के द्वन्द समाप्त हो जाते है, साथ ही व्याकुलता और कठिनाइयां स्वतः दूर होती चली जाती है. एक मात्र विनम्रता से सन्तुष्टि, प्रेम, और साकारात्मकता आपके व्यक्तित्व के स्थायी गुण बन जाते है. इसके विपरीत अहंकार मनुष्य को उन्मत्त बनाता है और उसकी सम्यक् दृष्टि छीन लेता है. संघर्ष की राह पर ले जाकर अंहकार मनुष्य के अधोपतन का कारण बनता है.

वैश्विक शक्ति केंद्रों के साथ भारत के संबंध

• सामयिकी

जी. पार्थसारथी

जहां भारत में आम चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार स्थापित हुई है, वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव अभियान ने समूची राजनीतिक प्रक्रिया और कार्यविधि में भ्रम और दुविधा पैदा की है. राष्ट्रपति बाइडेन और उनके प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के बीच रंजिश पुरानी है, पिछली बार बाइडेन ने ट्रंप को मात जो दी थी. दुनिया ने देखा कि किस तरह बाइडेन अपने गिरते स्वास्थ्य के कारण कतई फिट नहीं हैं, टेलीविजन पर प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के साथ दिखाई गई रिवायती राष्ट्रव्यापी बहस के दौरान भी उनके दवा लेने पर सबने गौर किया. अपने राष्ट्रपति की सेहत को लेकर अमेरिकी चिंतित हैं. आगामी राष्ट्रपति चुनाव में अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय की तटस्थता पर भी सवाल उठ रहे हैं. मौजूदा संकेतों के अनुसार हाल-फिलहाल बाइडेन की जीत की संभावना कम है. जो भी है, बाइडेन के विदेशमंत्री जोसेफ ब्लिंकन और एनएसए जेक सुलिवन के अपने समकक्षों एस. जयशंकर और अजीत डोभाल के साथ संबंध अच्छे हैं. भारत-अमेरिका के बीच सुचारु कामकाज में, इनकी भूमिका महत्वपूर्ण है. भारत के नवनियुक्त विदेश सचिव विक्रम मिसरी अमेरिका और चीन में भारत की ओर से काम कर चुके हैं, लिहाजा दोनों से कौशलपूर्वक बरतने में वे पूरी तरह योग्य हैं. स्पष्ट है कि भारत की नीतियों का ध्यान मुख्य रूप से अपने पड़ोसी देश, खासकर पूरबी दिशा में मलक्का की खाड़ी के देशों से लेकर होरमुज़ की खाड़ी के तेल संपन्न अरब राष्ट्रों से रिश्ते मजबूत और शांतिप्रिय रखने पर रहेगा. सर्वविदित है कि ट्रंप का प्रधानमंत्री मोदी के साथ निजी राब्ता बहुत बढ़िया है, लेकिन बाइडेन के बारे में यह नहीं कहा जा सकता. जाहिर है भारत में मानवाधिकारों की चिंता को लेकर हालिया अमेरिकी बयानों के पीछे बाइडेन पूरी तरह जिम्मेवार थे. कोई हैरानी नहीं, प्रधानमंत्री मोदी रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिलने मास्को जाएंगे, जो न केवल भारत के प्रति दोस्ताना रवैया रखते हैं, बल्कि मददगार भी हैं. बहरहाल, भारत-अमेरिका के बीच मतभेदों के बावजूद, हमारे रिश्ते वक्त के साथ मजबूत हुए हैं. ऐसे ही यूके के दोनों दलों, लेबर और कंजर्वेटिव के साथ मधुर संबंध बने हुए हैं. यूरोप के विषय में यही दृश्य है, फ्रांस और जर्मनी, दोनों भारत से संबंध सुधारने के इच्छुक हैं. फ्रांस भारत को अनेकानेक किस्म के हथियार देने में एक भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता रहा है. जिसके अंतर्गत मिराज 2000 लेकर अग्रिम श्रेणी के राफेल लड़ाकू जहाज हमें मिले हैं. भारत ने 36 राफेल जेट पाने हैं, और 26 और खरीदने के वास्ते सौदे पर बातचीत जारी है. यह पनडुब्बियों के आयात के अलावा है. बहरहाल, ध्यान रखना होगा कि भारत अमेरिका के साथ अपने बढ़ते संबंधों के परिप्रेक्ष्य में, अन्य वैश्विक शक्ति केंद्रों के साथ संबंध किस किस्म के रख पाएगा. विश्वभर के देशों से साथ रिश्तों में, भारत की प्रतिक्रिया चीन की बढ़ती ताकत के संदर्भ में क्या होगी, यह भी ध्यान का अन्य बिंदु होगा. यह बात भारत के अड़ोस-पड़ोस यानी मल्लका की खाड़ी से लेकर होरमुज़ की खाड़ी के खित्ते पर अधिक लागू है. इस इलाके में चीन द्वारा अपनी शक्ति बढ़ाने का मंतव्य भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों को प्रभावित करने के इरादे से भी है. यूरोपियन यूनियन भले ही सहयोग की दृष्टि से चीन को बतौर साझेदार ले रही है. लेकिन वह चीन को खतरनाक प्रतिद्वंद्वी की तरह भी देख रही है. दरअसल, चीन की नीतियां यूरोपियन यूनियन के साथ व्यापारिक संबंधों में असंतुलन बना रही हैं. चीन और रूस के बीच बढ़ती निकटता को लेकर भी यूरोपियन यूनियन की चिंता साफ दिखाई देती है. रक्षा मामलों में यूरोपियन देश अमेरिका के बतौर कनिष्ठ सहयोगी बने रहते हैं, इस बात की संभावना कम है कि वे चीन की आक्रामकता के सामने टिकने वाली किसी विदेशी शक्ति का साथ या उसकी मदद करेंगे, जब तक कि अमेरिका उनकी पीठ पर हाथ न रखे.यदि अमेरिका की मदद न हो तो चीन की आक्रामकता का सामना कर रहे एशियाई देशों को यूरोपियन यूनियन से मदद की आस एक प्रकार से शून्य है, खासतौर पर जब नौबत चीन के साथ लड़ाई की बने. सनद रहे कि चीन के इलाकाई दावों से बने दबाव को झेल रहे फिलीपींस को भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलें दी हैं. लेकिन बात जब चीन के साथ अपनी सीमाओं पर तनाव और अनिश्चितता की आए तो भारत अपनी चौकसी में कमी लाना गवारा नहीं कर सकता. इस्राइल-फलस्तीनी युद्ध शुरू के बाद से भारतीय नौसेना की भूमिका पर अब अंतरराष्ट्रीय दिलचस्पी साफ तौर पर दिखाई दे रही है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> बहरहाल, भारत–अमेरिका के बीच मतभेदों के बावजूद, हमारे रिश्ते वक्त के साथ मजबूत हुए हैं. ऐसे ही यूके के दोनों दलों, लेबर और कंजर्वेटिव के साथ मधुर संबंध बने हुए हैं. यूरोप के विषय में यही दृश्य है, फ्रांस और जर्मनी, दोनों भारत से संबंध सुधारने के इच्छुक हैं. फ्रांस भारत को अनेकानेक किस्म के हथियार देने में एक भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता रहा है.

कार्यप्रणाली में सुधार के लिए एक चार्टर

• विमर्श

करण थापर

अब जब हमने 18वीं लोकसभा चुन ली है, तो दो बुनियादी सवाल उठाने का समय आ गया है. पहला, क्या लोकसभा हमारी उम्मीदों पर खरी उतर रही है? दूसरा, विपक्ष को यह विश्वास दिलाने के लिए किन परिवर्तनों की आवश्यकता है कि भारतीय लोगों की आवाज़- न कि केवल सत्तारूढ़ दलों की- को समय दिया जाता है और इसलिए, पर्याप्त रूप से सुना जाता है? पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च द्वारा प्रकाशित तथ्यों से पता चलता है कि 17वीं लोकसभा ने केवल 1,354 घंटे काम किया. यह 16वीं के 1,615 घंटों से भी कम है, जो पहले से ही सभी पूर्ण-कालिक लोकसभाओं के औसत से 40% कम था. दरअसल, इसके 15 में से 11 सत्र समय से पहले ही स्थगित कर दिये गये. और केवल 274 बैठकों के साथ, 17वीं में सभी पूर्णकालिक लोकसभाओं में से सबसे कम बैठकें हुईं. इसकी तुलना में, पहली लोकसभा साल में 135 दिन बैठती थी. 17वीं केवल 55 दिन ही बैठ सकी. इससे कानून को संभालने के तरीके पर स्पष्ट रूप से असर पड़ा. अधिकतर विधेयक उनके पेश होने के दो सप्ताह के भीतर पारित हो गये, लेकिन 35% विधेयक एक घंटे से भी कम चर्चा के बाद पारित हो गये. और केवल 16% को जांच के लिए संसदीय समितियों के पास भेजा गया. यह पिछली तीन लोकसभाओं से कम है. इसलिए, न केवल लोकसभा द्वारा काम पर बिताये जाने वाले घंटे कम हो रहे हैं, बल्कि उसके भीतर, कानून की सार्थक जांच और बहस करने की इसकी क्षमता भी कम हो रही है. चूंकि यह लोकसभा के सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है, हम बिना किसी हिचकिचाहट के यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि यह उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही है. उपाय सरल और सीधा है- लोकसभा को प्रत्येक वर्ष निश्चित न्यूनतम दिनों के लिए बैठना चाहिए और सभी विधेयकों को पारित होने से पहले विस्तृत जांच के लिए संसदीय समितियों को भेजा जाना चाहिए. लोकसभा का दूसरा-समान रूप से महत्वपूर्ण-कार्य सरकार को जवाबदेह ठहराना है. यहीं पर विपक्ष का दावा है कि उसकी आवाज नहीं सुनी जा रही है, इस पर ध्यान देने की जरूरत है. जब तक ऐसा नहीं होगा, तब तक सरकार से सार्थक सवाल नहीं उठाये जायेंगे और चुनौती नहीं दी जायेगी, तो हम इसे कैसे हासिल करेंगे? एक स्पष्ट समाधान हाउस ऑफ कॉमन्स (इंग्लैंड) के अभ्यास को अनुकूलित करना और यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक सत्र में निश्चित दिनों में एजेंडा विपक्ष द्वारा तय किया जाये. ब्रिटेन में इन्हें 'विपक्षी दिवस' कहा जाता है और प्रत्येक संसदीय सत्र में ये 20 दिन होते हैं. प्रमुख विपक्षी दल के लिए सत्रह और दूसरे सबसे बड़े दल के लिए तीन. एक दूसरी ब्रिटिश प्रथा, जिसे हम अपना सकते हैं वह है- प्रधानमंत्री के प्रश्न. यह प्रत्येक सप्ताह एक निश्चित दिन पर एक समर्पित आधा घंटा है, जब प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता द्वारा पूछे गये कम से कम आधा दर्जन प्रश्नों सहित, विपरीत पीठों के प्रश्नों का उत्तर देते हैं. पीएमक्यू, जैसा कि इसे यूके में कहा जाता है, की स्पष्ट अपील है. यह नाटक का एक क्षण है, जो या तो पीएम और एलओपी को उनके सबसे अच्छे रूप में प्रदर्शित कर सकता है या उन्हें कमजोर, बेख़बर और अप्रभावी के रूप में दिखा सकता है. यह देश के बाकी हिस्सों के लिए भी यह देखने और परखने का एक मौका है कि उनके नेता कैसा प्रदर्शन करते हैं. संक्षेप में, यह इस बात का प्रमाण देता है कि लोकतंत्र चल रहा है या लड़खड़ा रहा है. यदि इन्हें अपनाया जाता है तो संसद के अधिवेशनों के प्रति विश्वास बढ़ेगा. वे विपक्ष को उनके वास्तविक योगदान की भावना के साथ हिस्सेदारी देंगे और वे भारतीय जनता को विश्वास दिलायेंगे कि विभिन्न विचारों और तर्कों का प्रचार और चर्चा की जा रही है. अंत में, यदि विश्वास के लुप्त तत्व को वास्तव में सुनिश्चित करना है, तो हमें अध्यक्ष की स्थिति पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है. जो भी चुना जाये, उसे तुरंत अपनी पार्टी से इस्तीफा देना होगा. केवल तभी हम विश्वास कर सकते हैं कि व्यक्ति निष्पक्ष और गैर-पक्षपातपूर्ण है. और यदि वह अगली लोकसभा के लिए बने रहना चाहते हैं, तो उनका चुनाव निर्विरोध होना चाहिए. बेशक, अभी भी बहुत कुछ अध्यक्ष के चरित्र और व्यवहार पर निर्भर करेगा, लेकिन स्पष्ट कमज़ोरियों को दूर किया जाना चाहिए. ये स्पष्ट उपाय हैं, लेकिन ये तभी होंगे, जब सरकार इन्हें स्वीकार करेगी. अपने आप में, विपक्ष सिर्फ सिफारिश कर सकता है, जैसा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में किया गया था. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> लोकसभा का दूसरा समान रूप से महत्वपूर्ण कार्य सरकार को जवाबदेह ठहराना है. यहीं पर विपक्ष का दावा है कि उसकी आवाज नहीं सुनी जा रही है, इस पर ध्यान देने की जरूरत है. जब तक ऐसा नहीं होगा, तब तक सरकार से सार्थक सवाल नहीं उठाये जायेंगे और चुनौती नहीं दी जायेगी, तो हम इसे कैसे हासिल करेंगे?

मीडिया में अन्यत्र

फ्रांस में वामपंथ का पुनरोदय

फ्रांस के न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) ने चुनाव में अकेले सबसे बड़े समूह के रूप में उभर कर चुनाव पर नजर रखनेवालों को चौंका दिया है. समाजवादियों, साम्यवादियों, पारिस्थितिकीविदों और कट्टर-वामपंथी फ्रांस अनबाउड से मिलकर बने इस गठबंधन ने यूरोपीय संसद के चुनावों के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा पिछले महीने आहूत समय-पूर्व चुनाव में 182 सीटें हासिल कीं. इस तरह वह मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन और उसकी 168 सीटों से आगे है. तीसरे स्थान पर मरिन ले पेन की धुर-दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली और उसके सहयोगी रहे. यह उनके समर्थकों के लिए चौंकाने वाला रहा, क्योंकि उन्हें यूरोपीय संसद के चुनाव वाला अपना विजयी प्रदर्शन दोहराये जाने की उम्मीद थी. हालांकि, उनकी 143 सीटों ने 2022 में मिली 89 सीटों के मुकाबले उन्हें काफी आगे रखा. वामपंथी और दक्षिणपंथी इन नतीजों में जश्न मनाने की वजह मौजूद होने का दावा कर सकते हैं, लेकिन इस बार जनता ने जिसे सचमुच चोट दी है, वह है मध्यमार्ग और फ्रांस में राजनीतिक व आर्थिक प्रगति के लिए मैक्रों से जुड़ी उम्मीदें. यह देखते हुए कि कोई भी पार्टी पूर्ण बहुमत के लिए जरूरी न्यूनतम 289 सीटों तक नहीं पहुंच पायी है, फ्रांस में अब राजनीतिक अनिश्चितता जारी रहने के आसार लगते हैं. यह वही परिदृश्य है, जिससे बचने की कोशिश में मैक्रो ने तय समय से तीन साल पहले चुनाव कराने का जुआ खेला.पूरी यूरोपीय राजनीति में दक्षिणपंथ के उदय को लेकर मुख्यधारा की चिंता फ्रांस की इस मौजूदा गुत्थी के केंद्र में है. ले पेन के पिता ज्यां-मारी ले पेन, जो होलोकॉस्ट (यहूदी नरसंहार) से इनकार करते थे और प्रवासन पर भी अतिवादी नजरिया रखते थे, द्वारा स्थापित नेशनल रैली को कभी 'अव्यवहार्य राजनीतिक विकल्प' समझा जाता था. अब 28 वर्षीय अध्यक्ष जॉर्डन बारदेला की अगुवाई में यह पार्टी अपनी सार्वजनिक छवि बदलने की सक्रियतापूर्वक कोशिश कर रही है, भले ही व्यापक मतदाता स्वीकार्यता के लिए उसे प्रवासन, अल्पसंख्यकों, धर्म और रोजगार के सवालों पर अपना रुख नरम करने की जरूरत पड़ रही हो. व्यापक क्षेत्रीय प्रतिमान (जिसकी अनुगूंज चुनाव के माध्यम से प्रतिध्वनित हुई) यह है कि यूरोपीय राजनीतिक दक्षिणपंथ इसी तरह से नीदरलैंड, इटली और फिनलैंड जैसों देशों में एक हद तक स्वीकार्यता पा रहा है. और इन व अन्य मामलों में, उन्हें 'धुर-दक्षिणपंथी' ठहराना अपेक्षाकृत उलझाऊ काम हो गया है, क्योंकि उनकी नीतियां बार-बार बदलती रहती हैं और पूरे क्षेत्र में काफी विविधता रखती हैं. फ्रांस में, नेशनल रैली ने आप्रवासन पर अपने नजरिए की तुलना में देश में गुजर-बसर के खर्च पर मैक्रों को लगातार चुनौती देकर उतने ही या उससे ज्यादा वोट हासिल किये हो सकते हैं. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

पिंड/ पिंडा

मोहन बुरी तरह फंस चुका है, अब मोनिका से पिंड छुड़ाना उसके लिए आसान नहीं है. सूर्य एक बहुत बड़ा उल्का पिंड है. वह पूर्वजों को पिंड दान करने के लिए गया चला गया. इन वाक्यों में पिंड शब्द का तीन बार प्रयोग दिख रहा है और तीनों बार इसका अर्थ एक जैसा नहीं है. इसका मतलब है पिंड अनेकार्थक शब्द है.पिंड संस्कृत मूल का तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. विभिन्न शब्दकोशों के अनुसार पिंड का मतलब है घनी या ठोस चीज का गोलाकांर खंड या टुकड़ा. बड़े रूप में ग्रहों और नक्षत्रों को पिंड कहा जाता है. छोटे रूप में पिंड जौ के आटे, भात, तिल और घी को मिला कर बनाये गये उस गोलाकार खंड को कहा जाता है, जिससे अंत्येष्टि तथा श्राद्ध में पितरों को प्रदान करने के उद्देश्य से वेदी आदि पर रखा जाता है. पूर्वज पूजा की प्रथा विश्व के अन्य देशों की भांति हमारे देश में भी बहुत प्राचीन है. यह प्रथा यहां वैदिक काल से प्रचलित रही है. विभिन्न देवी देवताओं को सम्बोधित वैदिक ऋचाओं में से अनेक पितरों तथा मृत्यु की प्रशस्ति गाई गई हैं. पितरों का आह्वान किया जाता है कि वे पूजकों (वंशजों) को धन, समृद्धि एवं शक्ति प्रदान करें. पिंड का मतलब शरीर, देह और पीछा भी होता है. इससे बने कई मुहावरे प्रचलित हैं. जेसे पिंड छोड़ना यानी किसी को तंग करने की प्रवृत्ति का त्याग करना. पिंड न छोड़ना यानी लगातार साथ लगे रहना. पिंड पड़ना यानी बहुत अधिक आग्रह करना, पिंड छुड़ाना यानी पीछा छुड़ाना, छुटकारा पाना. इससे बना शब्द है पिंडज, जिसका मतलब है पिंड के रूप में उत्पन्न होनेवाला जीव, गर्भ से सजीव उत्पन्न होनेवाला जीव, जरायुज, अंडज और स्वेदज से भिन्न जीव जैसे मनुष्य, कुत्ता घोड़ा आदि. आपने पितरों को पिंडा देने की बात तो सुनी होगी, लेकिन पिंडा का मतलब शरीर, गोलमटोल टुकड़ा, वंशपत्री, एक प्रकार की कस्तूरी और फौलाद भी है.

नेताओं को नहीं डराती यह महंगाई डाइन

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

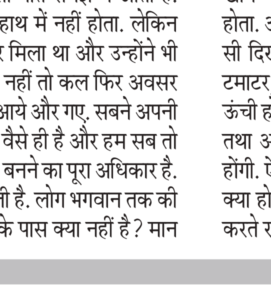

महंगाई ऐसी डाइन होती है जो सबसे ज्यादा गरीबों, किसानों और मजदूरों का ही शिकार करती है. बड़े लोगों, खासकर नेता की ओर यह देखती ही नहीं. ऐसी स्थिति में यह चाहें जितना तांडव मचाये बड़े लोग चैन से सोते रहते हैं. वहीं दूसरी ओर छोटे लोगों की रातों की नींद तक हराम हो जाती है. एक तरीके से कोहराम मच जाता है. नेताजी ने जब सुना कि लोग कह रहे हैं कि महंगाई आसमान छू रही है. आम लोग त्रस्त हैं. तो नेताजी ने अपने पर्सनल एडवाइजर (पीए) से पूछा कि आखिर ये आम लोग कौन हैं? और ये लोग क्यों त्रस्त हैं? सुना है कि कहीं-कहीं विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं. पीए बोला, आप काहे को टेंसन ले रहे हैं. इसमें आपके विरोधियों की मिली भगत है. आपकी तरक्की हजम नहीं कर पा रहे हैं. नेताजी ने कहा कि हमारी तथा हमारे भाई लोग की तरक्की पर विरोधी हल्ला-गुल्ला करते हैं तो बात समझ में आती है. क्योंकि तरक्की का अवसर उनके हाथ में नहीं होता. लेकिन भूल जाते हैं कि उन्हें भी यह अवसर मिला था और उन्होंने भी यथा-शक्ति तरक्की की और आज नहीं तो कल फिर अवसर मिलेगा ही. कितने ही लोग बाहर से आये और गए. सबने अपनी तरक्की की. फिर भी भारत आज भी वैसे ही है और हम सब तो भारत की सन्तान हैं तो हमें भी महान बनने का पूरा अधिकार है. पीए बोला, आलोचना तो सबकी होती है. लोग भगवान तक की आलोचना करते हैं. खैर आज आपके पास क्या नहीं है? मान है, शान है (भले ही ईमान नहीं है). नाम है , दाम है घर में भी और बाहर भी. पीए आगे बोला कि रही आम आदमी के त्रस्त होने की बात तो इसमें आपका कोई दोष नहीं है, क्योंकि आम आदमी जन्म से ही त्रस्त होता है. ये वे लोग हैं जो जीवन भर त्रस्त रहते हैं और त्रस्त रहते-रहते ही मर जाते हैं . इतना ही नहीं आम आदमी के बाप-दादा भी त्रस्त थे. और उनके समय में आप नहीं आपके पिता नेता थे. उन्होंने भी इनके बारे में कभी नहीं सोचा था. न ही समझे थे कि ये कौन हैं और क्यों त्रस्त हैं? दरअसल इन लोगों के बारे में सोचना ही नहीं चाहिये. इनका तन, मन और सोच सब कुंठित है. सिर्फ त्रस्त होने के अलावा ये न कुछ होते हैं और न ही कुछ जानते हैं. आप आसमान छुएं चाहे महंगाई (वैसे ये दोनों चीजें साथ-साथ होती हैं) ये त्रस्त होंगे. क्योंकि इन्हें ऊंचाई से नफरत है. इनका धन, मन, खान-पान, रहन-सहन, घर और सोच कुछ भी तो ऊंचा नहीं होता. आपको ऊँचाई प्रिय है. यह आपका ही प्रताप है कि छोटी सी दिखने वाली प्याज भी आसमान की ऊंचाई छू लेती है. टमाटर, मटर, दाल, चीनी, मतलब खाने-पीने की सब चीजें ऊंची हो जाती हैं. डीजल और पेट्रोल भी नई ऊंचाई को प्राप्त हैं तथा आपकी कृपा से सभी चीजें अभी और ऊंचाई को प्राप्त होंगी. ऐसे में जिसे ऊंचाई से नफरत है, वह त्रस्त नहीं तो और क्या होगा? अतः आप और आपके सहयोगी यथावत तरक्की करते रहें.

Her Story

भूतिया कहानियां हम सब अपने बालपन से सुनते आए हैं. माने या ना मानें, पर इन कहानियों के रोमांच से इंकार नहीं कर पाते. डर में भी आनंद का अनुभव होता है. यही कारण है कि ऐसी कहानियां बेस्ट सेलर बनती हैं, टीआरपी, लाइट, कमेंट्स बटोरती हैं. आइए, आज कुछ ऐसी ही कहानियां पढ़ें, हालांकि स्पष्ट कर दें कि हम भूत-प्रेत का समर्थन कदापि नहीं करते.

विंडो शॉपिंग

कुछ ऐसे आयटम हम ऑनलाइन मार्केट से छांट कर लाएं हैं जो प्रतिदिन के कामकाज, यात्रा या किसी को गिफ्ट देने के लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं. आइए, आप भी करें विंडो शॉपिंग...

इजी लाइफ के टूल्स

सेल्फ स्टरिंग मग

यह मग वर्कप्लेस, ट्रैवलिंग आदि के लिए परफेक्ट च्वॉइस है. किसी को उपहार देने के लिए भी ले सकती हैं. घर में यह मग बार-बार किचन में जाने की मशक़्क़त को भी कम कर देगा. यह एक बैटरी से चलने वाला मग है, जिसे आसानी से ऑन/ऑफ किया जा सकता है. ऑनलाइन मार्केट में 350 रुपए से 1000 रुपए तक की कीमत में यह सहजता से उपलब्ध है.

बैग री-सीलर

स्नैक्स या खाने-पीने के सामान को कोई पैकेट एक बार खुल जाता है तो फिर बचे को संभालने की मशक्कत करनी पड़ती है. खासकर मानसून में नमी के कारण इनके खराब होने, मुलायम होने आदि की समस्या होती है. ऐसे में चिप्स के पैकेट या किसी अन्य प्लास्टिक बैग को फिर से सील करने के लिए ये री-सीलर कमाल का है. इससे चीज़ें न ख़राब होगी और न ही मुलायम पड़ेगी. यह भी ऑनलाइन मार्केट में 350 रुपए से 1000 रुपए तक की कीमत में यह सहजता से उपलब्ध है.

सेल्फ हीटिंग बटर नाइफ

बटर को फ्रिज में रखना बाध्यता है. कई बार फ्रिज में रखे बटर को तुरंत निकालकर ब्रेड में लगाने पर वो अच्छे से लगता नहीं है. इस समस्या से राहत के लिए आप सेल्फ हीटिंग बटर नाइफ ले सकती हैं. बैटरी चालित यह चाकू ठंडे मक्खन को तुरंत पिछला देगा और ब्रेड में भी अच्छे से लग जाएगा. अमेजन डॉट इन पर यह 4500 रुपए में उपलब्ध है.

थम्ब होल बुक पेज होल्डर

आप या आपके परिजन किताबें पढ़ने के शौकीन हैं तो आपको ये बुक पेज होल्डर ज़रूर लेना चाहिए क्योंकि किसी भी मोटी बुक को ज़्यादा देर तक उंगलियों की मदद से खुला रखना आसान नहीं होता है. मगर इस होल्डर के ज़रिये ये आसान हो सकता है. यह भी ऑनलाइन मार्केट में सहजता से उपलब्ध है. 150 रुपए से 1000 रुपए तक में कई विकल्प उपलब्ध हैं.

सोप टेबलेट

कार, ट्रेन या फ़्लाइट में रोज़ाना इस्तेमाल करने वाला साबुन ले जाना न तो अच्छा लगता है और न ही इनका इस्तेमाल यात्रा के दौरान सुविधाजनक होता है. इस्तेमाल के बाद गीले साबुन को रखना भी एक अलग समस्या देता है. पेपर सोप भी अधिक संतुष्टि नहीं देता. ऐसे में सोप टैबलेट्स आपके काम आएंगे. ऑनलाइन मार्केट में यह 150 रुपए से 250 रुपए तक में उपलब्ध है.

ओनियन होल्डर

सलाद के लिए पतले-पतले और समान मोटाई के प्याज स्लाइस काटने के लिए यह बहुत काम की चीज है. यह भी ऑनलाइन मार्केट में 299 रुपए से 399 रुपए तक में खरीदा जा सकता है.

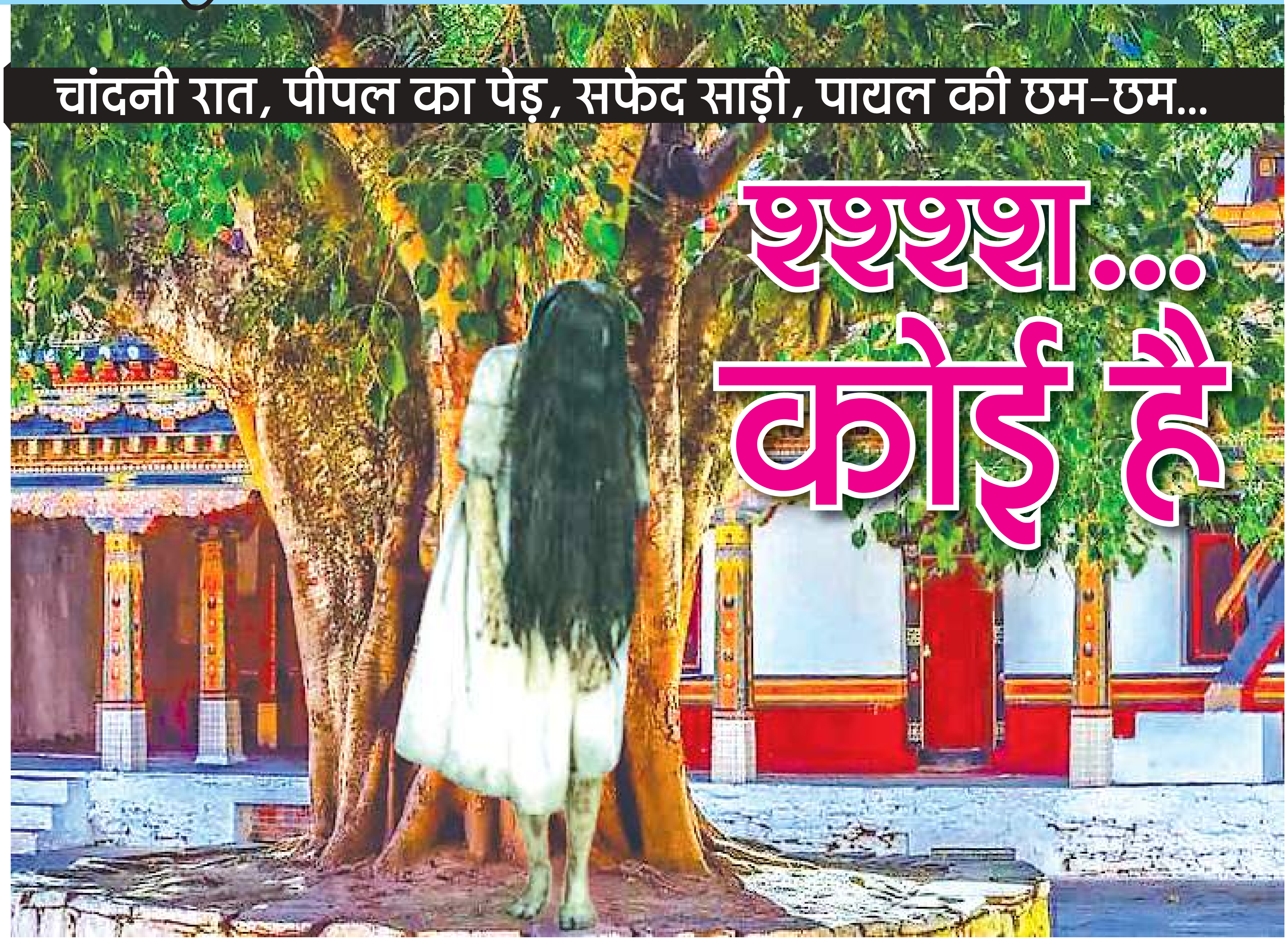

चांदनी रात, पीपल का पेड़, सफेद साड़ी, पायल की छम-छम...

श्श्श्श... कोई है

भरी दोपहरी का सन्नाटा में सुंदर साड़ी पहनी भूतनी

अनिता महतो

एक बार की बात है जेठ की भरी दोपहरी में रिश्तेदार के यहां जाना हुआ. पूरे रास्ते घुप्प सन्नाटा था. राह में कभी कभार कोई मोटरसाइकिल वाला मिल जाता था. मैं रास्ते भर इस सन्नाटे पर झल्लाती रही कि ऐसी जगहों पर पता नहीं किसने रिश्तेदारी जोड़ी थी, गांव की पगडंडियों से होकर गुजर ही रही थी रास्ते में गाड़ी खराब हो गई. पति ने मनचाही मजदूरी देने का वादा कर मेकेनिक बुलाया. मेकेनिक आने में देरी थी तो मैंने सोचा गांव की हरियाली का आनंद लिया जाए, और भरी गर्मी से राहत के लिए बैठने की जगह तलाशने लगी. अनायास ही एक हरे भरे विशाल बरगद के पेड़ ने मेरा ध्यान खींचा और मैं उसकी छाया में बैठ गई. उस पेड़ के नीचे एक अजीब सा सुकून था. ठंडक थी. कभी कभी भय सा महसूस होता था. एसी से भी अधिक ठंडक के कारण मैं सिहर सी गई. तभी बिरले ही पार हो स्थानीय राहगीर मुझे अजीब सी निगाहों से देखने लगे.

खैर, मैकेनिक गाड़ी बना चुका था और पतिदेव गाड़ी नजदीक ले आए. मैं गाड़ी पर बैठी और हम दोनों अपने रिश्तेदार के यहां पहुंचे. उनके घर पहुंचते ही मेजबानी शुरू हो गई. बातों ही बातों में मैंने उनके सामने बरगद के पेड़ की चर्चा की. मेरे रिश्तेदार मुझपर गुस्सा करने लगे कि आखिर तुम वहां गई ही क्यों थी? तुम्हें पता नहीं कि उसमें कीचिन (महिला प्रेत) रहती है, वो किसी को अपने नजदीक आने नहीं देती. पता है आज तो दोपहर में कुछ लोगों ने उसे अपनी आंखों देखा है, सुना है आज सुन्दर साड़ी पहनकर बैठी थी. उसे देख सब दुम दबाकर भागे. किसी कि उधर मुंह करके देखने की हिम्मत नहीं हुई.

मैं मुस्कुरा कर उनकी बातें सुनती गई. अब उन्हें किस मुंह से बताती कि अनजाने में मैं ही दोपहर में वहां बैठी थी.

आग की लौ के साथ चल रहा था सफेद चादर वाला वह भूत

डॉ रजनी शर्मा 'चंदा'

उस वक्त की बात है जब मेरी नई-नई शादी हुई थी और गर्मियों के दिन थे. बाढ़ (बिहार) में जहां मेरा ससुराल है उसके एकदम बगल में कब्रिस्तान है. रात में मुझे उस ओर देखने में भी डर लगता था. बिहार में पड़ने वाली भीषण गर्मी और उस पर बिजली का बार-बार जाना....समझा जा सकता है कि एक नई बहू की क्या हालत होती होगी. रात में गरमी अपनी चरम अवस्था पर थी और तभी लाइन कट गई. धीरे-धीरे करके घर के सभी लोग छत पर सोने चले गए. यहां तक कि मेरे पतिदेव भी छत पर सोने चले गए. अब इतने भरे-पूरे घर में नीचे केवल मैं ही सोई थी. अकेले सोने के कारण मुझे थोड़ा डर भी लग रहा था. रात में हल्की नींद आई थी कि अचानक प्यास से नींद टूट गई. मैंने देखा कि लोटा में रखा पानी भी खत्म हो चुका है. रसोई घर जहां बाल्टी में पानी रखा था उसे लेने आंगन पार करके जाना पड़ता था. मैं डरते-डरते लोटा लेकर रसोई घर में गई. लौटते वक्त बाहर कब्रिस्तान की ओर से कुछ खरखराने की आवाज आई और मैं तेजी से घर के अंदर की ओर लपक कर जाने लगी. इतने में क्या देखती हूं कि आंगन में कोई सफेद रंग की चादर में लिपटा हुआ आग की लौ के साथ चला जा रहा है. मैं डर के मारे थर-थर कांपने लगी और मेरे मुंह से आवाज तक नहीं निकल रही थी. घबराहट के मारे मेरे हाथ से लोटा गिर पड़ा और जब दोबारा नजरें उठाकर चारों ओर देखी तो वहां कोई नहीं नजर आ रहा था. डर के मारे मेरी घिग्घी बंध गई और मैं वहीं बेसुध हो कर बैठ गई. लोटा गिरने की आवाज से छत पर से मेरे पति और कुछ लोग दौड़कर मेरे पास आए. मेरे मुंह से बिल्कुल भी आवाज नहीं निकल रही थी. मैं बस आंगन की ओर उंगली दिखाकर भूत-भूत बोल रही थी. इन्होंने मुझे पानी पिलाया और पूछा कि क्या हुआ मैंने रोते-रोते बताया कि एक सफेद चादर में भूत आग की लौ पकड़ कर आंगन की ओर से सामने वाले कमरे में गया है. मेरी सासू मां मुझे पकड़ कर बैठी रहीं और पतिदेव मैंने जिधर इशारा किया उधर लालटेन लेकर देखने गए. उधर सामने के कमरे में उन्होंने देखा कि उनकी भतीजी सफेद चादर ओढ़ कर जमीन पर लेटी हुई है और पास में ही एक बुझा हुआ दिया रखा हुआ है. उन्होंने भतीजी को उठाया और हंसते-हंसते मेरे पास ले कर आए और कहा कि यह देखिए आपके दिमाग में बैठा भूत यहां है. सभी मेरे ऊपर हंसने लगे और मैं झेंप गई.

पीछे-पीछे दौड़ रही थी वह भूतनी

रेणु झा रेणुका

उस दिन हमारे दो कर्मचारी छुट्टी लेकर होली में घर चले गए, दो दिन पहले! एक मैनेजर संदीप था जो हमारे मिलों की देखभाल करता. उसका घर मिल के पीछे ही था. घर में तय हुआ कि संदीप और उसकी पत्नी का भोजन अभी होली तक यहीं बनेगा और रात में संदीप मिल में ही सो जाएगा. हमारे मिल के सामने रोड के उस पार थोड़ी दूर पर एक तालाब था, अभी भी है, एक खूबसूरत नर्सरी थी. उस रात संदीप खाना खाकर जा चुका था, उसकी पत्नी रिया मेरी बहनों से बातें करने लगीं. मां बोली, ग्यारह बजे हैं जाओ रिया तुम भी सो जाना और ये पानी की बोतल संदीप को देते जाना, वो ले जाना भूल गया. मैं और मेरी मां उसे थोड़ी दूर छोड़ आए. रास्ते पर बिल्कुल सन्नाटा पसरा था. बस! तालाब से पानी बहने की आवाज आ रही थी. रिया पानी का बोतल लिए ही घर चली गयी. करीब दो बजे रात को उसकी आंख खुली तो वो संदीप को पानी देने गई, चारो ओर सन्नाटा, चांदनी रात. तभी इसे एक बच्चे की रोने की आवाज आने लगी, जिसे सुन कर वह तालाब की तरफ चली गई. वहां एक औरत घूंघट निकाले पानी की धार में कपड़े साफ कर रही थी, उसका चेहरा विपरीत दिशा में था और उसी ओर नवजात शिशु भी पानी की धारा पर रो रहा था. ये बोली, तुम कैसी औरत हो बच्चे को चुप कराओ! वो औरत कपड़ा धोती रही, ये फिर बोली! बच्चा चुप कराओ! बहरी हो क्या? अब वो औरत उठी, बच्चे को उठाया, तब तक रिया की नजर उसके पैरों पर पड़ी, जो थे ही नहीं! अब रिया डर गई और भागने लगी! वो भूतनी भी रिया के पीछे-पीछे! वो घर में घुसीं और दरवाजा बंद करने लगी लेकिन वो भूतनी भी बाहर से जोर लगा रही थी. इसी बीच रिया अचेत हो गई. सुबह पड़ोसियों ने हमें खबर दी! रिया को देखने हम भी गए, निस्तेज शरीर, शून्य का निहारती आंखे.

बाद में किसी तांत्रिक को बुलाया गया. यह घटना कितनी सच है और कितनी काल्पनिक मुझे आज तक नहीं पता चला. इसके बारे में रिया ने ही बताया था और वह कितना सच कह रही थी, कितना भ्रम का शिकार हुई, यह किसी को पता नहीं लेकिन आज भी उस घटना की याद आते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं.

पीपल का पेड़ और मिट्टी के वो ढेले

रूणा रश्मि 'दीप्त'

जब हम छोटे थे, हमारे गांव से कुछ रिश्तेदार आते थे जो हमें भूतों की कहानियां बहुत सुनाते थे, उसे अपनी आपबीती बताकर. हम सब डरते-डरते मां के आंचल में सिमटते सुनते और उस कहानी का आनंद भी बहुत लेते थे.

लेकिन अभी जो मैं आप लोगों को बताने जा रही हूं, वह सुनी सुनाई घटना नहीं है. यह हम सब की आपबीती है. अभी यकीन तो नहीं होता कि यह सब कुछ हमारे साथ घटित हुआ था लेकिन सच्चाई तो यही है.

बात वर्षों पुरानी है. हम सब छोटे-छोटे थे. पटना के कंकड़बाग में हम किराए के मकान में रहते थे. बहुत बड़ा कैंपस था उस मकान का. पड़ोस के घर में एक पीपल का पेड़ हमारी दीवार से सटा हुआ ही था, जिसकी शाखाएं हमारी तरफ ही ज्यादा थीं. उसके कारण जाड़े में हमारी बालकनी में धूप बाधित होती थी. एक दिन हमारी पहचान के कुछ नवयुवकों ने उस पेड़ को काट दिया. उनके इस कार्य पर घर और पास पड़ोस के लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली. अभी उस घटना को दो-तीन दिन ही बीते थे कि अचानक एक सुबह हमारे कमरे के भीतर जहां हम सब सुबह बैठकर पढ़ाई कर रहे थे, मिट्टी के ढेले बाहर से आकर गिरे. पहले तो सभी को लगा शायद किसी बच्चे की शरारत है. बाहर जाकर देखने पर कोई कहीं नहीं दिखा. चारों तरफ देखकर मां और हमारे मामाजी अंदर आ गए. ज्यों ही उन्होंने कहा कि कोई भी तो नहीं है, पता नहीं किसने यह शरारत की है, तभी धड़ाधड़-धड़ाधड़ कुछ और ढेले आकर गिरे. सभी हतप्रभ थे. हम भाई-बहन तो सहमे से खड़े थे.

दिन से लेकर रात तक थोड़ी-थोड़ी देर पर यह सिलसिला चलता रहा. अब तो पूरा मुहल्ला ही हमारी इस परेशानी में शामिल हो गया. किसी को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है. आसपास के घरों के छतों पर जाकर भी देखा, कहीं कोई संदिग्ध नहीं दिखा.

अब तो बात भूत-प्रेत की होने लगी. इस घटना को पीपल के पेड़ को काटने से जोड़ा गया. पंडित को बुलाकर सभी ने इसका निदान पूछा. पंडित जी ने भी पीपल के पेड़ के साथ ही इसका जुड़ाव बताते हुए पूजापाठ की कुछ विधियां बताईं. इन क्रियाकलापों में उन्हें ही अग्रणी होने का निर्देश मिला जो पेड़ काटने में भी अग्रणी की भूमिका में ही थे.

खैर! हम सबके स्नेह में आकर, न चाहते हुए भी वे इस पूजा-विधान में सम्मिलित हुए. समस्त क्रियाओं के अंत में उन्हें उस पीपल की जड़ों में जल देकर क्षमा मांगनी थी. सभी कार्य निर्देशानुसार करने के पश्चात अंत में उन्होंने पीपल के उस कटे वृक्ष पर अपनी खीझ भी उतार ली. उनका ऐसा करना था कि मिट्टी के वैसे ही ढेले पुनः उनके सम्मुख आकर गिरे. वहां खड़े सभी लोग अचरज से देखते रह गए. आज भी उस घटना को याद कर हम सब आश्चर्यचकित होते हैं. वो पहेली दशकों बीतने के पश्चात भी अनसुलझी ही है.

हजारीबाग से हॉलैंड तक वार्डरोब में मैक्सी की ठसक

अनामिका सिंह
फैशन डिजाइनर

हजारीबाग से हॉलैंड तक की महिलाओं के वार्डरोब में मैक्सी ड्रेस वैसे ही समान रूप से मौजूद नजर आती है जैसे ब्रेड बटर और कॉर्नफ्लैक्स यूनिवर्सल ब्रेकफास्ट से बन गए हैं. हॉलीवुड-बॉलीवुड की सेलिब्रिटी हो या आप, कंफर्ट और स्टाइल के कारण वार्डरोब में मैक्सी ड्रेस न केवल रखती हैं, बल्कि पहनने के बहाने भी ढूंढती हैं. पार्टी-फंक्शन से मैटरनिटी फेज तक यह ड्रेस हम सबकी पसंदीदा है.

जानिए इतिहास

16 वीं शताब्दी में अपनी झलक दिखा चुकी मैक्सी 17 वीं शताब्दी में कुछ बदलाव के साथ सामने आई. तब और आज की मैक्सी ड्रेस में बहुत अंतर है. तब टॉप और स्कर्ट आपस में अटैच्ड नहीं होते थे. टॉप के साथ लॉन्ग या एंकल लेंग्थ स्कर्ट होती थी. स्कर्ट के भीतर तीन लेयर की स्कर्ट होती जिससे पफ लुक मिलता था. ब्रिटिश कलोनियल एरा में यह इंफॉर्मल ड्रेस के रूप में सामने आया था. डिजाइनर ऑस्कर डी ला रेंटा ने 1968 में हॉलीवुड स्टार एलिजाबेथ आर्डेन के लिए मैक्सी बना कर उसकी वापसी की. इसबार इसके अपर और लोअर पार्ट्स अटैच्ड थे. सत्तर के दशक की बॉलीवुड फिल्मों में भी मैक्सी ड्रेस खूब नजर आए. फिर अचानक अस्सी के दशक में यह ड्रेस फैशन से गायब सी हो गई. नब्बे के दशक मिनी स्कर्ट का था जिसमें मैक्सी की खूबसूरती भूला दी गई थी. वर्ष 2008 में फैशन मैग्जीन्स में "मैक्सी ड्रेस वापस" के हेडलाइंस चमके पर धरातल पर वापसी वर्ष 2014 में हुई.

फर्क नाइटी और मैक्सी का

मैक्सी कई बार नाइटी के साथ अपनी पहचान **गडमडाने** लगती है. मां-फुआ के जमाने में कई बार नाइटी को भी मैक्सी कह दिया जाता था. बेशक दोनों वेस्टर्न ड्रेस हैं, पर नाइटी में योक अटैच्ड होता है. नाइटी ए लाइन कट की होती है. जबकि मैक्सी ड्रेस वेस्ट में फिटेड होती है. इसके वेस्ट में इलेस्टिक, बेल्ट आदि का इस्तेमाल होता है और लोअर पार्ट पफी होता है. मैक्सी का अपर पार्ट नाइटी की तरह फ्लोइंग नहीं होकर ब्लाउज फिटेड होता है.

यह है स्टाइल

मैक्सी ड्रेस को कुछ अलग अंदाज में कैरी करना चाहती हैं तो आप्शंस अनलिमिटेड हैं. फ्रंट बटन वाली मैक्सी को सिगरेट पैंट या जींस के साथ कैरी करें. लॉन्ग स्लग की तरह पहनी गई मैक्सी डिफरेंट लुक देगी. चाहे तो फ्रंट के बटन घुटने तक रखें. यदि इंडोवेस्टर्न लुक चाहती हैं तो मैक्सी के साथ लोअर में धोती सलवार सा प्लाजो कैरी करें. पार्टी में ड्रीमी व्हाइट लुक के लिए साटन, क्रेप, शिफॉन या सिल्क फैब्रिक में लेस और नेट से सजी व्हाइट मैक्सी पहन कर देखें. दुबली-पतली हैं तो ऑर्गेंजा भी ट्राई कर सकती हैं. नॉमर्ल कट के अलावा एम्पेरेल वेस्ट लाइन या हाईवेस्टलाइन मैक्सी उनके लिए परफेक्ट है जो प्रेग्नेंट हैं या थोड़ी मोटी कमर वाली हैं.

घर में कीड़े-मकोड़े व कॉक्रोच की नो इंट्री

बरसात के दिनों में कीड़े-मकौड़ों के घर में प्रवेश की आशंका बनी रहती है. इससे बचने के कुछ टिप्स...

पोछे के पानी में एक चम्मच सिरका और एक चम्मच बेकिंग सोडा मिला लें और फिर पोछा करें. इससे सारे कीड़े-मकोड़े तो दूर रहेंगे ही, पूरे दिन एक फेशनेस सी रहेगी. पोछे के पानी में एक नींबू और दो चम्मच नमक मिला कर पोछा करने से भी चीटियां और कॉकरोच दूर रहेंगे. एक चम्मच बेकिंग सोडा और आधा चम्मच पिसी हुई चीनी का मिश्रण बनाकर घर के कोनों और उन दरारों में डाल दें जहां कॉकरोज दिखाई देते हैं. कॉकरोच भाग जाएंगे. थोड़े से गर्म पानी में 2 चम्मच हल्दी, 1 कप नीम का तेल और 5 चम्मच नींबू के रस को अच्छी तरह से मिला लें. अब इस मिश्रण को रात में सोने से पहले उस जगह पर स्प्रे करें जहां से कॉकरोच बाहर आ रहे हैं. नीम के पत्तों या तेजपत्ता का पाउडर भी काक्रोच-कीड़ों को भगाता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस ओलंपिक में भी भारतीय खिलाड़ी अपना दम दिखाएंगे: मोदी

एजेंसी। मॉस्को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्व कप क्रिकेट में भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए मंगलवार को विश्वास जताया कि पेरिस ओलंपिक में भी भारतीय खिलाड़ी अपना दम दिखाएंगे.

यहां भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने युवाओं के आत्मविश्वास को भारत की असली पूंजी करार दिया और कहा कि यही युवा शक्ति देश को 21वीं सदी की नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाने का सबसे बड़ा सामर्थ्य रखती है. प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय के लोगों से कहा कि निश्चित तौर पर उन्होंने भी भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20

विश्व कप क्रिकेट का फाइनल मुकाबला देखा होगा और जीत का जश्न भी मनाया होगा. उन्होंने कहा, विश्व कप जीतने की असली कहानी जीत की यात्रा भी है. आज का युवा भारत आखिरी बॉल तक और आखिरी पल तक हार नहीं मानता है. और विजय उन्हीं के चरण चूमती है

खास बातें

- आज का युवा भारत आखिरी बॉल तक हार नहीं मानता है
- युवा शक्ति में देश को नयी ऊंचाई तक पहुंचाने का सामर्थ्य

जो हार मानने को तैयार नहीं होते हैं. भारत ने बारबाडोस में संपन्न हुए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को पराजित कर अपना दूसरा टी20 विश्व कप जीता और आईसीसी ट्रॉफी का 11 साल का इंतजार खत्म किया. भारत ने पिछला आईसीसी खिताब 2013 में जीता था जब उसने महेंद्र सिंह धौनी के नेतृत्व में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी. भारत की इस जीत का जश्न देशभर में मनाया गया. भारत पहुंचने पर खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत हुआ.

प्रधानमंत्री ने भी खिलाड़ियों से मुलाकात की थी. इसके बाद भारतीय टीम के स्वागत के लिए मुंबई में विजय जुलूस (विक्ट्री परेड) भी निकाला गया. प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भावना सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है बल्कि दूसरे खेलों में भी दिख रही है. पिछले 10 सालों में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार देते हुए उन्होंने कहा कि इस बार पेरिस ओलंपिक में भी भारत की तरफ से एक शानदार टीम भेजी जा रही है. उन्होंने कहा, आप देखिएगा, पूरी टीम... सारे खिलाड़ी कैसे अपना दम दिखाएंगे. भारत की युवा शक्ति का यही आत्मविश्वास भारत की असली पूंजी है. और यही युवा शक्ति भारत को 21वीं सदी की नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाने का सबसे बड़ा सामर्थ्य रखती है.

पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच खेले जाएंगे. भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तोक्यो ओलंपिक में रहा है जिसमें भालाफेंक में नीरज चोपड़ा के ऐतिहासिक स्वर्ण समेत सात पदक जीते.भारत के 100 से अधिक खिलाड़ियों ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है जिसमें 21 निशानेबाज हैं.

बल्लेबाज सूर्यकुमार पत्नी के साथ उडुपी मंदिर पहुंचे

एजेंसी।उडुपी

भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पत्नी दिविशा शेट्टी के साथ मंगलवार को उडुपी जिले के कापू मारिगुडी मंदिर गए और टी20 क्रिकेट विश्व कप जीतने पर विशेष पूजा की. सूर्यकुमार और दिविशा सोमवार को मेंगलुरु पहुंचे थे. उन्होंने हवाई अड्डे पर ही केक काटकर अपनी शादी की आठवीं सालगिरह मनाई थी. दिविशा मूल रूप से दक्षिण कन्नड़ के तटीय क्षेत्र की रहने वाली है. मंदिर के अधिकारियों के अनुसार दिविशा ने भारत के टी20 विश्व कप जीतने पर अपने पति के साथ कापू मारिगुडी मंदिर जाने का संकल्प लिया था.

उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार और दिविशा ने देवी कापू मरियम्मा को चमेली के फूलों की माला चढ़ाई और परिवार के लिए आशीर्वाद मांगा. इस दौरान दिविशा को मंदिर में तुलु भाषा में बात करते देखा गया. सूर्यकुमार ने तुलु में भी बोलने की कोशिश की, जिससे मंदिर के अधिकारियों को सुखद आश्चर्य हुआ.

ब्रीफ खबरें

गुकेश के लिए रैपिड में बेहतर प्रदर्शन का मौका

जगरेब (क्रोएशिया)। विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर डी गुकेश के पास ग्रैंड शतरंज टूर के तहत खेले जा रहे सुपर युनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में रैपिड वर्ग में अपना प्रदर्शन सुधारने का मौका है जबकि विदित गुजराती वाइल्ड कार्ड के जरिये उनसे जुड़ेंगे. गुकेश का सामना विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले में 20 नवंबर को चीन के डिंग लिरेन से होगा. गुकेश का प्रदर्शन क्लासिकल प्रारूप में बेहतरीन रहा है लेकिन तेज रफ्तार वाले प्रारूप में वह लय नहीं बना सके हैं. विश्व चैम्पियनशिप में मुकाबला टाईरहने पर रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज के तेज समय नियंत्रण में मुकाबले खेले जायेंगे. रैपिड और 18 अंडर ब्लिट्ज शतरंज नियमों के तहत नौ दौर में खेले जाने वाले 175000 डॉलर ईनामी राशि के इस टूर्नामेंट में गुजराती को वाइल्ड कार्ड मिला है.

पंजाब एफसी ने मीतेई और निहाल के साथ अनुबंध किया

मोहाली। पंजाब एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आगामी सत्र से पहले निंथोइंगनबा मीतेई और निहाल सुदेश के साथ करार किया है.क्लब ने मंगलवार को यह जानकारी दी.चेन्नईयिन एफसी और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के लिए खेल चुके भारतीय खिलाड़ी निंथोइंगानबा के साथ क्लब ने तीन साल का करार किया है जो 2027 सत्र तक चलेगा. उन्होंने 81 मैचों में तीन गोल किये हैं. पिछले सत्र में केरल ब्लास्टर्स के साथ आईएसएल में पदार्पण करने वाले सुदेश अपने करियर भारतीय नौसेना, एफए कोचीन और केरल ब्लास्टर्स की युवा टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं.पंजाब एफसी के निदेशक निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, 'हम आगामी सत्र के लिए इन दोनों खिलाड़ियों के साथ करार करके खुश हैं.

पीसीबी ने गैरी कर्स्टन व गिलेस्पी को खुली छूट दी

लाहौर। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने मंगलवार को मुख्य कोच गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी को टीम की किस्मत बदलने के लिए खुली छूट दे दी. सूत्रों ने यह जानकारी दी. पाकिस्तान अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए विश्व कप के ग्रुप चरण में अमेरिका की नई नवेली टीम के अलावा भारत से हारकर सुपर आठ चरण में जगह बनाने में नाकाम रहा था. नकवी ने सीमित ओवरों के प्रारूप और टेस्ट टीम के कोच से मुलाकात की. कर्स्टन और गिलेस्पी ने राष्ट्रीय टीम के लिए अपनी योजनाएं साझा कीं.पीसीबी के अनुसार नकवी ने दोनों कोचों से कहा कि उन्हें उन पर पूरा भरोसा है .

जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरा टी-20 मुकाबला आज

गिल के साथ जायसवाल के बल्लेबाजी क्रम पर फोकस

एजेंसी।हरारे

टी20 विश्व कप विजेता खिलाड़ियों की वापसी के साथ जिम्बाब्वे के खिलाफ बुधवार को यहां तीसरे टी20 मैच में भारतीय टीम के लिए यशस्वी जायसवाल और अभिषेक शर्मा में से एक का चयन काफी मुश्किल होगा. जायसवाल, संजू सैमसन और शिवम दुबे टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा थे. उनकी वापसी से टीम मजबूत हुई है, जिसने दूसरे मैच में 100 रन से जीत दर्ज करके श्रृंखला में वापसी की थी. बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने दूसरे मैच में 46 गेंद में शतक लगाया. वैसे भारत की पहली पसंद की टी20 टीम में रिजर्व सलामी बल्लेबाज होने के कारण जायसवाल का शुभमन गिल के साथ पारी की शुरुआत का दावा पुख्ता लगता है. जायसवाल ने 17 टी20 मैचों में एक शतक और चार अर्धशतकों के साथ 161 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं. वैसे ऐसा होता नहीं है कि एक यादगार पारी खेलने के बाद बल्लेबाज को अगले मैच में बाहर कर दिया जाए. वैसे मनोज तिवारी और करुण नायर यह झेल चुके हैं. तिवारी को वेस्टइंडीज के खिलाफ 2011 में पहले वनडे शतक के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था जबकि नायर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक लगाने के बाद टीम में जगह नहीं पा सके थे. वैसे कप्तान गिल अंडर 14 दिनों के अपने सबसे

यशस्वी जायसवाल

अच्छे दोस्त के साथ यह नाइंसाफी होने नहीं देंगे. ऐसे में दो खब्बू बल्लेबाजों में से एक को बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतरना होगा. राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले सैमसन को पांचवें नंबर पर उतरना पड़ सकता है और रुतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर उतारा जा सकता है. अंतिम एकादश में जायसवाल को बी साइ सुदर्शन की जगह मिल सकती है जो पहले दो मैचों के लिए ही चुने गए थे. वहीं सैमसन को ध्रुव जुरेल की जगह मिलेगी. टी20 विश्व कप में अंतिम एकादश का हिस्सा रहे शिवम दुबे को रियान पराग की जगह उतारा जा सकता है. जहां तक जिम्बाब्वे का सवाल है तो उसे अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा. हरारे स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर अतिरिक्त उछाल में स्पिनर रवि बिश्नोई और वाशिंगटन सुंदर को खेलना मुश्किल हो रहा था. मेजबान कप्तान सिकंदर रजा चल नहीं पा रहे जबकि बाकी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों का सामना करने में सक्षम नहीं दिख रहे. पहले मैच में 13 रन से अप्रत्याशित हार झेलने के बाद भारतीय टीम ने समय पर चेतते हुए पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ खेला. कप्तान गिल को पहले दो मैचों में मिली नाकामी के बाद एक अच्छी पारी खेलनी होगी.

टीमें

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा, रूतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, मुकेश कुमार, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, खलील अहमद, तुषार देशपांडे.

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), फराज अकरम, ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, टेंडाइ चतारा, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट केइया, क्लाइव एम, वेसली मेदेवेरे, टी मारूमानी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्रेंडन मावुता, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डियोन मायर्स, एंटम नकवी, रिचर्ड एंगारावा, मिल्टन शुम्बा.

मैच का समय : शाम 4.30 बजे से.

आईसीसी ने जारी की सूची, दी बधाई

जसप्रीत बुमराह, स्मृति मंधाना जून महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये

एजेंसी।दुबई

टी20 विश्व कप में भारत के विजयी अभियान के नायक रहे जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को जून महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना.भारत के लिए यह दोहरी खुशी का मौका था क्योंकि महिला टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना को इस वैश्विक संस्था ने 'जून महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी' चुना. मंधाना को यह पुरस्कार पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में बल्ले सब दमदार प्रदर्शन करने पर दिया गया. बुमराह ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज को पछाड़कर यह खिताब जीता जबकि मंधाना ने इंग्लैंड की माइया बाउचर और श्रीलंका की

विस्मी गुणारत्ने को पीछे छोड़कर महिलाओं का पुरस्कार जीता. आईसीसी ने यहां जारी बयान में कहा कि पिछले महीने टी-20 विश्व कप में 15 विकेट चटकाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये बुमराह ने जून के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार भी जीता है.आईसीसी के बयान में बुमराह ने कहा, ''मुझे जून के लिए आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने जाने पर खुशी हो रही है.' उन्होंने कहा, '' अमेरिका और वेस्टइंडीज में कुछ यादगार सप्ताह बिताने के बाद मेरे लिये यह विशेष सम्मान है. एक टीम के तौर पर हमें जश्न मनाने के काफी मौके मिले और इस में योगदान देकर मुझे अच्छा लगा. बुमराह ने टी20 विश्व कप में 8.26 की औसत से विकेट चटकाये जबकि महज 4.17 रन प्रति ओवर के हिसाब से रन दिये.महिला वर्ग में मंधाना ने बेंगलुरु में पहले एकदिवसीय में 117 रन की शानदार पारी खेली.

यूक्रेन पर मिसाइल हमले से चिंतित स्वितोलिना

एजेंसी।लंदन

विम्बलडन क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बावजूद यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना के चेहरे पर खुशी नहीं थी क्योंकि वह अपने देश पर रूस के मिसाइल हमले को लेकर काफी चिंतित दिखीं. स्वितोलिना ने वांग शिन्यु को 6.2, 6.1 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई. उनका कहना था कि यह जीत उनके देश के लोगों के अंधेरे जीवन में रोशनी और खुशी की एक किरण लेकर आएगी.

स्वितोलिना की दादी, चाचा और कई रिश्तेदार यूक्रेन में हैं. रूस की दर्जनों मिसाइलों ने यूक्रेन के पांच शहरों पर

हमला किया जिसमें अपार्टमेंट और राजधानी कीव में बच्चों का एक अस्पताल शामिल है. इस हमले में कम से कम 31 लोग मारे गए और 150 से अधिक घायल हुए हैं. स्वितोलिना ने कहा, मेरे लिए यहां रहना मुश्किल है. मैं अपने कमरे में रहना चाहती हूं क्योंकि इतनी सारी भावनायें उमड़ रही हैं. ऐसे दुख भरे दिनों में कुछ करने का मन नहीं करता.मेरे लिए यह ऐसा ही दिन है. उन्होंने अपने मैच के दौरान अपनी सफेद कमीज पर काली रिबन बांध कर खेला.

विम्बलडन : टेलर फ्रिट्ज ने ज्वेरेव को हराया, जोकोविच ने भी अपने मैच जीते

एजेंसी।लंदन

अमेरिका के 13वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने दो सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए दो बार के ग्रैंडस्लैम उपविजेता अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4. 6, 6 . 7, 6 . 4, 7 . 6, 6 . 3 से हराकर विम्बलडन पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. अब उनका सामना 25वीं वरीयता प्राप्त इटली के लोरेंजो मुसेत्ती से होगा जो पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम में अंतिम आठ में पहुंचे हैं. फ्रिट्ज को विम्बलडन 2022 में रफेल नडाल ने हराया था. दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स डि मिनौर ने भी

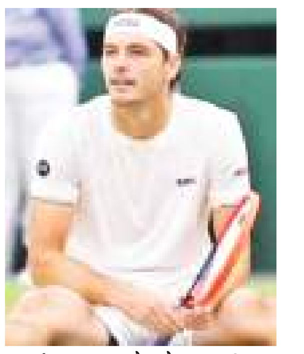

क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया, जहां उनका सामना सात बार के चैम्पियन नोवाक जोकोविच से होगा. जोकोविच ने होल्गर रूने को 6 . 3, 6 . 4, 6 . 2 से हराया. दर्शक रूने के नाम के नारे लगा रहे थे और जोकोविच की हूटिंग भी हुई लेकिन इससे वह विचलित नहीं हुए. महिला वर्ग में इटली की जैसमीन पाओलिनी ने जियोवान्नि एम पेरिकार्ड को 4 . 6, 6 . 3, 6 . 3, 6 . 2 से हराया. एलेना रिबाकिना को अगले दौर में जगह मिल गई जब उनकी प्रतिद्वंद्वी अन्ना कालिंस्काया ने कलाई की चोट के कारण कोर्ट छोड़ दिया. अब उनका सामना एलिना स्वितोलिना से होगा जिन्होंने वांग शिन्यु को 6 . 2, 6 . 1 से हराया. वहीं बारबरा क्रेइसिकोवा ने डेनियेले कोलिंगस को 7 . 5, 6 . 3 से और येलेना ओस्टापेंको ने यूलिया पुतिनत्सेवा को 6 . 2, 6 . 3 से मात दी.

यूरो कप: आज दूसरे सेमीफाइनल मैच में नीदरलैंड से भिड़ेगा इंग्लैंड

यूरोपीय चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाना चाहेगा इंग्लैंड

एजेंसी।टर्मंड (जर्मनी)

इंग्लैंड बुधवार को यहां दूसरे सेमीफाइनल में जब नीदरलैंड से भिड़ेगा, तो उसकी नजरें लगातार दूसरे यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के फाइनल में जगह बनाने पर टिकी होंगी. पहला सेमीफाइनल मंगलवार को स्पेन और फ्रांस के बीच खेला जाएगा. फाइनल रविवार को होना है.क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड और नीदरलैंड दोनों ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत दर्ज की थी. इंग्लैंड ने निर्धारित और अतिरिक्त समय में मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद स्विट्जरलैंड को पेनल्टी शूट आउट में हराया था जबकि नीदरलैंड ने तुर्की को 2-1 से हराकर बाहर का

रास्ता दिखाया था.नीदरलैंड के खिलाफ हालांकि इंग्लैंड की राह आसान नहीं होगी. टूर्नामेंट में इंग्लैंड के खिलाफ अब तक खेलने वाली टीमों में नीदरलैंड की रैंकिंग सबसे बेहतर है। इंग्लैंड ग्रुप चरण में सर्बिया, डेनमार्क और स्लोवेनिया के खिलाफ खेला था जबकि नॉकआउट मुकाबलों में उसकी भिड़ंत स्लोवाकिया और स्विट्जरलैंड के साथ हुई. इंग्लैंड अब तक बाएं छोर से कीरन ट्रिपर पर निर्भर रहा है जबकि स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच में ल्यूक शॉ फरवरी में चोटिल होने के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मैच में उतरे. इंग्लैंड के मैनेजर गैरेथ साउथगेट को फैसला करना होगा कि वह पिछले मैच में निलंबित मार्क गुही की जगह खेले एजरी कोन्सा को फिर मौका देते हैं या फिर गुही का निलंबन खत्म होने के बाद उनकी वापसी कराते हैं. स्विट्जरलैंड के खिलाफ अतिरिक्त समय में ऐंठन के कारण हैरी केन के बाहर होने के बाद इंग्लैंड के कप्तान की फिटनेस पर भी नजरें रहेंगी.नीदरलैंड के कोच रोनाल्ड कोमैन के अपनी शुरुआती एकादश में लगातार तीसरे मैच में कोई बदलाव नहीं करने की उम्मीद है. ऐसे में एक बार फिर मेम्फिस डेपाय, कोडी गेप्को और स्टीवन बर्गविन की जोड़ी मैच में शुरुआत कर सकती है.

वापसी | चैम्पियंस ट्रॉफी अगले साल पाकिस्तान में फरवरी-मार्च में होने की संभावना

अध्याय खत्म हुआ, लेकिन चैम्पियंस ट्रॉफी में खेलने को तैयार: वॉर्नर

एजेंसी।सिडनी

डेविड वॉर्नर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को खत्म हुआ अध्याय करार दिया. लेकिन कहा कि अगर चैम्पियंस ट्रॉफी की टीम में उन्हें जगह मिलती है, तो वह देश के लिए फिर से खेलने के लिए तैयार होंगे. चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल पाकिस्तान में फरवरी-मार्च के महीने में होने की संभावना है और ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि वॉर्नर उनके आपातकालीन विकल्प होंगे. वॉर्नर ने पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप जीतने के बाद वनडे से संन्यास ले लिया था, जबकि उनका आखिरी टेस्ट जनवरी

में पाकिस्तान के खिलाफ था. उन्होंने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 24 जून को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ खेला था. वॉर्नर ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर लिखा, अध्याय खत्म. इतने लंबे समय तक शीर्ष स्तर पर

खास बातें

- वॉर्नर उनके आपातकालीन विकल्प होंगे : पैट कमिंस
- वॉर्नर ने अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 24 जून को खेला था

खेलना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है. ऑस्ट्रेलिया मेरी टीम रही है. मेरे करियर का अधिकांश हिस्सा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बीता है. ऐसा करने में सक्षम होना सम्मान की बात है. सभी प्रारूपों में देश के लिए 100 से अधिक मैच खेलना मेरे करियर का मुख्य आकर्षण है.

उन्होंने कहा, मैं कुछ समय तक फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा और अगर राष्ट्रीय टीम में चयन हुआ तो मैं चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए भी तैयार हूं. यह पहली बार नहीं है जब वॉर्नर ने 50 ओवर के प्रारूप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में भाग लेने की इच्छा जताई है. जनवरी में एकदिवसीय और टेस्ट से संन्यास की घोषणा करते समय भी उन्होंने कहा कि वह चैम्पियंस ट्रॉफी खेलना चाहते हैं. चैम्पियंस ट्रॉफी की आठ साल बाद वापसी हो रही है. कमिंस ने भी तब कहा था, यह शायद कुछ और खिलाड़ियों को (एकदिवसीय में) आजमाने का समय है, लेकिन हम सभी जानते है कि वह क्रिकेट खेलना जारी रखेगा.

मेस्सी के गोद में यामल का फोटो अब हो रहा वायरल

एजेंसी।बार्सीलोना

जाने माने फोटोग्राफर जॉन मोनफोर्ट ने लगभग 17 साल पहले चैरिटी कैलेंडर के लिए एक नवजात बच्चे के साथ जब लियोनेल मेस्सी की तस्वीरें लीं थी तब उन्हें पता था कि अर्जेंटीना का लंबे बालों वाला यह युवा फुटबॉल की दुनिया में बडा नाम बनेगा. उन्होंने हालांकि यह कल्पना नहीं की होगी कि मेस्सी ने अपनी गोद में जिस नवजात को उठाया है वह कम उम्र में ही अपने कौशल से फुटबॉल की दुनिया को प्रभावित करेगा. पिछले कुछ दिनों से वायरल हो रही इस तस्वीर में मेस्सी ने जिस बच्चे को गोद में ली है मौजूदा समय में सबसे तेजी से उभरता हुआ

खिलाड़ी लेमिन यामल है. महज 16 साल की उम्र में स्पने के लिए पदार्पण करने वाले यामल की तुलना अभी से फुटबॉल के दिग्गजों से हो रही है. वह जर्मनी में चल रही यूरोपीय चैम्पियनशिप में अब तक के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गई.

यामल के पिता ने पिछले सप्ताह 2007 में ली गयी इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा था, दो महान खिलाड़ियों की शुरुआत. एसोसिएटेड प्रेस और कुछ अन्य संस्थानों के लिए फ्रीलांस फोटोग्राफर के रूप में काम करने वाले 56 वर्षीय मोनफोर्ट ने कहा कि यह फोटो शूट 2007 की में बार्सीलोना के कैम्प नोउ में आगंतुकों के लॉकर रूम में हुआ था. उस समय यामल की उम्र महज कुछ महीने थी. बार्सीलोना के खिलाड़ियों ने स्थानीय समाचार पत्र डियारियो स्पोर्ट और यूनिसेफ के वार्षिक चैरिटी अभियान के हिस्से के रूप में एक कैलेंडर के लिए बच्चों और उनके परिवारों के साथ तस्वीरें खिंचवाई थी.

ब्रीफ खबरें

84.5 ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

अररिया । जिले की जोगबनी थाना पुलिस ने बीती रात गुप्त सूचना के अधार पर नेताजी चौक वार्ड संख्या 14 स्थित एक घर में छापेमारी कर 84.5 ग्राम स्मैक और भारतीय और नेपाली नगद राशि के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया. 24 वर्षीय गिरफ्तार युवक सुधांशु कुमार उर्फ सावन नेताजी चौक वार्ड संख्या 14 का ही रहने वाला है. स्मैक के अलावे उसके पास से भारतीय 26 हजार 830 रुपये और नेपाली 52 हजार 120 रुपये बरामद किए गए. थाना प्रभारी गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है.

960 बोतल शराब के साथ तीन गिरफ्तार

नवादा । नवादा जिले के झारखंड-बिहार की सीमा पर स्थित रजौली के समेकित जांच चौकी पर पुलिस ने वाहन जांच के दौरान मंगलवार को तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उनके पास से 960 लीटर अंग्रेजी शराब की बोतलें बरामद की है. उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा के निर्देश पर बिहार-झारखंड सीमा पर स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद एसआई पिंटू कुमार द्वारा मंगलवार को वाहन जांच के दौरान महेंद्रा पिकअप से 960 बोतल अंग्रजी के साथ तीन तस्कर को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार शराब तस्कर के पास से रॉयल स्टैग प्रीमियर और इंप्रेरियल ब्लू रिजर्व का 960 बोतल अंग्रेजी बरामद किया गया है.

जमीन विवाद में मारपीट, कई घायल

भागलपुर । जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के बदलूचक गांव में जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गयी. इस घटना में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए हैं. घटना के दौरान एक पक्ष के करीब पांच आदमी घायल हो गए हैं. जबकि दूसरे पक्ष से एक व्यक्ति घायल हैं. घटना बीते देर शाम की बतायी जा रही है. घटना के बाद सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया.

छह से ज्यादा गांव चपेट में आए, फसल हुई बर्बाद

वाल्मीकि नगर बैराज से छोड़ा गया पानी

संवाददाता ।गोपालगंज

वाल्मीकि नगर बैराज से दो दिन पहले चार लाख 40 हजार क्यूसेक पानी गंडक नदी में छोड़ा गया था. उस पानी का एक अंश यानी करीब 3 लाख 30 हजार क्यूसेक पानी का बहाव गोपालगंज में मंगलवार को हो रहा है. साढ़े तीन लाख क्यूसेक पानी गोपालगंज क्षेत्र में आने से सदर प्रखंड और मांझागढ़ प्रखंड के आधा दर्जन पंचायतों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है. बाढ़ प्रभावित इलाके वाले गांव में पानी भर गया है. गांव में जाने वाले सड़कें पानी में डूब गई है. बाढ़ से घिरे होने की वजह से लोग ऊपरी इलाकों की तरफ पलायन कर रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ी समस्या यहां पर नाव की है.

किया निरीक्षण

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को पटना के बख्तियारपुर गंगा घाट पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया.

गोपालगंज के सदर प्रखंड और मांझागढ़ प्रखंड में पानी बढ़ने के बावजूद अभी तक पूरे इलाके को बाढ़ प्रभावित घोषित नहीं किया गया है. इस वजह से जिला प्रशासन की तरफ से बाढ़ प्रभावित इलाकों में नाव की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है. सदर प्रखंड और माझागढ़ प्रखंड के आधा दर्जन पंचायतें गंडक के निचले इलाके में आती हैं. इस वजह से गंडक के जलस्तर में बढ़ोतरी होने से इन पंचायत के दर्जनों गांव बाढ़ के पानी से घिर जाते हैं. बाढ़ का पानी बढ़ने से आवागमन बाधित हो गया है. लोगों के लिए नाव ही एकमात्र सहारा है. जिन लोगों को नाव नहीं मिल पाता है, उन्हें पैदल पानी में चलकर अपने घरों तक पहुंचाना पड़ता है.

बेतिया के कई गांवों में घुसा गंडक नदी का पानी, मचा हड़कंप

संवाददाता ।बेतिया

बेतिया की गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि के बाद गांव में पानी घुसकर तबाही मचाने लगा है. लोग पलायन करने को मजबूर हैं. गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि के बाद नौतन और योगापट्टी के कई गांव में पानी घुसने से लोग परेशान हैं.

जोगापट्टी के जबलपुर पंचायत और नौतन के भगवानपुर पंचायत के दर्जनों गांव पानी के कारण प्रभावित हुए हैं. रास्तों पर भी पानी फैल गया है, जिसके कारण नाव से लोग सड़कों पर आ रहे हैं. दरअसल नौतन प्रखंड के भगवानपुर पंचायत के बिशंभरपुर गांव में पानी लगातार बढ़ रहा है. जिससे लोग भयभीत हो गए हैं. नाव के सहारे लोग गांव में अवागमन कर रहे है. लोग नाव के सहारे अपना सारा सामान लेकर ऊंचे इलाके में चले गए हैं, हालांकि जिला प्रशासन की टीम पूरे हालात पर नजर रख रही है. वहीं नौतन के भगवानपुर पंचायत के बिशंभरपुर गांव निवासी देवगत राम ने बताया कि बिशंभरपुर गांव पानी से घिर गया है.

पूर्व मंत्री वृषिण पटेल के खिलाफ वारंट जारी

पटना । पूर्व मंत्री के खिलाफ में पॉक्सो कोर्ट ने मंगलवार को वारंट जारी किया है.

बता दें जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की ने इस मामले में पूर्व मंत्री के खिलाफ केस दर्ज करवाया था. केस दर्ज होने के बाद कोर्ट में हाजिर नहीं होने के बाद अब वारंट जारी किया गया है. मुजफ्फरपुर के विशेष अदालत ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए सुनवाई शुरू कर दी है. बता दें कि पूर्व मंत्री के खिलाफ पॉक्सो की धारा 4, 6 के तहत में मुजफ्फरपुर के विशेष पॉक्सो कोर्ट में सुनवाई चल रही है. इस मामले में अब कोर्ट ने वारंट जारी किया है जिसके बाद अब पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता वृषिण पटेल की मुश्किलें बढ गई हैं.

बेगूसराय : एफसीआई थाना क्षेत्र के रतन चौक के पास हुई घटना

कार और ऑटो में भीषण टक्कर पांच की मौत, दो अन्य घायल

संवाददाता ।बेगूसराय

बेगूसराय में भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई. वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है. घटना घटना एफसीआई थाना क्षेत्र के रतन चौक के पास एनएच 31 पर हुई. मंगलवार सुबह सात लोग ऑटो पर सवार होकर सिमरिया से जीरो माइल की आ रहे थे. रतन चौक पर तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी. हादसा इतना भीषण था कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई. पुलिस ऑटो में फंसी लाशों को बाहर निकालने की कोशिश में जुटी है. दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है.

पुलिस के अनुसार, मरने वाले में से एक पहचान छोराही थाना क्षेत्र के राजोपुरबेंगा निवासी रमाकांत दास का 25 वर्षीय पुत्र रजनीश कुमार उर्फ गौतम के रुप में हुई है. मृतक मजदूर है, जो टाइल पत्थर का काम करता है. वहीं दूसरे एक शाम्हो के रहने वाले सिंटू कुमार यादव थे. वह दिल्ली से लौटकर बेगूसराय से खगड़िया शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे.

तीसरे युवक की पहचान नालंदा जिले के पुवारी (गोनामा) निवासी सुनील कुमार का 28 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार के रूप में हुई है. सुनील कुमार दिल्ली एम्स में कैंसर डिपार्टमेंट में टेक्नीशियन के रूप में कार्य थे और वह दिल्ली से बेगूसराय अपने ससुराल आ रहा था. चौथे युवक की पहचान गढ़पुरा थाना क्षेत्र के कुंवर टोल वार्ड 15 निवासी रामदास का 24 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार के रूप में हुई है. वह पटना से घर लौट रहा था. वह पॉलिटेक्निक का छात्र था. वहीं पांचवें की पहचान बखरी थाना क्षेत्र के मौजी हरी सिंह गांव निवासी वीरेंद्र तांती का 22 वर्षीय पुत्र अमनदीप कुमार के रूप में हुई. वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता था.

सभी लोग हाथीदह स्टेशन पर उतरे थे

मिली जानकारी के अनुसार, ऑटो सवार सभी लोग हाथीदह स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद बेगूसराय की ओर आ रहे थे. ओवरटेक करने के दौरान ऑटो और कार भीषण टक्कर हो गया. इसमें ऑटो पर सवार पांच लोगों की मौत हो गई. वहीं कार का ड्राइवर एवं ऑटो सवार दो अन्य व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हैं. इन्हें इलाज के लिए विभिन्न जगह भर्ती कराया गया है. स्थानीय लोगों एवं पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह रतन चौक के समीप जोरदार आवाज हुई और जब लोग वहां पहुंचे तो कार एवं ऑटो के आमने-सामने टक्कर हो चुकी थी तथा दोनों ही गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी. तत्पश्चात पुलिस को इसकी सूचना दी गई और पुलिस तथा लोगों के द्वारा सभी मृतक के शव को बाहर निकला गया तथा घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है.

सीमांचल को अलग राज्य बनाने की मांग करूंगा : पप्पू यादव

अररिया । पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव का उनके कार्यकर्ताओं ने स्वागत सह सम्मान का आयोजन किया. इस दौरान उन्होंने आम लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार सीमांचल को हिंदू-मुस्लिम के बहाने अबतक ठगती आ रही है. सीमांचल को अलग राज्य बनाने की करूंगा और मुहिम चलाऊंगा. यादव ने कहा कि सीमांचल के लोग हमारा परिवार हैं और मैं परिवार के लिए कोई भी कुर्बानी दे सकता हूं. साथ ही उन्होंने सीमांचल के डॉक्टरों को चेताते हुए कहा कि सीमांचल क्षेत्र में डॉक्टर, पैथोलॉजी, एक्सरे व चिकित्सा से संबंधित माफियाओं को लूट में छूट की गारंटी नहीं देंगे.

पूर्व आईएएस अधिकारी मनीष वर्मा जदयू में शामिल

संवाददाता ।पटना

पूर्व आईएएस अधिकारी मनीष वर्मा ने मंगलवार को जदयू की सदस्यता ली. वर्ष 2000 कैडर के आईएएस अधिकारी रहे मनीष वर्मा अनिवार्य सेवानिवृति लेने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के परामर्शी रहे हैं. आज वह औपचारिक तौर पर जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो गये. जदयू के पटना कार्यालय में कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, मंत्री विजय चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने मनीष वर्मा को पार्टी की सदस्यता दिलाई. उनके दल में शामिल होने के बाद जदयू नेताओं ने उन्हें बधाई दी. जदयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद मनीष वर्मा ने कहा कि मेरे लिए आज बहुत ही इमोशनल दिन है. आज से मैं एक राजनीतिक कार्यकर्ता हूं. आज मुझे एक छोटा सा कागज मिला है. इसका काफी महत्व है. मैं जब जदयू में मेंबरशिप के लिए अप्लाई कर रहा था तो उसमें पेशा लिखना होता है. कल ही हमने जो भी पद ग्रहण कर रखा था, उससे इस्तीफा दे दिया था. ऐसे में मैं पेशा में क्या लिखूं समझ में नहीं आ रहा था. रिटायर्ड आईएएस तो लिख नहीं सकता था. अब तो समाज सेवा ही करना है. लिहाजा समाज सेवा लिखा.

पुलिस अवर निरीक्षक परीक्षा में 1275 दारोगा बने

- मुख्य लिखित परीक्षा का आयोजन रविवार 25 फरवरी 2024 को दो पालियों में किया गया था

संवाददाता ।पटना

बिहार सरकार के गृह विभाग (आरक्षी शाखा) के अंतर्गत बिहार पुलिस में पुलिस अवर निरीक्षक के 1275 पदों पर बहाली की प्रक्रिया मंगलवार को अंतिम रूप से पूरी हो गई, जब बिहार पुलिस सब-ऑर्डिनेट सर्विस कमीशन ने परिणाम जारी कर दिया. 1275 पदों की रिक्तियों के विरुद्ध अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों का परीक्षाफल जारी कर दिया गया है. इसमें 822 पुरुष, 450 महिला और तीन ट्रांसजेंडर हैं. बिहार सरकार के गृह विभाग (पुलिस) की इस भर्ती में जो भी उम्मीदवार शामिल हुए हैं, वह यहां क्लिक कर अपना रिजल्ट डाउनलोड कर सकते हैं. एसआई पद के लिए मुख्य लिखित परीक्षा रविवार 25 फरवरी को दो पालियों में आयोजित की गई थी. मुख्य लिखित परीक्षा में दो पेपर थे. पहले पेपर में कुल 23957 उम्मीदवार शामिल हुए थे और दूसरे पेपर में कुल 23948 उम्मीदवार उपस्थित हुए थे. इसमें 7,623 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए थे. इनका प्रमाण पत्र वेरिफिकेशन 10 जून से लेकर 19 जून तक शहीद राजेन्द्र प्रसाद सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय गर्दनीबाग में हुआ था. वहीं प्रारंभिक परीक्षा में कुल 25 हजार 405 अभ्यर्थी को सफल हुए. यह परीक्षा पिछले साल 17 दिसंबर को ली गई थी. इसमें कुल 5 लाख 36 हजार 754 उम्मीदवार शामिल हुए थे.

कारोबार

जापान का निक्की 225 नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद

तोक्यो । जापान का सूचकांक निक्की 225 मंगलवार को दो प्रतिशत की बढ़त के साथ 41,580.17 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ. निक्की 225 पिछले सप्ताह भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा था. विदेशी और घरेलू दोनों निवेशकों ने हाल के महीनों में जापानी बाजार में भारी निवेश किया है, भले ही अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है. जापानी मुद्रा येन के सस्ता होने और डॉलर के मुकाबले 34 साल के निचले स्तर पर कारोबार करने के बाद निवेशकों ने जापानी बाजार का रुख किया.

पूर्व रेलवे ने 953 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया

कोलकाता । पूर्व रेलवे ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यात्री राजस्व से 953 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है. एक रेल अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में कोलकाता स्थित मुख्यालय वाले पूर्व रेलवे ने एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले यात्री आवागमन से राजस्व में 9.97 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की. पूर्व रेलवे के अधिकारी ने एक बयान में कहा, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यात्री राजस्व 953.24 करोड़ रुपये रहा है.

आइनॉक्स विंड को ऊर्जा परियोजना का मिला ठेका

नयी दिल्ली । आइनॉक्स विंड को एक अक्षय ऊर्जा उत्पादक कंपनी से 200 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है. कंपनी के एक बयान में कहा कि यह परियोजना गुजरात और राजस्थान में क्रियान्वित की जाएगी. बयान में कहा गया, यह ठेका आइनॉक्स विंड लिमिटेड के नवीनतम तीन मेगावाट विंड टर्बाइन जेनरेटर के लिए है. आइनॉक्स विंड परियोजना पूरी होने के बाद बहुवर्षीय परिचालन एवं रखरखाव सेवाएं भी प्रदान करेगी. आईनॉक्स विंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैलाश ताराचंदानी ने कहा, मेरा मानना है कि यह वित्त वर्ष 2024-25 और उसके बाद पर्याप्त वृद्धि हासिल करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है.

भारत ने 2023 में मिस्र को 5,000 करोड़ रुपये का मीट एक्सपोर्ट किया था

भारत से मिस्र को आसानी से होगा मीट का निर्यात

भाषा ।नयी दिल्ली

दुनियाभर में मीट का बड़े पैमाने पर मीट का कारोबार होता है. इसके लिए कई देश अपने यहां इसकी मांग पूरा नहीं कर पाते हैं तो वे दूसरे देशों से आयात करते हैं. इससे न सिर्फ कारोबार बढ़ता है, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं. जब से वैश्विक अर्थव्यवस्था के मामले में भारत आगे बढ़ा है उसकी साख बढ़ी है. इसलिए अब मिस्र भारत से मीट के निर्यात को बढ़ाने में लगा है. इसे लेकर मिस्र ने भारत में औपचारिक रूप से एक कार्यालय खोलने का फैसला किया है. ऐसे में कहा जा रहा है कि भारत से मिस्र को अब मीट और पॉल्ट्री समेत डेरी और अन्य फूड प्रोडक्ट्स का आसानी से निर्यात हो सकेगा. वहीं भारत से निर्यात किए जाने वाले मीट और पॉल्ट्री प्रोडक्ट मिस्र द्वारा निर्धारित हलाल स्टैंडर्ड के अनुरूप हो, इसके लिए सरकार गंभीर है.

इसी बीच मिस्र के द्वारा कार्यालय खोलने की घोषणा भारत में मिस्र के राजदूत वील मोहम्मद अवाद हमेद ने की. इस अवसर पर एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (अपीडा) के अधिकारी भी उपस्थित थे. मिस्र के राजदूत ने बताया कि अब हलाल सर्टिफिकेशन के लिए भारत में एजेंसी की शुरुआत हो चुकी है. यह एजेंसी पूरे भारत में अपनी सेवाएं देगा. फिलहाल यह एजेंसी मीट और पॉल्ट्री प्रोडक्ट्स का सर्टिफिकेशन करेगी. बाद में इसमें डेरी और फार्मा भी जुड़ सकेंगे. उन्होंने कहा कि भारत के मीट निर्यातकों के पास सुनहरा मौका है कि वे मिस्र को निर्यात किए जाने वाले मीट की मात्रा बढ़ा सकते हैं.

मिस्र में इस समय भारत सबसे बड़ा मीट एक्सपोर्टर है. मिस्र के राजदूत ने बताया कि इस समय मिस्र में जितना मीट मंगाया जाता है, उसमें अभी भारतीय मीट की मात्रा 75 से 80 फीसदी के बीच है. हमें उम्मीद है कि आप मीट के कारोबार को 85 फीसदी, 90 फीसदी और 100 फीसदी तक बढ़ाना चाहेंगे. अगर आप इसे 100 फीसदी तक भी पहुंचाना चाहते हैं, तो मिस्र सरकार की तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा. उल्लेखनीय है कि मिस्र की 99 फीसदी आबादी मांसाहारी है.

बता दें कि भारत ने कैलेंडर ईयर 2023 में मिस्र को 630 मिलियन डॉलर करीब 5,000 करोड़ रुपये का मीट एक्सपोर्ट किया था. इससे पहले साल 2022 में यह करीब 600 मिलियन डॉलर का रहा था. इसमें हर साल बढ़ोतरी ही हो रही है. मिस्र भारत के अलावा ब्राजील, अमेरिका, यूरोप, जर्मनी आदि देशों से भी मीट मंगाता है.

मिस्र की भारत में हलाल सर्टिफिकेशन एजेंसी हलाल मार्केट इंडिया के सीईओ डॉ. गासर अलसईद ने बताया कि साल 2020 से पहले वहां कोई हलाल सर्टिफिकेशन अनिवार्य नहीं था. उस समय विश्वास के आधार पर मीट खरीदा जाता था. लेकिन कुछ गड़बड़ी होने की वजह से इसे साल 2020 में लागू कर दिया गया. उन्होंने बताया कि भारत में हलाल सर्टिफिकेशन के लिए कोई फेसिलिटेशन शुल्क नहीं लिया जाएगा. सिर्फ मिस्र सरकार द्वारा घोषित प्राइस लिस्ट लागू होगी. यदि कोई एक्सपोर्टर 40 फुट वाले किसी कंटेनर, जिसमें 28 टन तक मीट हो, का सर्टिफिकेशन कराना चाहता है तो उसे 2250 डॉलर का शुल्क चुकाना होगा.

बढ़ेगा व्यापार

- भारतीय मीट की मात्रा 75 से 80% के बीच है
- मिस्र की 99 फीसदी आबादी मांसाहारी है

एलएंडटी ने सिलिकोंच सिस्टम्स को खरीदने के लिए किया समझौता

एजेंसी ।नयी दिल्ली

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने बेंगलुरू स्थित सिलिकोंच सिस्टम्स को 183 करोड़ रुपये में खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. इस अधिग्रहण से 'फैबलेस सेमीकंडक्टर' व्यवसाय में समूह की उपस्थिति को मजबूत करने के लिए इंजीनियरिंग कौशल तथा डिजाइन विशेषज्ञता को बढ़ाने की संभावना है. एलएंडटी ने बीएसई को दी सूचना में कहा, कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एलएंडटी सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने सिलिकोंच सिस्टम्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए आठ जुलाई 2024 को शेयर खरीद समझौता किया है. यह अधिग्रहण सितंबर तक पूरा होने की संभावना है, जो कि पारंपरिक समापन शर्तों के अधीन है. सिलिकोंच सिस्टम्स की स्थापना अप्रैल 2016 में की गई. यह सेमीकंडक्टर बौद्धिक संपदा (आईपी) और एकीकृत सर्किट (आईसी) के विकास तथा डिजाइन में विशेषज्ञता रखती है.

कीस्टोन रियलटर्स की बुकिंग 22% बढ़ा

नयी दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी कीस्टोन रियलटर्स लिमिटेड की चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में बिक्री बुकिंग 22 प्रतिशत बढ़कर 611 करोड़ रुपये हो गई. कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि गत वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में बिक्री बुकिंग 502 करोड़ रुपये थी. मुंबई स्थित कंपनी रुस्तमजी ब्रांड के तहत संपत्तियां बेचती है. कंपनी सूचना के अनुसार, मात्रा के संदर्भ में समीक्षाधीन अवधि में उसकी बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 2.9 लाख वर्ग फुट से 16 प्रतिशत घटकर 2.4 लाख वर्ग फुट रह गई. कीस्टोन रियलटर्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक बोमन ईरानी ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही ने वर्ष के लिए एक दिशा निर्धारित की है...2023-24 में हासिल गति कायम है.

वित्त वर्ष 2024-25 का मामला

औद्योगिक,लॉजिस्टिक्स पार्क की मांग 13-14% बढ़ेगी : रिपोर्ट

एजेंसी ।मुंबई

औद्योगिक व वेयरहाउस लॉजिस्टिक्स पार्क की मांग चालू वित्त वर्ष 2024-25 में आठ बड़े बाजारों में सालाना आधार पर 13-14 प्रतिशत बढ़कर करीब 42.4 करोड़ वर्ग फुट होने का अनुमान है. रेटिंग एजेंसी इक्रा की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में 4.7 करोड़ वर्ग फुट का इस्तेमाल किए जाने की संभावना है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 3.7 लाख वर्ग फुट था. वृद्धि अनुमान इक्रा के रेटेड पोर्टफोलियो के एक सीमित सर्वेक्षण पर आधारित है, जिसमें 17 शहरों की 58 इकाइयों ने हिस्सा लिया. इन इकाइयों का कुल पट्टा योग्य क्षेत्रफल करीब 3.4 लाख वर्ग फुट है. इक्रा में कॉरपोरेट रेटिंग के सहायक उपाध्यक्ष तथा क्षेत्र प्रमुख तुषार भारम्बे ने कहा, पिछले पांच वर्षों में आठ प्राथमिक बाजारों में ग्रेड ए वेयरहाउस स्टॉक 21 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 18.3 करोड़ वर्ग फुट हो गए और वित्त वर्ष 2024-25 में इसमें 19-20 प्रतिशत की और वृद्धि होने का अनुमान है. भारत में वर्तमान ग्रेड ए स्टॉक का 50-55 प्रतिशत से अधिक हिस्सा वैश्विक संचालकों/निवेशकों जैसे सीपीपीआईबी, जीएलपी, ब्लैकस्टोन, ईएसआर, एलियांज, जीआईसी और सीडीसी समूह आदि द्वारा समर्थित है.

भारतीय बाजार

ऑलटाइम हाई छूने के बाद शानदार तेजी के साथ बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

सेंसेक्स 80,397.17 व निफ्टी 4,443.60 अंकों तक पहुंचा

एजेंसी ।मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 391 अंक उछलकर नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ. वाहन और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में लिवाली तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से एनएसई निफ्टी भी नये शिखर पर पहुंच गया.

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 391.26 अंक यानी 0.49 प्रतिशत चढ़कर अपने अबतक के उच्चतम स्तर 80,351.64 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान यह 436.79 अंक की बढ़त के साथ रिकॉर्ड 80,397.17 अंक तक गया था.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 112.65 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,433.20 अंक के नये शिखर पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान, यह 123.05 अंक चढ़कर रिकॉर्ड 24,443.60 अंक तक चला गया था. सेंसेक्स के शेयरों में मारुति सुजुकी इंडिया छह प्रतिशत चढ़ा. उत्तर प्रदेश में पर्यावरण अनुकूल वाहनों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा हाइब्रिड कार (पेट्रोल और इलेक्ट्रिक से चलने वाली) पर पंजीकरण शुल्क से छूट दिये जाने की खबरों के बीच कंपनी का शेयर चढ़ा. इसके अलावा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, सन फार्मा, आईटीसी, नेस्ले और टाटा मोटर्स भी प्रमुख रूप से लाभ में रहे. दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस और जेएसडब्ल्यू स्टील शामिल हैं. एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक लाभ में, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहा.

यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा. अमेरिकी बाजार सोमवार को कमोबेश बढ़त में रहे थे.

अशोका लीलैंड ने तमिलनाडु में किया विस्तार

चेन्नई । हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोका लीलैंड ने हिंदुजा लीलैंड फाइनेंस के साथ मिलकर अपनी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल 'रोड टू स्कूल' कार्यक्रम का विस्तार तमिलनाडु के तीन जिलों में किया है. यह परियोजना देश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के बीच शैक्षिक असमानताओं को पाटने की कोशिश करती है. इसका उद्देश्य सामाजिक सशक्तीकरण के साधन के रूप में समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देना है.

लार्सन एंड टुब्रो को बड़ा ठेका मिला

नयी दिल्ली । लार्सन एंड टुब्रो को हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) से दो 'फ्लीट सपोर्ट शिप' (एफएसएस) के आंशिक निर्माण का बड़ा ठेका मिला है. एलएंडटी ने अनुबंध के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया. उसकी परियोजना वर्गीकरण के अनुसार किसी बड़े ठेके का मूल्य 10,000 से 15,000 करोड़ रुपये के बीच होता है. कंपनी ने बीएसई को दी गई सूचना में कहा, लार्सन एंड टूब्रो के प्रेसिजन इंजीनियरिंग सिस्टम्स व्यवसाय को हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) से दो फ्लीट सपोर्ट शिप के आंशिक निर्माण का बड़ा ठेका मिला है. इन जहाजों का इस्तेमाल भारतीय नौसेना करेगी. भारतीय नौसेना ने पिछले वर्ष अगस्त में भारतीय नौसेना के लिए पांच एफएसएस के डिजाइन तथा निर्माण के लिए एचएसएल के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे.

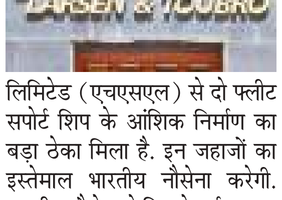

▼ ब्रीफ खबरें

चालक रहित कार ने यात्री को टक्कर मारी

बीजिंग। चीन में एक चालक रहित कार ने एक पैदल यात्री को टक्कर मार दी. सोशल मीडिया पर लोग कार निर्माता का पक्ष ले रहे हैं क्योंकि व्यक्ति कथित तौर पर गाड़ियों के लिये हरी बत्ती होने के बावजूद सड़क पार कर रहा था. कार निर्माता दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी बायदू ने चीनी मीडिया में जारी एक बयान में कहा कि हरी बत्ती होते ही कार चलने लगी और उसकी पैदल यात्री से मामूली टक्कर हुई. कंपनी ने बताया कि पीड़ित को एक अस्पताल ले जाया गया जहां जांच में पाया गया कि उसे कोई बाहरी चोट नहीं आयी.

'बेरिल' ने टेक्सास में चार लोगों की जान ली

ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास प्रांत में सोमवार तड़के आए शक्तिशाली तूफान 'बेरिल' के असर से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और करीब 30 लाख घरों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों की बिजली गुल हो गई है. 'नेशनल हरिकेन सेंटर' ने सोमवार शाम को कहा कि 'बेरिल' ने श्रेणी-एक के तूफान के रूप में माटागोर्डा के पास दस्तक दी जिसके बाद स्कूलों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, कार्यालयों और वित्तीय संस्थानों को बंद कर दिया गया. पूर्वी टेक्सास, पश्चिमी लुइसियाना और अरकांसस के कुछ हिस्सों में बाढ़, बारिश और तेज आंधी के आसार हैं.

हमले में पुलिस अफसर और दो बच्चों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तरपश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक वाहन पर घात लगाकर हमला कर दिया, जिसमें एक पुलिस अधिकारी और दो बच्चों की मौत हो गयी. पुलिस ने बताया कि यह घटना खैबर पख्तूनख्वा के अशांत लक्की मारवत जिले में हुई जब एक मोटरसाइकिल पर सवार बंदूकधारियों ने पुलिस अधिकारी की कार पर हमला कर दिया था. कार में सवार दो महिलाएं किसी तरह बच गयीं. घटना में 8 से 12 साल के दो बच्चों की मौत हो गयी.

सैनिकों ने पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलियां चलाईं

मेंढर/जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना के जवानों ने एक पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलियां चलाईं. अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि हालांकि, ड्रोन सोमवार देर रात को कुछ देर तक भारतीय क्षेत्र के ऊपर मंडराने के बाद पाकिस्तान लौट गया. उन्होंने बताया कि नियंत्रण रेखा पर तैनात भारतीय सैनिकों ने रात करीब सवा नौ बजे एक पाकिस्तानी ड्रोन को 1,000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर मंडराता हुआ देख उसे मार गिराने के लिए अगले 10 मिनट में पांच गोलियां चलाईं.

सितंबर 2023 के बाद पहली बार भारत के मुख्य जलाशयों में जल स्तर बढ़ा

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय जल आयोग ने कहा है कि पूरे भारत में भारी बारिश के बीच, सितंबर 2023 के बाद पहली बार देश के मुख्य जलाशयों का जलस्तर बढ़ा है. आंकड़ों के अनुसार, पिछले सप्ताह की तुलना में जलाशयों के जलस्तर में दो प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई. इसके साथ 29 सितंबर 2023 को जारी बुलेटिन के बाद से दर्ज की गई सप्ताह-दर-सप्ताह आने वाली गिरावट रुक गई है. उस समय इनकी भंडारण क्षमता 73 प्रतिशत थी. यह सुधार देशभर में व्यापक वर्षा के बीच हुआ है. देशभर के 150 जलाशयों की भंडारण स्थिति की निगरानी करने वाली सीडब्ल्यूसी ने चार जुलाई को इन घटनाक्रम का विवरण देते हुए अपना नवीनतम बुलेटिन जारी किया.

- यह सुधार देशभर में व्यापक वर्षा के बीच हुआ, देशभर के 150 जलाशयों की भंडारण स्थिति की निगरानी करने वाली सीडब्ल्यूसी ने जारी किया विवरण

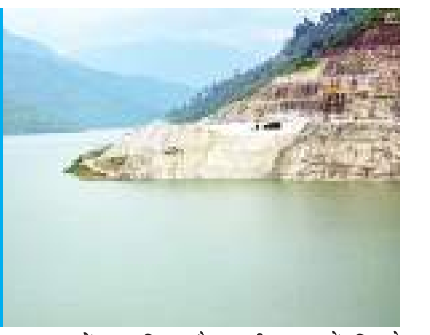

बुलेटिन के अनुसार, 150 जलाशयों में से 20 जलविद्युत परियोजनाओं के लिए समर्पित हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 35.30 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है. सीडब्ल्यूसी के चार जुलाई के बुलेटिन में कहा गया कि इन जलाशयों में उपलब्ध भंडारण क्षमता 39.729 बीसीएम थी जो उनकी कुल भंडारण क्षमता का 22 प्रतिशत है. इसकी तुलना में, पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान उपलब्ध संग्रहण स्तर 50.422 बीसीएम था, जबकि सामान्य संग्रहण स्तर 44.06 बीसीएम था. सीडब्ल्यूसी ने कहा कि इससे पता चलता है कि वर्तमान भंडारण क्षमता पिछले वर्ष की इसी अवधि की 79 प्रतिशत तथा सामान्य भंडारण क्षमता की 90 प्रतिशत है.

पूर्वी क्षेत्र में 23 जलाशय हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 20.430 बीसीएम

उत्तरी क्षेत्र (हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान) में 10 जलाशय हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 19 .663 बीसीएम है. वर्तमान भंडारण 5 .39 बीसीएम (27 प्रतिशत) है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 45 प्रतिशत था, जबकि सामान्य भंडारण क्षमता 31 प्रतिशत है. पूर्वी क्षेत्र (असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, नगालैंड और बिहार) में 23 जलाशय हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 20 .430 बीसीएम है. यहां वर्तमान भंडारण 3 .979 बीसीएम (19 प्रतिशत) है, जो पिछले वर्ष के 20 प्रतिशत से कम है तथा सामान्य स्तर 23 प्रतिशत है. पश्चिमी क्षेत्र (गुजरात और महाराष्ट्र) में 49 जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 37 .130 बीसीएम है. वर्तमान में भंडारण 7 .949 बीसीएम (21 प्रतिशत) है. मध्य क्षेत्र (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़) में 26 जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 48 .227 बीसीएम है. वर्तमान भंडारण 12 .26 बीसीएम (25 प्रतिशत) है.

ब्रह्मपुत्र, साबरमती व ताद्री से बहने वाली नदियों में जल भंडारण बेहतर

दक्षिणी क्षेत्र (आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु) में 42 जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 53 .334 बीसीएम है. वर्तमान भंडारण स्तर 10 .152 बीसीएम (19 .03 प्रतिशत) है, जो पिछले साल के 19 .43 प्रतिशत से कम है और सामान्य स्तर 24 प्रतिशत है. सामान्य भंडारण स्तर को पिछले 10 वर्षों के औसत भंडारण के रूप में परिभाषित किया जाता है. समग्र रूप से भंडारण स्तर पिछले वर्ष की इसी अवधि तथा इसी अवधि के दौरान सामान्य भंडारण दोनों से कम है. ब्रह्मपुत्र, साबरमती और ताद्री से कन्याकुमारी तक पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों में जल भंडारण सामान्य से बेहतर देखा गया है. सिंधु, सुवर्णरेखा, माही और अन्य नदियों में जल भंडारण सामान्य के करीब पाया गया है. महानदी, कावेरी, ब्राह्मणी और वैतरणी नदियों में जल भंडारण कम है. पेन्नार और कन्याकुमारी के बीच पूर्व की ओर बहने वाली नदियों में जल भंडारण अत्यधिक कम है.

आंध्र प्रदेश के छात्र की अमेरिका में झरने में डूबने के कारण मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश का छात्र जी साई सूर्या अविनाश गत शनिवार को अमेरिका में एक झरने में दुर्घटनावश फिसलकर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई. न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि पूर्वी गोदावरी जिले के चिताल्या का रहने वाला अविनाश सात जुलाई को अल्बानी (न्यूयॉर्क) के बार्बरविले फॉल्स में डूब गया. वाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "हम ट्राइन विश्वविद्यालय के छात्र साई सूर्या अविनाश गड्डे की दर्दनाक मौत से बहुत दुखी हैं. वह सात जुलाई को बार्बरविले फॉल्स, अल्बानी (न्यूयॉर्क) में डूब गया था." वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह अविनाश के शव को भारत भेजने के लिए सभी आवश्यक मदद मुहैया कर रहा है.

भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने की पुतिन के नेतृत्व की सराहना

रूस भारत के दुख-सुख का भरोसेमंद साथी : मोदी

एजेंसी। मॉस्को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को रूस को भारत का 'सुख-दुख का साथी' और 'सबसे भरोसेमंद दोस्त' बताते हुए पिछले दो दशकों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व की प्रशंसा की. यूक्रेन युद्ध को लेकर रूसी नेता को अलग-थलग करने के पश्चिमी देशों के प्रयासों के बीच यहां भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पुतिन की यह प्रशंसा की. प्रधानमंत्री ने वैश्विक गरीबी से लेकर जलवायु परिवर्तन तक विभिन्न चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत हर चुनौती को चुनौती देने में सबसे आगे रहेगा और चुनौती देना तो उनके 'डीएनए' में है. मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'दशकों से भारत और रूस के बीच जो अनोखा रिश्ता रहा है, मैं उसका कायल रहा हूं. रूस शब्द सुनते ही हर भारतीय के मन में पहला शब्द आता है... भारत के सुख-दुख का साथी. भारत का भरोसेमंद दोस्त. हमारे रूसी दोस्त इसे 'द्रुजवा' कहते हैं और हम हिन्दी में इसे 'दोस्ती' कहते हैं.'' उन्होंने कहा, 'रूस में सर्दी के मौसम में तापमान कितना भी माइनस में नीचे क्यों न चला जाए, लेकिन भारत और रूस की दोस्ती हमेशा प्लस में रही है, गर्मजोशी भरी रही है.'

'श्री 420' के लोकप्रिय गीत का जिक्र : प्रधानमंत्री ने कहा कि यह रिश्ता पारस्परिक विश्वास और सम्मान की मजबूत नींव पर बना है. प्रसिद्ध अभिनेता राज कपूर की मशहूर फिल्म 'श्री 420' के लोकप्रिय गीत 'सर पे लाल टोपी रूसी' का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि यह गीत भले ही पुराना हो गया हो लेकिन इसकी भावना 'सदाबहार' है.

बहुध्रवीय विश्व ऑर्डर में भारत को एक मजबूत स्तंभ : प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय से दुनिया ने 'प्रभावोन्मुखी वैश्विक व्यवस्था' देखी है. मोदी ने कहा, 'लेकिन दुनिया को अभी प्रभाव नहीं, बल्कि संगम की जरूरत है और भारत से बेहतर कोई भी यह संदेश नहीं दे सकता है, जहां संगमों की पूजा करने की मजबूत परंपरा रही है.' उन्होंने कहा कि आज विश्व बंधु के रूप में भारत दुनिया को नया भरोसा दे रहा है और उसकी बढ़ती क्षमताओं ने पूरी दुनिया को स्थिरता और समृद्धि की उम्मीद दी है. उन्होंने कहा, 'नए उभरते बहुध्रवीय विश्व ऑर्डर में भारत को एक मजबूत स्तंभ के रूप में देखा जा रहा है.' उन्होंने कहा, 'जब शांति, संवाद और कूटनीति की बात होती है तो पूरी दुनिया सुनती है.'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को मॉस्को में एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करते हुए. प्रेट्र

रूस के कजान व येकातेरिनबर्ग शहरों में वाणिज्य दूतावास खोलेगा भारत

मोदी ने मंगलवार को घोषणा की कि भारत ने रूस के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए उसके कजान व येकातेरिनबर्ग शहरों में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलने का फैसला किया है. इस समय रूस में भारत के दो वाणिज्य दूतावास सेंट पीटर्सबर्ग और व्लादिवोस्तोक में हैं. येकातेरिनबर्ग रूस का चौथा सबसे बड़ा शहर है जो महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र बनकर उभरा है. इसी शहर में 2018 में फीफा विश्वकप के चार मैच हुए थे. वोल्गा और कजांका नदियों के संगम पर स्थित कजान शहर रूस का सांस्कृतिक और शैक्षिक केंद्र तथा देश का उभरता आर्थिक केंद्र है.

यूक्रेन संघर्ष के समाधान में उसकी संप्रभुता का सम्मान हो : यूएस

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा कि उसने भारत से रूस को यह स्पष्ट करने का आग्रह किया है कि यूक्रेन में संघर्ष के किसी भी समाधान में संयुक्त राष्ट्र चार्टर तथा यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता तथा संप्रभुता का सम्मान होना चाहिए. अमेरिका ने कहा कि भारत एक रणनीति साझेदार है जिसके साथ वह पूर्ण और स्पष्ट बातचीत करता है. विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर से सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस की यात्रा तथा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बैठकों के बारे में पूछा गया था. मिलर ने कहा, 'भारत एक रणनीतिक साझेदार है जिसके साथ हम पूर्ण और स्पष्ट बातचीत करते हैं. इसमें रूस के साथ उनके संबंधों को लेकर हमारी चिंताएं भी शामिल हैं.' उन्होंने कहा, 'हम भारत से यह स्पष्ट करने का अनुरोध करेंगे कि यूक्रेन में संघर्ष के किसी भी समाधान में संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान होना चाहिए, यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता व संप्रभुता का सम्मान होना चाहिए.' उन्होंने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री मोदी की सार्वजनिक टिप्पणियों का इंतजार करूंगा कि उन्होंने क्या बात की, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, हमने भारत से रूस के साथ उनके संबंधों के बारे में अपनी चिंताओं को स्पष्ट कर दिया है.

मोदी ने उठाया रूसी सेना में कार्यरत भारतीयों की स्वदेश वापसी का मुद्दा

मॉस्को। रूस अपनी सेना में सहायक कर्मियों के रूप में भारतीयों की भर्ती बंद करने और बल में कार्यरत भारतीयों की स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के भारत के आह्वान पर मोटे तौर पर सहमत हो गया है. शीर्ष सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार रात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अनौपचारिक मुलाकात के दौरान यह मुद्दा उठाया था. उन्होंने बताया कि मंगलवार को मोदी और पुतिन के बीच शिखर वार्ता के बाद रूसी सेना में सहायक स्टाफ के रूप में कार्यरत सभी भारतीयों को सेवामुक्त करने के मॉस्को के फैसले की घोषणा होने की उम्मीद है. सूत्रों ने कहा कि रूस इस मुद्दे पर हमारे अनुरोध पर मोटे तौर पर सहमत हो गया है.

हाथरस भगदड़ मामले में 'बड़ी साजिश' की आशंका बरकरार

- एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम, सीओ और चार अन्य निलंबित

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने हाथरस भगदड़ मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के आधार पर मंगलवार को स्थानीय उप जिलाधिकारी (एसडीएम), पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) और चार अन्य को निलंबित कर दिया. इस रिपोर्ट में घटना के पीछे 'बड़ी साजिश' से इनकार नहीं किया गया है. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, रिपोर्ट में स्थानीय प्रशासन के स्तर पर भी लापरवाही होने की बात कही गई है जिसके कारण दो जुलाई को यह घटना हुई. रिपोर्ट में भगदड़ के लिए आयोजकों को जिम्मेदार ठहराते हुए दावा किया गया है कि उन्होंने भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए कोई इंतजाम नहीं किए. रिपोर्ट में जिला प्रशासन की भी जवाबदेही तय की गई है.

रिपोर्ट कहती है कि स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने आयोजन को गंभीरता से नहीं लिया और वे वरिष्ठ अधिकारियों को उचित सूचना देने में विफल रहे. हाथरस जिले के फुलरई गांव में स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ 'भोले बाबा' के सत्संग में मची भगदड़ में 121 लोगों की जान चली गई थी. एसआईटी रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने एसडीएम, सीओ, तहसीलदार, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी समेत छह लोगों को अपने दायित्व के निर्वहन में लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए निलंबित कर दिया. छह जुलाई को स्वयंभू 'बाबा' के अधिवक्ता ने दावा किया था कि 'कुछ अज्ञात लोगों' द्वारा 'एक किस्म का जहरीला पदार्थ' छिड़कने के कारण भगदड़ मची.

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम को गंभीरता से नहीं लिया

जांच समिति ने कार्यक्रम आयोजकों और तहसील स्तर की पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को भी दोषी पाया. समिति ने कहा कि स्थानीय एसडीएम, सीओ, तहसीलदार, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में लापरवाही के लिए दोषी हैं. रिपोर्ट में कहा गया है, 'सिकंदराराऊ के उप जिलाधिकारी ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किए बिना ही कार्यक्रम की अनुमति दे दी और वरिष्ठ अधिकारियों को भी सूचित नहीं किया. अधिकारी ने कार्यक्रम को गंभीरता से नहीं लिया. एसआईटी ने सिकंदराराऊ में तैनात संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की, जिसमें एसडीएम, क्षेत्राधिकारी, सिकंदराराऊ थाने के प्रभारी, तहसीलदार और कचौरा तथा पोरा के पुलिस चौकी प्रभारी शामिल हैं. एसआईटी रिपोर्ट में कहा गया, 'आयोजकों ने तथ्य छिपाकर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति ली. अनुमति के लिए लागू शर्तों का पालन नहीं किया गया.

युवाओं को बेरोजगार बनाए रखना मोदी सरकार का एकमात्र मिशन

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आर्थिक विकास दर और रोजगार सृजन से जुड़े कुछ आंकड़ों का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि युवाओं को बेरोज़गार बनाए रखना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का एकमात्र मिशन है. खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मोदी सरकार, भले ही बेरोज़गारी पर सिटी ग्रुप जैसी स्वतंत्र आर्थिक रिपोर्टों को नकार रही हो, पर सरकारी आंकड़ों को कैसे नकारेगी?

एनएसएसओ के सर्वेक्षण के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र में अनिगमित इकाइयों में सात वर्षों में 54 लाख नौकरियां ख़त्म हो गई हैं. वर्ष 2010-11 में पूरे भारत में 10.8 करोड़ कर्मचारी अनिगमित गैर-कृषि उद्यमों में कार्यरत थे, जो अब 2022-23 में 10.96 करोड़ हो गए हैं.

रक्षा मंत्री ने कठुआ आतंकी हमले पर दुख व्यक्त किया

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकवादी हमले में पांच जवानों की मौत पर मंगलवार को 'गहरा दुख' व्यक्त किया. वहीं, रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कहा कि कठुआ हमले में पांच जवानों की मौत का बदला लिया जाएगा और भारत इसके पीछे की बुरी ताकतों को हराएगा. राजनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "कठुआ (जम्मू-कश्मीर) के बदनोटा में आतंकवादी हमले में हमारे पांच बहादुर सैनिकों की मौत से मुझे गहरा दुख हुआ है." उन्होंने कहा कि शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं.

आतंकी गतिविधियों का केंद्र बना जम्मू क्षेत्र : कांग्रेस

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकी हमले को लेकर मंगलवार को कहा कि कश्मीर घाटी के बाद अब जम्मू क्षेत्र आतंकवादी गतिविधियों का नया केंद्र बन गया है और सरकार को इसे गंभीरता से लेते हुए उपयुक्त कदम उठाना चाहिए. पार्टी सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इस मामले पर सरकार को देश को भरोसे में लेना चाहिए कि वह आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठा रही है. उनका यह भी कहना था कि अब पाकिस्तान को उसके दुस्साहस के लिए जवाब देने का समय आ गया है. कठुआ के बदनोटा इलाके में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने सोमवार को एक गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे.

जम्मू-कश्मीर पुलिस और विशेष अभियान समूह के जवान मंगलवार को हुए कठुआ आतंकवादी हमले के बाद आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान.

शहीद सैनिकों की संख्या बताए केंद्र सरकारः राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार से पिछले एक दशक में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों के हताहत होने वाले लोगों की संख्या साझा करने का मंगलवार को आह्वान किया. राउत ने 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद क्षेत्र में बिगड़ते हालात पर चिंता व्यक्त की. राउत ने कहा, 'इस सरकार के कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर में सबसे ज्यादा सैनिकों ने अपनी जान गंवाई है.

कठुआ हमला चिंताजनक प्रशासन सतर्क रहे : उमर

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकवादी हमले में पांच जवानों की मौत चिंताजनक है. उन्होंने जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर क्षेत्र में सुरक्षा स्थित को लेकर लापरवाही बरतने का आरोप भी लगाया. सोमवार को बदनोटा इलाके में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने एक गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें पांच जवान मारे गए थे.

चिंतनीय अमेरिका के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय की ओर से जारी रिपोर्ट में किया गया है दावा

भारत में घटिया ईंधन के संपर्क में आने से हर 1,000 बच्चों में 27 की मौत

एजेंसी। वाशिंगटन

भारत में भोजन पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले घटिया ईंधन के संपर्क में आने के कारण हर 1,000 शिशुओं और बच्चों में से 27 की मौत हो जाती है. अमेरिका के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय द्वारा जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया है. कोर्नेल विश्वविद्यालय में 'चार्ल्स एच. डायसन स्कूल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट' में प्रोफेसर अर्नब बसु समेत अन्य लेखकों ने 'भोजन पकाने के ईंधन के विकल्प और भारत में बाल मृत्यु दर' शीर्षक वाली रिपोर्ट में 1992 से 2016 तक बड़े पैमाने पर घरों के सर्वेक्षण के आंकड़ों का इस्तेमाल किया है. आंकड़ों का इस्तेमाल यह पता लगाने के लिए किया गया कि प्रदूषण फैलाने वाले इन ईंधन का मनुष्य की सेहत पर क्या असर पड़ता है. इसमें पाया गया कि इसका सबसे ज्यादा असर एक माह की आयु तक के शिशुओं पर पड़ा है. बसु ने कहा कि यह ऐसा आयु वर्ग है जिसके फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं होते हैं और शिशु सबसे ज्यादा अपनी मां की गोद में रहते हैं जो अक्सर घर में खाना पकाने वाली मुख्य सदस्य होती हैं. रिपोर्ट के अनुसार, भारत में खाना पकाने के घटिया ईंधन के संपर्क में आने के कारण हर 1,000 शिशु और बच्चों में से 27 की मौत हो जाती है.

दुनिया की एक तिहाई आबादी चूल्हे या स्टोव पर निर्भर

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया की करीब एक तिहाई आबादी चूल्हे या स्टोव पर खाना पकाती हैं जिसमें ईंधन के तौर पर लकड़ी, उपले या फसलों के अपशिष्ट का इस्तेमाल किया जाता है जिससे दुनियाभर में हर साल 32 लाख लोगों की मौत होती है. बसु ने कहा कि बदलाव लाना मुश्किल है. उन्होंने कहा, 'ज्यादातर ध्यान बाहरी वायु प्रदूषण और फसलों के अपशिष्ट को जलाने के तरीकों पर केंद्रित रहता है. सरकारें पराली जलाने के खिलाफ कानून बना सकती हैं और किसानों को पराली न जलाने के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते अग्रिम भुगतान कर सकती हैं.' रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि घर के अंदर के प्रदूषण पर भी ध्यान देना उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें अन्य कारकों के अलावा क्षेत्रीय कृषि भूमि स्वामित्व और वन क्षेत्र, घरेलू विशेषताएं और पारिवारिक संरचना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.

भारत में लड़कों के बजाय लड़कियों की मौत ज्यादा

बासु ने बताया कि भारतीय घरों में इसके कारण लड़कों के बजाय लड़कियों की मौत ज्यादा होती हैं. उन्होंने कहा कि इसकी वजह यह नहीं है कि लड़कियां अधिक नाजुक या प्रदूषण से जुड़ी श्वसन संबंध बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं बल्कि इसकी वजह यह है कि भारत में बेटों को ज्यादा तरजीह दी जाती है और जब कोई बेटी बीमार पड़ती है या उसे खांसी शुरू होती है तो परिवार उसका इलाज कराने पर समुचित ध्यान नहीं देते हैं. बसु ने विश्वविद्यालय की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'स्वच्छ ईंधन का इस्तेमाल करने से न केवल बच्चों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ेगा बल्कि बेटियों की उपेक्षा भी कम होगी.'

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को फिर से खोलने की सिफारिश करेगी समिति

एजेंसी। भुवनेश्वर

पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के सिलसिले में गठित उच्च स्तरीय समिति ने ओडिशा सरकार को 14 जुलाई को खजाने के आंतरिक कक्ष को फिर से खोलने की सिफारिश करने का फैसला किया है. समिति के एक सदस्य ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पुरी में समिति के सदस्यों की एक बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया. रत्न भंडार में संग्रहित मूल्यवान वस्तुओं की सूची बनाने की निगरानी के लिए समिति का गठन किया गया था. समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ ने कहा, 'हमने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि समिति सरकार से 14 जुलाई को रत्न भंडार के आंतरिक कक्ष को फिर से खोलने का अनुरोध करेगी.' रत्न भंडार को आखिरी बार 46 साल पहले 1978 में खोला गया था. रथ ने बताया कि श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक को बैठक के दौरान समिति के समक्ष रत्न भंडार की डुप्लीकेट चाबी पेश करने के लिए कहा गया. एसजेटीए के मुख्य प्रशासक समिति के सदस्य संयोजक भी हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)